सुविचार
संस्कृति सौंदर्य बोध के विकसित होने की मौलिक चेष्टा है।
-जयशंकर प्रसाद

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Disha Patani Sets The Internet... 12

Ranchi ● Tuesday, 09 September 2025 ● Year : 03 ● Issue : 235 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	80,787.30
निफ्टी	:	24,773.15

SARAFA

सोना	:	9,999
चांदी	:	137.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत को अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने का लें संकल्प : मुर्मु

NEW DELHI : सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के सभी हितधारक देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके भारत को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें। राष्ट्रपति मुर्मु ने यहां आयोजित ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीनकाल में भारत अध्यात्म और व्यापार दोनों क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करता था। भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते ईईपीसी से आग्रह किया कि वह इस संकल्प को पूरी दृढ़ता से आगे बढ़ाए। उन्होंने खुशी जताई कि पिछले 10 वर्षों में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चुनौतियों के बावजूद यह उपलब्धि उल्लेखनीय है।

'द टेलीग्राफ' के संपादक संकर्षण ठाकुर का निधन

NEW DELHI : सोमवार को वरिष्ठ पत्रकार और अंग्रेजी समाचार पत्र 'द टेलीग्राफ' के संपादक संकर्षण ठाकुर का लंबी बीमारी के बाद गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी सोना, बेटी जहान और बेटा आयुष्मान हैं। ठाकुर ने 1984 में 'संडे' पत्रिका से अपना पत्रकारिता करियर शुरू किया था। उन्होंने कई मीडिया संस्थानों में काम किया, जिनमें 'द इंडियन एक्सप्रेस', 'तहलका' और 'द टेलीग्राफ' शामिल हैं। शब्दों का चयन ठाकुर के विश्लेषणों एवं 'ग्राउंड रिपोर्ट' को और भी धारदार बना देता था। उन्हें अपनी तीक्ष्ण राजनीतिक टिप्पणियों और संवेदनापूर्ण लेखनी के लिए जाना जाता है। ठाकुर देश की राजनीति, खासकर बिहार के एक गहन इतिहासकार थे। उनका गृह राज्य न केवल उनकी पत्रकारिता का केंद्र था, बल्कि इसने एक लेखक के रूप में भी उन्हें स्थापित किया।

हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर लैंडस्लाइड

NEW DELHI : उत्तराखंड में हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर सोमवार सुबह काली मंदिर के पास लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर ट्रैक पर बने लोहे के स्ट्रक्चर पर गिरे। इसके कारण स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया। मलबा ट्रैक पर आ गिरा। अब रूट बाधित है। कई ट्रेनों को रोक गया है। ट्रैक से मलबा हटाया जा रहा है। इधर, राजस्थान में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। नदी-नाले ओवरफ्लो होने से उदयपुर, सलूंबर, जालोर सहित 8 जिलों में स्कूल बंद रहे।

बिहार में एसआईआर पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला-

आधार पहचान का प्रमाण पत्र, नागरिकता का नहीं

PATNA @ PTI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधार पहचान का प्रमाण पत्र होगा, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। गौरतलब है कि बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा कि आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

शीर्ष अदालत का ईसी को आदेश, आधार को माना जाए 12वां दस्तावेज

खास बातें

- जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने की मामले की हियरिंग
- इस विषय में अब 15 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

मनमाने ढंग से हटाए जा रहे वोटर्स के नाम

याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई है कि एसआईआर मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटाने की अनुमति देती है, जिससे लाखों नागरिकों को मताधिकार से वंचित होना पड़ सकता है। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रभावित हो सकता है। इस पर निर्वाचन आयोग ने बचाव करते हुए कहा, कि उन्हें इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार है। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि केवल पात्र नागरिकों को ही मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

बीएलओ को आयोग भेज रहा नोटिस

सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा। अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है। चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है। आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा, जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है। इसके जवाब में कपिल सिब्बल ने कहा- ये आपके दस्तावेज हैं, इस पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी का साइन है। अब इस मामले में अगले सोमवार यानी 15 सितंबर को सुनवाई होगी।

कोर्ट ने ऑनलाइन आवेदन को दी थी मंजूरी

बता दें कि इससे पहले हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयो को निर्देश दिया कि हटाए गए वोटर्स को लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावे ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दें। कोर्ट ने ये भी कहा था कि आधार कार्ड समेत फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इनमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं।

प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर किया कब्जा

नेपाली संसद में घुसे युवा, फायरिंग में 20 की मौत, गृहमंत्री का इस्तीफा

NEW DELHI @ PTI : सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करने के लिए सोमवार को युवा नेपाली संसद में प्रवेश कर गए। सेना की फायरिंग में 20 युवकों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक घायल हो गए। विरोध-प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया फिर से शुरू कर दिया गया। इस प्रदर्शन की अगुआई जनरल- जेड यानी 18 से 30 साल के युवाओं ने की। 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा संसद भवन परिसर में घुस गए, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। इधर, नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने मौतों की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सौंपा और कहा कि सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग में हुई मौतों के लिए उन्हें गहरा दुख है।

200 जख्मी, तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी

खास बातें

- हिंसा की बढ़ती स्थिति को देखते हुए सोशल मीडिया को फिर से किया गया शुरू
- नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर लगाई थी बैन

सरकार के मनमाने फैसलों से बढ़ा आक्रोश

नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने कहा कि सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ गया है। बड़े-बड़े भ्रष्टाचार, घोटाले और सरकारी नियुक्तियों की खरीद-फरोख्त सुनते-समझते आ रहे युवा पीढ़ी में गुस्सा बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार पर दमन के आरोप लगाए हैं। सत्ता में बैठे लोग अपनी ताकत हम पर नहीं थोप सकते।

यूट्यूब जैसी 26 कंपनियां रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं करा सकीं

नियमों के अनुसार, हर कंपनी को नेपाल में लोकल ऑफिस रखना, गलत कंटेंट हटाने के लिए लोकल अधिकारी नियुक्त करना और कानूनी नोटिसों का जवाब देना जरूरी कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार के साथ यूजर डेटा शेयर करने के नियम भी मानना जरूरी कर दिया गया। कंपनियों को डेटा-प्राइवेसी और अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में ये शर्तें बहुत सख्त लग रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत या यूरोप जैसे बड़े देशों में कंपनियां लोकल प्रतिनिधि रख लेती हैं, क्योंकि वहां यूजर बहुत ज्यादा हैं। लेकिन नेपाल का यूजर बेस छोटा है, इसलिए कंपनियों को यह बेहद खर्चीला लगा।

झारखंड में धीरे-धीरे कमजोर पड़ गया मानसून

अब तक आठ जिलों में हुई भरपूर बारिश सिर्फ पाकुड़ में औसत से कम बरसा पानी

PHOTON NEWS RANCHI : अगस्त के अंत तक झारखंड में सामान्य से अधिक बारिश रिकार्ड की जा चुकी है। सितंबर का पहला सप्ताह समाप्त होते-होते मानसून मानसून कमजोर पड़ चुका है। मौसम विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अधिकतम बारिश के मामले में पूर्वी सिंहभूम जिला सबसे आगे रहा। यहां सामान्य की तुलना में 1550.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 66 प्रतिशत ज्यादा है। यह एकमात्र जिला है, जहां बहुत अधिक बारिश हुई है। इसके अलावा 9 जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। गढ़वा, पलामू, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, गोड्डा और साहिबगंज में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। इस लिस्ट में सिर्फ पाकुड़ एकमात्र ऐसा जिला है, जहां सामान्य से 22 फीसदी कम बारिश हुई है।

पिछले 24 घंटों में चंदवारा में सबसे ज्यादा 42 मिमी हुई वर्षा

- 12 सितंबर तक रुक-रुक कर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हो सकती है सामान्य बारिश

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को जान से मारने की मिली धमकी, कॉल करने वाले ने कहा-

तुम बस इंतजार करो... तुम्हें बहुत जल्द उड़ा देंगे

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। रविवार देर रात बोकारो सर्किट हाउस में ठहरने के दौरान उन्हें एक अज्ञात मोबाइल नंबर (7005758247) से कॉल आया। कॉल करने वाले ने पहले सिर्फ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं मंत्री को जल्द ही उड़ा देने की बात कही। धमकी भरे लहजे में कहा गया- तुम बस इंतजार करो... तुम्हें बहुत जल्द उड़ा देंगे। इस घटना की जानकारी मिलते ही मंत्री ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। सुरक्षा एजेंसियां अब अलर्ट मोड में आ गई हैं। पूरे मामले की जांच तेज कर दी गई है।

अलर्ट मोड में आईं सुरक्षा एजेंसियां, मामले की जांच कर दी गई तेज

खास बातें

- रविवार की रात करीब 11:56 बजे आया कॉल, अपशब्दों का इस्तेमाल
- पहले भी इरफान को मिल चुकी है जान मारने की धमकी

बोकारो सर्किट हाउस में ठहरे हुए थे मंत्री

सूत्रों के अनुसार, रविवार की रात करीब 11:56 बजे मंत्री के मोबाइल पर यह धमकी भरा कॉल आया। उस वक्त मंत्री बोकारो सर्किट हाउस में ठहरे हुए थे, जहां वे आधिकारिक कार्यक्रमों के सिलसिले में पहुंचे थे। कॉल करने वाले ने पहले अपशब्द कहे और फिर जान से मारने की धमकी दी। धमकी का अंदाज इतना कड़ा था कि मंत्री ने तुरंत पुलिस अधिकारियों को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने मोबाइल नंबर को ट्रैक करना शुरू कर दिया है।

लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मतदान में लेंगे हिस्सा, दोनों सदनों में हैं 781 मेंबर

17वें उपराष्ट्रपति के लिए आज डाले जाएंगे वोट

NEW DELHI @ PTI : 9 सितंबर यानी मंगलवार को देश के 17वें उपराष्ट्रपति के लिए मतदान होगा। सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और 'इंडिया' गठबंधन के कैंडिडेट सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला है। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से, जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। मतदान सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। मतदान खत्म होने के बाद इसी दिन काउंटिंग की प्रक्रिया शुरू होगी और रिजल्ट चालू कर दिया जाएगा। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी. मोदी ने कहा है कि मतदान मंगलवार को संसद भवन के कमरा संख्या एफ-101, वसुधा में होगा।

मतदान के बाद शुरू होगी काउंटिंग की प्रक्रिया, आज ही जारी होगा रिजल्ट

खास बातें

- मतदान सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे होगा समाप्त
- एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और 'इंडिया' गठबंधन के बी.सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला

दोनों उम्मीदवारों की खासियत

राधाकृष्णन तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रहे हैं और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, जबकि रेड्डी उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं। रेड्डी जुलाई 2011 में शीर्ष अदालत से सेवानिवृत्त हुए थे। वह एक वरिष्ठ न्यायविद हैं।

मतदान से दूर रहेगी बीआरएस

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि यूरिया की कमी को लेकर तेलंगाना के किसानों की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से पार्टी दूर रहेगी।

बीजेडी की भी नहीं होगी भागीदारी

बीजेडी ने घोषणा की है कि वह 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहेगी। पार्टी एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से समान दूरी बनाए हुए है।

कुलगाम में सेना की आतंकियों से मुठभेड़ मारे गए 2 आतंकी

KULGAM : सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया है।

- पहलगाम हमले के बाद जारी लिस्ट में था एक आतंकवादी, 2 जवान भी घायल

सोमवार सुबह गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया है। इस दौरान एक जेसीओ समेत 2 जवान घायल हुए हैं। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के रूप में हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था। पुलिस, सेना की 9आरआर और सीआरपीएफ की एक जॉइंट टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्चिंग शुरू की थी। जानकारी के मुताबिक जंगल में लश्कर के 3 से ज्यादा आतंकी छिपे हैं। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है और अतिरिक्त सुरक्षा बल इलाके में भेजे गए हैं। आतंकियों के छिपे होने की खबर मिलने के बाद टीम गुड्डर के जंगलों में संदिग्ध जगह पहुंची। जहां छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने जवाबी फायरिंग की।

आपसी रंजिश व बदले की भावना से कारोबारी को मारी गई थी गोली

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रातू थाना क्षेत्र के झखराटांड़ में गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के बाद डीआईजी-सह-एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार को छह अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार व वाहन भी बरामद किए हैं। एसएसपी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पूछताछ के दौरान, पुलिस को पता चला कि इस अपराध के पीछे का मुख्य कारण आपसी रंजिश और बदले की भावना थी। गिरफ्तार मुख्य आरोपी कुणाल कुमार उर्फ बसंत यादव का अपने पड़ोसी राजबल्लभ गोप उर्फ बलमा के साथ पुराना विवाद था। कुणाल ने पुलिस को बताया कि राजबल्लभ गोप के साथ उसका हमेशा तनाव बना रहता था। जब कुणाल ने जमीन का काम शुरू करना चाहा, तो राजबल्लभ ने उसे धमका कर काम बंद करवा दिया। लगभग एक साल पहले, राजबल्लभ ने कुणाल के पिता के साथ भी मारपीट की और उनके घर जाकर गाली-गलौज की थी। इसी अपमान का बदला लेने के लिए कुणाल ने इस अपराध की योजना बनाई थी।

खास बातें

- गलती से रवि कुमार को राजबल्लभ गोप समझकर चला दी गोलियां
- हत्या के 12 घंटे के भीतर पुलिस ने छह अपराधियों को किया अरेस्ट
- मर्डर के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार व वाहन बरामद
- राजबल्लभ गोप को मारने के लिए पांच लाख रुपये की तय की गई थी सुपारी

बिग मिशन राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार ने शुरू किया काम

प्रदूषण कम करने का लक्ष्य हासिल होने पर बढ़ेगी आयु

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : बेशक प्रदूषण की समस्या अंतरराष्ट्रीय है। इसका संबंध प्राकृतिक संतुलन और जीवों के अस्तित्व के साथ-साथ मनुष्य की उम्र से भी है। प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों के कारण लोगों की मृत्यु समय से पहले हो रही है। प्रदूषण की समस्या पर जैसे-जैसे नियंत्रण होगा, वैसे-वैसे उम्र बढ़ने की संभावना विशेषज्ञों द्वारा जताई जाती है। सभी देश इस समस्या के समाधान के लिए से अपने-अपने तरीके काम कर रहे हैं। भारत में भी कारगर तरीके से लक्ष्य निर्धारित कर इसके लिए काम हो रहा है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम यानी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत अगर भारत 2026 तक प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य हासिल कर लेता है, तो देश के 130 शहरों के निवासियों की औसत उम्र दो साल तक बढ़ सकती है। यह निष्कर्ष ऊर्जा नीति संस्थान, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (ईपीआईसी) की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है। इसमें कहा गया है कि अगर 2017 के स्तर से कण प्रदूषण घटाया गया, तो लोगों को लंबी उम्र मिल सकती है। एनसीएपी की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। पहले लक्ष्य था कि 2017 के प्रदूषण स्तर की तुलना में 2024 तक 20-30 प्रतिशत कमी लाई जाए।

पॉल्यूशन में 40 फीसद कटौती की सफलता से उम्र में दो साल की होगी बढ़ोतरी

2017 के प्रदूषण स्तर की तुलना में 2024 तक 20-30 प्रतिशत घटाने का था लक्ष्य

- अब परिवर्तन लाकर इसे साल 2026 तक 40 प्रतिशत का रखा गया है टारगेट
- काम करने के तरीके व स्थिति की ईपीआईसी की रिपोर्ट में विस्तार से दी गई है जानकारी

भारत के 22 शहरों को राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक पूरा करने में मिली कामयाबी

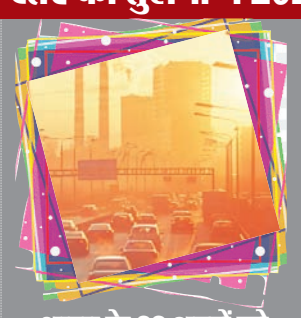

- पहले चरण में देश के विभिन्न राज्यों के 130 शहरों में शुरू किया गया है काम
- अभी प्रदर्शन के आकलन में सिर्फ पीएम-10 स्तर पर ही किया जा रहा विशेष फोकस

शहरों में मानक स्तर से अधिक प्रदूषण

ईपीआईसी की रिपोर्ट के अनुसार, अगर यह लक्ष्य हासिल हो जाता है तो 130 शहरों के लोग 2017 के मुकाबले औसतन दो साल ज्यादा जी पाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारत के सभी 1.4 अरब लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानक से ज्यादा है। यहां तक कि देश के सबसे साफ क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी अगर डब्ल्यूएचओ का मानक लागू हो जाए तो औसतन 9.4 महीने ज्यादा जी सकते हैं।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

नावाडीह थाना क्षेत्र के आहरडीह गांव की घटना, गिरिडीह से आए मायके वालों ने सास को कर दिया पीटकर घायल

PHOTON NEWS BERMO : बोकारो जिला के नावाडीह थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक विवाहिता का शव उसके कमरे में झूलता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के मायके वाले गिरिडीह से आहरडीह पहुंचे और जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि मृतका का पति विदेश में काम करता है और घर के अन्य सदस्य उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते थे। हो-हंगामा के बीच हुई मारपीट से मृतका की सास गंभीर रूप से जख्मी हो गई। बाद में जुटे ग्रामीणों की मदद से विवाद को शांत कराने के बाद जख्मी महिला को इलाज के लिए धनबाद भेज दिया गया है, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना पर

घटनास्थल पर जुटी भीड़ व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

नावाडीह थाना की पुलिस गांव पहुंची और मामले की छानबीन करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चास भेज दिया। बताया जाता है कि आहरडीह निवासी डालेश्वर महतो व कलावती देवी के पुत्र भीम महतो का विवाह 2016 में गिरिडीह जिला के सरिया थाना अंतर्गत श्रीरामडीह निवासी सरिता देवी से हुआ था। विवाह के बाद महिला ने एक पुत्री व एक पुत्री को जन्म दिया। सरिता देवी का पति भीम महतो ढाई माह पहले काम करने ओमान चला गया। सरिता 6 सितंबर को अपने भाई के साथ मायके से आहरडीह पहुंची थी। बताया जाता है कि रविवार को सरिता व उसकी सास के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी हुई। इसके बाद रात में सरिता खाना खाकर बच्चों के साथ अपने कमरे में सोने चली गई। कमरे के दरवाजे की कुंडी अंदर से बंद थी। सोमवार सुबह जब सरिता की बेटी जागी तो कमरा में अपनी मां को लटका हुआ देखा।

भयभीत होकर वह चिल्लाते हुए बाहर भागी और दादी को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में उसे फंदा से उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की जानकारी मृतका के मायके वालों को दी गई। मृतका के मायके वालों ने आहरडीह पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि सरिता की हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया है। मामले को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

घर में मिला सीसीएल कर्मी का शव, पत्नी सहित ससुराल वालों पर कराई प्राथमिकी

BERMO : बोकारो जिला के बेरमो थाना अंतर्गत ढोरी स्टाफ क्वार्टर के ब्लॉक नंबर-8 के क्वार्टर संख्या 115 में रविवार की देर शाम को लालू चौहान के 30 वर्षीय पुत्र सीसीएल कर्मी छोटू कुमार का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद छोटू कुमार की पत्नी चांदनी देवी ने परिजनों व स्थानीय लोगों की मदद से फंदे से उसे उतारकर केंद्रीय अस्पताल ढोरी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर बेरमो थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। रात होने के कारण पुलिस ने शव को मॉर्चुरी में रख दिया था। सोमवार को दोबारा पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से मामले की जानकारी ली। यहां मृतक की मां कबूतरी देवी ने अपनी बहू चांदनी देवी व उसके ससुराल वालों पर बेटे की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाया। बेरमो थाना के एसआई सचिन रोशन एवं एएसआई मनोहर मंडल अस्पताल पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कबूतरी देवी ने कहा कि वह ढाको बस्ती में पूरे परिवार के साथ रहती थी। बेटे को सीसीएल में नौकरी मिलने के एक वर्ष बाद उसकी पत्नी चांदनी देवी बेटे पर दबाब बनाकर परिवार वालों से दूर ढोरी स्टाफ क्वार्टर में रहने लगी। यहां बेटे के ससुराल वाले भी साथ रहते थे। चांदनी देवी ने कई बार बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी थी, इसकी जानकारी उसके बेटे ने दी थी। उन्होंने बेरमो थाना में बेटे के ससुर, सास, पत्नी चांदनी देवी व साला अमित कुमार पर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। इधर, मृतक की पत्नी चांदनी देवी ने बेरमो थाना में आवेदन देकर कहा कि दोपहर 3 बजे खाना खाकर वह क्वार्टर के बाहर वाले कमरे में आराम कर रही थी। उसका पति छोटू कमार अंदर के कमरे में था। पति को आवाज लगाई, जिस पर कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद कमरे में जाकर देखा तो उसका पंखा के हुक में दुपट्टा के सहारे फांसी लगा फंदे से लटक रहा था। परिजनों व स्थानीय लोग आनन-फानन रीजनल अस्पताल, ढोरी ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसमें परिवार एवं अन्य किसी का कोई दोष नहीं है। मृतक अमलो परियोजना में कैटेगिरी-1 में मेंटेनेंस के पद पर कार्यरत था। मृतक अपने पीछे तीन पुत्री छोड़ गया। बेरमो पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो सकेगा।

पलामू में बंद पड़ी खदान में मिला युवक का शव

PALAMU : पलामू जिले में पड़वा स्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की वर्षों से बंद पड़ी राजहरा कोलियरी में एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को चौंका दिया है। मृतक की पहचान संजू चौहान उर्फ राजा (26) के रूप में हुई है, जो राजहरा कोठी गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि युवक ने खदान में खड़ी एक पुरानी शावेल मशीन में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही पड़वा थाना की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को उतार कर एमएमसीएच (मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पड़वा के थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि घटना सोमवार सुबह की है। उन्होंने बताया कि मृतक के माता-पिता नहीं थे और वह पड़वा क्षेत्र में रहकर मजदूरी करता था। पुलिस फिलहाल इस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह खुदकुशी का मामला है या इसके पीछे कोई और वजह है।

BRIEF NEWS

स्कूल में मध्याह्न भोजन खाते ही बीमार हुए 20 बच्चे

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूमि जिले के गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत कदमडीहा पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय ईचाहातु में सोमवार को मध्याह्न भोजन खाने के बाद 20 बच्चे फूड प्वॉइजनिंग के शिकार हो गए। इसके बाद स्कूल में अफरातफरी मच गई। भोजन करने के बाद बच्चों को उल्टी-दस्त होने लगी। कुछ बच्चों ने सिर में चक्कर की भी शिकायत की। स्कूल के एकमात्र शिक्षक सुमन कुमार ने मामले से प्रखंड संसाधन केंद्र को अवगत कराया। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जयश्री को मेडिकल टीम और एंबुलेंस भेजने का निर्देश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक टीम स्कूल भेजी गई। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे से शाम छह बजे तक मेडिकल टीम ने स्कूल में 20 बच्चों का उपचार किया। स्कूल में कक्षा एक से पांच के 34 बच्चे उपस्थित थे। डॉक्टरों के अनुसार इलाज के बाद बच्चे खतरे से बाहर हैं। इलाज के बाद बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ घर भेज दिया गया।

बेरमो की रेशमा लॉनबॉल खेलने जाएगी हांगकांग

BERMO : बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड की रेशमा कुमारी ने एक बार फिर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। लॉन बॉल खेल में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उसने भारतीय टीम में जगह बनाई है। रेशमा ने इसी वर्ष उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड को गौरवान्वित किया था। हाल ही में दिल्ली स्थित डीपीएस, आरके पुरम स्टेडियम में 28 से 30 अगस्त तक बॉलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन किया और भारतीय टीम में चयनित हुई। अब वह पहली बार हांगकांग क्लासिक इंटरनेशनल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। उसकी इस उपलब्धि पर रविवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने आवास पर रेशमा को सम्मानित किया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। डीसी ने तत्काल उसके घर की पानी की समस्या दूर करने का निर्देश दिया और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की बात कही। रेशमा ने बताया कि उसे प्रारंभिक प्रशिक्षण भाटिया एथलेटिक्स अकादमी ट्रस्ट से मिला। अकादमी के मुख्य संरक्षक प्रशांत अरोड़ा पिछले डेढ़ साल से उसका सहयोग कर रहे हैं। वर्तमान में वह रांची आरके आनंद लॉन बॉल स्टेडियम में डॉ. मधुकांत पाठक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। सम्मान समारोह में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चंदनक्यारी के मुख्य प्रशिक्षक आशु भाटिया और बोकारो जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विपिन सिंह भी उपस्थित रहे। रेशमा, गोमिया डिग्री कॉलेज की छात्रा है। उसके पिता सुरेश नोनिया ऑटो चालक हैं।

जेएलकेएम नेता खंडोली डैम में जल समाधि लेने कूदे, पुलिस ने बचाया

पार्टी नेताओं ने कहा- जलाशय का भू-माफिया कर रहे अतिक्रमण, प्रशासन कराए नापी

AGENCY GIRIDIH : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सोमवार को खंडोली बचाओ अभियान के तहत झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता और कार्यकताओं खंडोली डैम पहुंच कर छलांग लगाकर जल समाधि लेने का प्रयास किया। लेकिन पहले से अलर्ट बेंगाबाद थाना पुलिस ने सभी को डैम से सुरक्षित बाहर निकाला। जेएलकेम नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि खंडोली डैम के जमीन को भू-माफिया और सुभाष पब्लिक स्कूल प्रबंधन से बचाने के लिए वे चरणबद्ध आंदोलन कर धरना-प्रदर्शन कर रहे है। इसी के तहत सोमवार को जल समाधि कार्यक्रम

विरोध प्रदर्शन करते जेएलकेएम के कार्यकर्ता

पहले से तय था। जल समाधि प्रदर्शन के दौरान नागेंद्र चंद्रवंशी, सूरज पंडित और अजय सहित कई नेता और कार्यकर्ता खंडोली डैम में कूदे और डूबने लगे। इसे देखकर पहले से तैयार पुलिस के जवान तत्काल बचाने के लिए उनके पीछे दौड़ पड़े और सभी को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया । हालांकि इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोग डैम से बाहर आने से इनकार करने लगे और गहरे पानी में जाकर वे जलसमाधि लेने की धमकी देने लगे। लेकिन काफी देर बाद पुलिस के जवानों ने सभी को पकड़ कर बाहर निकाला। पत्रकारों से बात करते हुए जेएलकेएम के नेता नागेंद्र चंद्रवंशी और अजय कुमार ने कहा कि शहर के एक बड़े भू- माफिया खंडोली डैम जलाशय के जमीन को लूट कर अब वहां अंडा और मशरूम प्लांट खोलकर उक्त पीने के पानी को तो दूषित कर रहे है, जिसे शहर की बड़ी आबादी की प्यास बुझती है। नेताओं ने आरोप लगाया कि डैम के सरकारी जमीन को बेंगाबाद के अंचल कार्यालय का भू -माफिया को संरक्षण मिल रहा है। जबकि हमारी मांग प्रशासन से सरकारी जमीन की नापी करने की है। नेताओं ने कहा कि गिरिडीह के प्रमुख पर्यटक को भू -माफियाओं से बचाना उनका हक है। और हम अपने हक और अधिकार के लिए संघर्ष करने में पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान जेएलकेएम के कई नेता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

पत्नी को पीटकर मार डाला लोगों ने पति को पेड़ से बांधा

JHARIA : धनबाद जिले के सुदामडीह थाना क्षेत्र में पाथरडीह पांडेय बस्ती की गुलगुलिया पट्टी में रविवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां उमेश अघोरी उर्फ माझी गुलगुलिया ने शक के कारण अपनी पत्नी सोनिया देवी की रात करीब 12 बजे लाठी-डंडे से पीट कर व गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गुलगुलिया समाज के लोग जुट गए व आरोपी पति को पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही सोमवार की सुबह सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर धनबाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त डंडे को भी जब्त कर लिया है। वहीं आरोपी पति उमेश गुलगुलिया को

आरोपी उमेश अघोरी

हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतका के पति उमेश ने पड़ोसियों को अपनी मनगढ़ंत कहानी सुनाई। कहा कि वह कैटरिंग का काम कर रात एक बजे घर लौटा था। पत्नी ने खाना दिया, जिसे खाकर सो गया। सुबह उठा तो देखा कि किसी ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी है। पुलिस ने उमेश से कड़ाई से पूछताछ की, तो उमेश ने सारी बात बताई। कहा कि वह लोको बाजार में एक मुर्गा दुकान में काम करता है।

स्नातक चौथे सेमेस्टर की परीक्षा आज से शुरू

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की ओरसे आयोजित स्नातक सत्र 2022-26 के चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 9 सितंबर से शुरू होकर 23 सितंबर तक संचालित होगी। इसमें करीब 22 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। दो पाली में होने वाली इस परीक्षा की पहली पाली सुबह 9.30 बजे से शुरू हो कर दोपहर 12.30 बजे तक होगी।

दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। जो परीक्षार्थी अभी तक एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं कर सके हैं वे विवि की वेबसाइट पर जाकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। इस परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी छात्र विवि की वेबसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। मालूम हो कि 2022-26 का यह परीक्षा करीब एक साल की देरी से हो रही है। अगर समय पर परीक्षाएं होतीं तो 2024 में ही चौथे सेमेस्टर की परीक्षा हो जानी चाहिए थी। लेकिन, एडमिशन प्रक्रिया में देरी की वजह से पिछड़ता चला जा रहा है।

20 केंद्रों पर होगा एग्जाम

स्नातक सत्र 2022-26 के चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए केंद्र का निर्धारण भी कोल्हान विवि ने कर दिया है। इस परीक्षा के लिए कुल 20 केंद्र बनाए गए हैं। जिन कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है, उनके प्रिंसिपल केंद्राधीक्षक होंगे। इसके साथ ही विवि ने कदाचार रोकने के लिए अलग अलग टीमों का गठन किया है, जो परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी।

सेना को समर्पित छंदबद्ध नाटक 'मिशन' का हुआ भव्य मंचन

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन एवं छंदमाल्य कवि मंडपम के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी भवन के मानस सभागार में सेना को समर्पित छंबद्ध नाटक मिशन का भव्य मंचन किया गया। छंदमाल्य-6 के अंतर्गत प्रतिभा प्रसाद कुमकुम रचित तथा नगर की नामचीन नाट्य संस्था डेट के कलाकारों ने अनुज प्रसाद के निर्देशन में मंचित नाटक हिंदी साहित्य के लिए एक नया प्रयोग रहा, जिसमें छह छंदों का प्रयोग किया गया। नाटक में सूत्रधार की भूमिका में अरुणा झा के साथ भाग लेने वाले कलाकारों में सत्यजीत सिंह राजपूत, राकेश रमण, रमेश चौधरी, रत्नेश त्रिपाठी, राजेंद्र साह राज, प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम', डॉ. आशा गुप्ता, पुष्कर बाला, सतनाम कौर, सतबीर मुखी, मयंक लोहार, सार्थक सिन्हा, नीलम, पिंकी आदि प्रमुख रहे।

नगर निगम के कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, वेतन के लिए की नारेबाजी

AGENCY PALAMU : तीन महीने से वेतन भुगतान नहीं होने के कारण नगर निगम के 400 से अधिक विभिन्न स्तर के कर्मियों ने सोमवार से कार्य बहिष्कार कर दिया है। अपनी मांगों पर जोर डालने के लिए सभी कर्मचारियों ने सुबह 8 बजे कार्यालय के पास प्रदर्शन किया और जल्द भुगतान की मांग की। सारे कर्मी हाजिरी बनायेंगे, लेकिन कार्य नहीं करेंगे। कार्य बहिष्कार को लेकर झारखंड लोकल वॉडिज इम्प्लाइज फेडरेशन की मेदिनीनगर इकाई से जुड़े सारे कर्मी सुबह एकत्रित हुए और छहमुहान स्थित कार्यालय और समाहरणालय स्थित नगर निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मियों ने कहा कि गत एक जून से नगर आयुक्त की पदस्थापना नहीं हुई है। ऐसे में

प्रदर्शन करते नगर निगम के कर्मचारी

वेतन भुगतान का मामला लंबित है। कई स्तरों पर वेतन भुगतान की मांग करने पर कोई पहल नहीं होने के कारण निगमकर्मियों ने खुद को काम से अलग करने का निर्णय लिया। इकाई के अध्यक्ष बिशुन राम चन्द्रवंशी ने कहा कि नगर आयुक्त के नहीं रहने के कारण भुगतान पर असर पड़ा है। सभी स्तर के कर्मियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गयी है। एक सितंबर को सहायक नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर 7 सितंबर तक वेतन भुगतान की मांग की थी। तय समय में कोई निर्णय नहीं हुआ। ऐसे में सारे कर्मी कार्य पर उपस्थित रहते हुए वेतन भुगतान नहीं होने तक कोई कार्य नहीं करेंगे। मौके पर सारे कर्मियों ने मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की और भुगतान जल्द करने का आग्रह किया।

प्रोन्नति के दो माह बाद भी नहीं हुआ वेतन का निर्धारण : संघ

PHOTON NEWS JSR: झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्वी सिंहभूम का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधीक्षक से मिला। इसमें बताया गया कि जिले के कुछ शिक्षकों की ग्रेड-4 में प्रोन्नति हुई है, लेकिन प्रोन्नति के उपरांत वेतन निर्धारण के लिए मूल सेवा पुस्तिका व आवश्यक प्रपत्र दो माह से जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय में जमा है। यथाशीघ्र ग्रेड-4 पद पर वेतन निर्धारण किया जाए। जिला शिक्षा अधीक्षक ने सहायक आचार्य पद पर काउंसिलिंग होने के पश्चात वेतन निर्धारण करने का आश्वासन दिया। भारत सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी परीक्षा में उत्तीर्णता के प्रावधान को हटाए जाने के लिए अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के

जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय पहुंचे शिक्षक ● फोटोन न्यूज

तत्वाधान में संपूर्ण देश में आंदोलन का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत 15 सितंबर तक देश के सभी जिलों में झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन के माध्यम से मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री व संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा जाएगा। जो शिक्षक पहले भर्ती हुए थे उनका अधिकार है कि उनकी नौकरी उस समय के सेवा शर्तों के अनुसार होनी चाहिए और उन्हें प्रोन्नति दी जानी चाहिए। उनकी नियुक्ति के समय टेट पास अनिवार्य नहीं था, तो अब इसे अनिवार्य नहीं किया जा सकता। संघ पहले सरकार से उक्त नियमावली में ढील देने की मांग करेगा एवं संघ द्वारा कानूनी विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। अतएव अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ एवं झारखंड प्राथमिक शिक्षा संघ की राज्य इकाई के आह्वान पर 15 सितंबर को झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल सुबह 11 बजे जिला शिक्षा अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम से भेंट करने के पश्चात उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम को तत्संबंधी ज्ञापन सौंपा गया।

आश्वासन बलिदानी जवान के परिवार से मिले वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

दो करोड़ रुपये की सहायता व नौकरी का किया एलान

AGENCY PALAMU : पलामू के मनातू मुठभेड़ में शहीद हुए हैदरनगर क्षेत्र के दो वीर सपूतों-बरेवा गांव के संतन मेहता और परता के सुनील राम के परिजनों से सोमवार को झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बलिदान हुए दोनों जवानों को नमन करते हुए परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार और बैंक के बीच हुए समझौते के तहत प्रत्येक शहीद परिवार को एक-एक करोड़ रुपये, और सरकारी सेवाओं के तहत एक-एक करोड़ यानी कुल दो करोड़ रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

शहीद संतन मेहता की पत्नी सरिता देवी, जो स्नातक उत्तीर्ण हैं। उनको विभाग में लिपिक पद

शहीद जवान के परिवार से मिलते वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

पर नौकरी दी जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि बरेवा मेन रोड से श्मशान घाट तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा और गांव में बलिदान संतन मेहता का स्मारक भी बनाया जाएगा। वहीं, परता गांव जाकर उन्होंने शहीद सुनील राम के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें भी सभी सरकारी लाभ शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

वित्त मंत्री ने कहा कि बलिदान हुए जवानों ने नक्सलियों से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पलामू बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी घोषणाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए। मनातू मुठभेड़ में बलिदान हुए दोनों जवानों की याद में सोमवार को भी पूरे हुसैनाबाद और आसपास के क्षेत्रों में गम और गर्व का माहौल रहा। लोग अब भी अपने वीर सपूतों की शहादत को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तीन सितम्बर की देर रात टीएसपीएस के जोनल कमांडर और 10 लाख के ईनामी उग्रवादी शशिकांत गंझू को पकड़ने मनातू के केदल गांव गई पुलिस टीम पर उग्रवादियों ने हमला कर दिया था, जिसमें जिला पुलिस बल के दो जवान शहीद हो गए थे, जबकि एक जख्मी हो गया था।

BRIEF NEWS

चतरा राइफल शूटिंग क्लब ने 72 मेडल जीतकर रचा इतिहास

RANCHI : रांची के टिकट उमरो शूटिंग रेंज में 2 से 5 सितंबर तक हुई 15वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप व थर्ड इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में चतरा राइफल शूटिंग क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। चार दिवसीय प्रतियोगिता के समापन पर 5 सितंबर को मेडल सेरेमनी में क्लब ने राइफल और पिस्टल दोनों इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 72 से अधिक मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही क्लब ने पूरे राज्य में अपनी अलग पहचान बनाई।

एजी चर्च स्कूल में मनाया गया टीचर्स डे

RANCHI : एजी चर्च स्कूल में टीचर्स डे मनाया गया। इस दौरान स्कूल के सभी स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम में भाग लिया। टीचर्स डे पर स्टूडेंट्स ने अलग-अलग अंदाज में टीचरों का धन्यवाद किया। प्रिंसिपल अजय कुजूर टीचर्स डे ने टीचर्स का उत्साह बढ़ाया। असिस्टेंट प्रिंसिपल देवघरिया उरांव ने टीचर्स और बच्चों को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री से मिले टाटा स्टील के चीफ रेसिडेंट एग्जीक्यूटिव

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में टाटा स्टील के चीफ रेसिडेंट एग्जीक्यूटिव संजय मोहन श्रीवास्तव ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

तुपुदाना रिंग रोड पर जल-जमाव से लोग परेशान, महामारी फैलने का खतरा

ANIMESH SAHU RANCHI : रांची के तुपुदाना क्षेत्र में रिंग रोड के समीप जल-जमाव की समस्या ने स्थानीय नागरिकों और दैनिक श्रमिकों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। सतरंजी बाजार के पास स्थित यह इलाका प्रतिदिन सैकड़ों श्रमिकों और व्यापारियों की आवाजाही का केंद्र होता है, लेकिन सड़क पर फैले गंदे पानी और कीचड़ ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर बने गहरे गड्ढों में बदबूदार पानी भरा हुआ है, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि पैदल चलना भी जोखिमपूर्ण हो गया है। जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो चुकी है, जिससे यह क्षेत्र एक स्थायी जलाशय में तब्दील होता जा रहा है। नामकुम की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों का आवागमन लगभग पूरी तरह से बंद हो चुका है। पहले केवल भारी वाहनों की आवाजाही रुकी थी, लेकिन अब दोपहिया वाहन भी इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ हैं। सड़क पर तीन-तीन फीट गहरे गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएं भी सामने आई हैं।

» गहरे गड्ढों में भरा हुआ है बदबूदार पानी, पैदल चलना भी हो रहा मुश्किल
» नामकुम की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद
» जल निकासी के लिए नहीं किया गया है कोई इंतजाम
» सतरंजी बाजार के पास रोजाना सैकड़ों श्रमिकों व व्यापारियों का होता है आना-जाना

फ्लाईओवर के नीचे जमा गंदा पानी

शिकायत पर भी कार्रवाई नहीं

स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बताया कि नगर निगम और संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। एक श्रमिक ने कहा, हर दिन यहां सैकड़ों लोग काम की तलाश में आते हैं, लेकिन इस गंदगी और बदबू के बीच खड़े रहना हमारी मजबूरी बन गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस प्रकार के जलजमाव से डेंगू, मलेरिया और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। यदि जल्द ही सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो यह क्षेत्र महामारी का केंद्र बन सकता है।

जल-जमाव के कारण हुए गड्ढे को पार करता ऑटो

प्रशासन से संज्ञान लेने की अपील

स्थानीय नागरिकों, श्रमिकों और व्यापारियों ने प्रशासन से अपील की है कि तुपुदाना रिंग रोड की स्थिति का तत्काल संज्ञान लिया जाए और जल निकासी, सड़क मरम्मत तथा नियमित सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पथ निर्माण विभाग के अधिकरियों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

रांचीवासियों को जल्द मिलेगी तीन नए फ्लाईओवर की सौगात

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित रांची शहर के तीन महत्वपूर्ण फ्लाईओवर की कार्य योजना एवं उसके डिजाइन से संबंधित प्रेजेंटेशन पर पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित हरमू सहजानंद चौक से एसीबी कार्यालय तक बनने वाले फ्लाईओवर परियोजना का विस्तृत प्रेजेंटेशन देखा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हरमू फ्लाईओवर का निर्माण ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरमू बाईपास रोड पर अक्सर लगने वाले जाम से लोगों को काफी परेशानी होती है। इस फ्लाईओवर के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और उनका समय भी बचेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस फ्लाईओवर को रातू रोड फ्लाईओवर से जोड़ें, ताकि आमजनमानस को आवागमन में सुविधा हो सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से यह जानकारी दी कि प्रस्तावित हरमू फ्लाईओवर परियोजना का टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ और करम टोली चौक से साइंस सिटी तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण परियोजना से संबंधित प्रेजेंटेशन की विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और इन फ्लाईओवर की महत्ता को देखते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

बेहतर कार्य योजना करें तैयार

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जल्द उक्त फ्लाईओवर निर्माण हेतु एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए डीपीआर तैयार की जाए तथा इस परियोजना को मूर्त रूप देने की दिशा में अग्रतर कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित फ्लाईओवर अरगोड़ा चौक के ऊपर गोलचक्कर (रोटरी) बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरगोड़ा चौक में गोलचक्कर निर्माण से कई महत्वपूर्ण सड़कें आपस में कनेक्ट हो जाएगी। जिससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी।

- अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ और करम टोली चौक से साइंस सिटी फ्लाईओवर का डीपीआर बनाने का दिया निर्देश
- सभी फ्लाईओवर निर्माण में भविष्य की जरूरतों का रखें पूरा ख्याल

फ्लाईओवर की कार्य योजना व उसके डिजाइन से संबंधित प्रेजेंटेशन देखते सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

इनकी रही मौजूदगी

मौके पर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख, पथ निर्माण विभाग प्रवीण भेंगरा, मुख्य अभियंता विजय रंजन एवं कंसल्टेंट कंपनी स्पर्श इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के सुधीर कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तत्परता के साथ पूरा करें निर्माण कार्य

मुख्यमंत्री ने करम टोली चौक से साइंस सिटी तक एलिवेटेड फ्लाईओवर 4 लेन परियोजना का प्रेजेंटेशन देखा। उक्त फ्लाईओवर निर्माण तथा प्रस्तावित डॉक्टर्स कॉलोनी से हिल व्यू बरियातू रोड तक सड़क निर्माण योजना पर भी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावित उक्त सभी फ्लाईओवर निर्माण कार्य परियोजना एवं इससे जुड़ी डिजाइन में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर इन परियोजनाओं को मूर्त रूप देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सभी कार्य पूरी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ किए जाएं।

NEWS BOX

सीएम ने डीएमएफटी फंड को बना लिया अपना एटीएम कार्ड : बाबूलाल

प्रेस को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बड़ा आरोप लगाते हुए उन्हें झारखंड में हुए डीएमएफटी फंड घोटाले का सरगना बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस फंड को अपना एटीएम कार्ड बना लिया है और अधिकारियों के माध्यम से धन की लूट करवा रहे हैं। रांची में भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री की तिजोरी में लूट का पैसा सीधे जा रहा है। उन्होंने मांग की कि अगर मुख्यमंत्री खुद को निर्दोष मानते हैं तो उन्हें डीएमएफटी घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करनी चाहिए। मौके पर मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह और अशोक बड़ाइक भी मौजूद थे। बाबूलाल ने बोकारो जिले में डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग का हवाला देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए जिले को 631 करोड़ रुपये का फंड मिला था। इस राशि का उपयोग जेनरेटर, डिजिटल मैट्स, टैब, हाई मास्ट लाइट, एलईडी वैन, वाल पेंटिंग, मॉड्यूलर किचन, सौर ऊर्जा पंपसेट जैसी योजनाओं में किया जाना था, लेकिन यह फंड लूट लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी योजनाओं में मनमानी तरीके से बार-बार निविदाएं निकाली गईं और बाजार दर से 10 गुना अधिक मूल्य पर सामानों की आपूर्ति दर्शाई गई। यह घोटाला केवल एक अधिकारी के स्तर पर नहीं हो सकता, इसके पीछे मुख्यमंत्री का इशारा है। बाबूलालने ने कहा कि राज्य सरकार की एजेंसियों से जांच की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती, क्योंकि सरकार स्वयं इस घोटाले में शामिल है। इसलिए केवल सीबीआई ही इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सकती है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी बताया कि सामाजिक संगठनों को सूचना मांगने पर धमकाया जा रहा है, लेकिन भाजपा उनके साथ खड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा सड़क से लेकर सदन तक इस घोटाले को उजागर करेगी और राज्य सरकार को सीबीआई जांच के लिए बाध्य करेगी।

पहले अपने नेताओं के काले धब्बे देखें बाबूलाल मरांडी : सोनाल शांति

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भ्रष्टाचार का सरगना कहने पर भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी को कांग्रेस ने कड़ा जवाब दिया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को पहले अपने दामन के काले धब्बों को देखना चाहिए, क्योंकि जिन नेताओं को वह भ्रष्ट कहती है, बाद में उन्हीं को गले लगाकर सत्ता में भागीदार बनाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्य भ्रष्टाचार और अपराध का संगम बन चुके हैं। इन राज्यों में केंद्रीय एजेंसियों की एंट्री भी नहीं होने दी जाती। उन्होंने यूपी, एमपी, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के मुख्यमंत्री और अधिकारी सीधे प्रधानमंत्री के संरक्षण में काम कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में हुए घोटालों की याद दिलाई और पूछा कि बाबूलाल मरांडी उस समय इन पर सवाल उठाते थे, लेकिन भाजपा में शामिल होते ही कैसे सब कुछ साफ हो गया। सोनाल शांति ने कहा कि डीएमएफटी घोटाले के जिस समय की बात हो रही है, उस समय बोकारो

के सांसद और विधायक भाजपा के ही थे। ऐसे में बाबूलाल मरांडी अपने ही नेताओं को भ्रष्ट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की एजेंसियां किसी भी जांच के लिए पूरी तरह सक्षम हैं, लेकिन भाजपा सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग कर राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। सोनाल शांति ने मनरेगा, टी-शर्ट और ग्लोबल समिट के नाम पर भाजपा शासन में हुए कथित घोटालों को भी याद दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में रांची-वाराणसी फोरलेन घोटाले में सीबीआई द्वारा एनएचएआई अधिकारियों की गिरफ्तारी से साबित होता है कि भ्रष्टाचार सिर्फ झारखंड का मुद्दा नहीं है। भाजपा संगठित तरीके से जनता की जेब पर डाका डाल रही है और खुद को ईमानदारी का प्रतीक बताती है।

श्री दुर्गा पूजा समिति भुतहा तालाब के पूरे हुए 99 साल, भव्य होगी पूजा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची का प्रख्यात श्री दुर्गा पूजा समिति, भुताहा तालाब में 1926 से पूजा होती आ रही है। इस वर्ष अपने 99वें वर्ष पूरे होने के अवसर पर भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करने जा रहा है। समिति ने इस बार विशेष आकर्षण के रूप में काल्पनिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित भव्य पंडाल निर्माण कराने का निर्णय लिया है। पंडाल की ऊंचाई 35 फीट, लंबाई 35 फीट और चौड़ाई 40 फीट होगी। वहीं 16 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा का निर्माण विख्यात मूर्तिकार रामपाल द्वारा किया जा रहा है। प्रतिमा लगभग 2.5 लाख की है। प्रतिमा में गणेश, कार्तिकेय, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती भी विराजमान होंगी। प्रवक्ता नमन

भारतीय ने बताया कि पंडाल व प्रतिमा निर्माण का कार्य पश्चिम बंगाल के कलाकार प्रदीप बंगाली तथा मातादीन टेंट हाउस के कारीगरों की देखरेख में किया जा रहा है। पूरे परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा, तोरणद्वार, लाइटिंग और साउंड सिस्टम के इंतजाम होंगे। इस आयोजन पर लगभग आठ लाख से नौ लाख का खर्च अनुमानित है।

मिशन डायरेक्टर ने एनसीडी प्रोग्राम की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, कहा-

काम नहीं करने वाले कर्मियों का रोका जाएगा वेतन

PHOTON NEWS RANCHI : नेशनल हेल्थ मिशन के एमडी शशि प्रकाश झा ने राज्य में एनसीडी (गैर-संक्रामक रोग) कार्यक्रम की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि उन जिलों के एनसीडी कार्यक्रम कर्मचारियों की समीक्षा की जाए, जिन्होंने लक्ष्य के अनुसार काम नहीं किया है। इसके साथ ही बेहतर काम न करने वाले कर्मचारियों के मानदेय रोकने का भी उन्होंने निर्देश दिया। उन्होंने एनसीडी के राज्यस्तरीय अधिकारियों को हर दो महीने में कार्यक्रम की गहन समीक्षा करने और माहवार लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश भी दिया। बता दें कि एमडी शशि प्रकाश झा सोमवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित एनपी-एनसीडी की समीक्षा कर रहे थे। इस बैठक में एनपी-एनसीडी के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. लाल माझी, डॉ. अश्विनी, मातृत्व कोषांग की राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. पुष्पा और अन्य अधिकारी, परामर्शी व डेवलेपमेंट पार्टनर के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। राज्यभर के सभी स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की है कि वे आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड (आभा कार्ड) ज्यादा से ज्यादा बनवाने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड रखने के लिए एक बेहद उपयोगी योजना है। जिससे न केवल मरीजों को फायदा होता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को भी मरीज के इलाज में सहायता मिलती है। इस कार्ड को आधार या ड्राइविंग लाइसेंस के साथ लिंक कर के तैयार किया जाता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मेला, कैम्प या स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले लाभार्थियों को आभा कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया जाए और उन्हें इस प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया जाए।

- नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में एनपी-एनसीडी को लेकर की समीक्षा बैठक
- हर दो महीने में कार्यक्रम की समीक्षा करने का निर्देश

वाट्सएप ग्रुप बनाकर करें काम

अभियान निदेशक ने आगे कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों और योग्य प्रशिक्षकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए ताकि कार्यों को सरल बनाया जा सके। इसमें छोटे-छोटे टास्क दिए जाएं और समय-समय पर इनकी समीक्षा की जाए। इस दौरान जिलों से आए एनसीडी पदाधिकारियों और कर्मियों को यह भी कहा गया कि वे अपने कार्य प्रदर्शन से पहचान बनाएं। अभियान निदेशक ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जिम्मेदारी लेने और टीम वर्क को बढ़ावा देने की अपील की।

प्रदर्शन सुविधाओं और संवैधानिक अधिकारों को लागू करने की उठी मांग

सैकड़ों फुटपाथ दुकानदारों ने नगर निगम का किया घेराव

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची के फुटपाथ दुकानदारों ने ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) और फुटपाथ दुकानदार संघ के बैनर तले रांची नगर निगम का घेराव किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे दुकानदारों ने अपने संवैधानिक अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। फुटपाथ दुकानदार संघ के नेता संदीप कुमार वर्मा ने कहा कि जब तक दुकानदारों को उनका संवैधानिक अधिकार नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने आश्वासन दिया कि भाकपा इस संघर्ष में दुकानदारों के साथ मजबूती से खड़ी है। नेताओं ने कहा कि संसद में 2009 और 2014 में पारित कानून तथा 2017 में लागू झारखंड स्ट्रीट वेंडर एक्ट के तहत दुकानदारों को कानूनी संरक्षण और सुविधा मिलनी चाहिए। उन्होंने नगर निगम से नई वेंडिंग जोन, नई कमेटी और चुनाव कराने की मांग रखी। साथ ही फुटपाथ दुकानदारों के लिए शौचालय, पेयजल और स्टोरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की मांग भी की गई।

नगर निगम का घेराव करते फुटपाथ दुकानदार ● फोटोन न्यूज

प्रशासक से मिला आश्वासन

नगर निगम प्रशासक ने वार्ता के दौरान कई मांगों पर सहमति जताई और सहयोग का आश्वासन दिया। हालांकि नेताओं ने स्पष्ट किया कि केवल मौखिक आश्वासन से आंदोलन खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रांची में 50 हजार से अधिक फुटपाथ दुकानदार हैं, जो शहर की 80% आबादी को सस्ते दर पर सामान उपलब्ध कराते हैं। लेकिन सरकारें बड़े कॉर्पोरेट घरानों और ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फुटपाथ दुकानदारों को निशाना बना रही हैं। इस दौरान निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में सभी जोन में बैठकें, नुक्कड़ सभाएं और आम सभाएं कर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। दुकानदारों ने गैरकानूनी बेदखली, पुलिसिया दुव्यवहार पर रोक, प्रमाण पत्र वितरण और नई टाउन वेंडिंग कमेटी के गठन की प्रमुख मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

नेत्रदान महादान : राधाकृष्ण किशोर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन हुआ। संत जेवियर्स कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय नेत्रदान के 40वां पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने किया।

वित्त मंत्री ने इस अवसर पर नेत्रदान का शपथ पत्र भरकर लोगों को प्रेरित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि नेत्रदान महादान है। यदि हमारे एक छोटे से किए गए कार्य से किसी को जीवन दान मिलता है, तो वह काम हर किसी को करना चाहिए। इसी सोच के साथ आज नेत्रदान करने संबंधित फार्म भरकर नेतृत्व करने की मंशा रखी है। उन्होंने मृत्यु के बाद

नेत्रदान करने वाले 30 परिवारों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर डॉ. भारती कश्यप ने बताया कि यह लगातार सातवीं बार ब्लाइंड फोल्ड रन और 23वां रन फॉर विजन है। अब तक कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने 1015 नेत्र प्रत्यारोपण किए हैं, जिनमें पिछले 5 वर्षों में 490 प्रत्यारोपण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ लोगों की मृत्यु होती है, लेकिन केवल 50 हजार कॉर्निया मिलते हैं, जबकि जरूरत 2.5 लाख लोगों को है। नेत्रदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है।

सूर्या हांसदा हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग

RANCHI : झारखंड के विभिन्न आदिवासी संगठनों के पदाधिकारियों ने सोमवार को मुख्य पाहन (पुजारी) जगलाल पाहन के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की और उनसे आदिवासी नेता सूर्या नारायण हांसदा की संदिग्ध मुठभेड़ में हुई मौत की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने समेत पांच मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल के समक्ष रखी गई पांच मांगों में सूर्या हत्याकांड की सीबीआई/न्यायिक जांच कराने, दोषी पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने, पीड़ित परिवार की सुरक्षा और फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बच्चों की शिक्षा और परिवार के लिए जीविकोपार्जन की व्यवस्था करने तथा परिजनों को पर्याप्त आर्थिक मुआवजा दिलाने जैसी बातें शामिल हैं।

समाचार सार

एसआईआर व वोट चोरी के विरोध में हुई नुक्कड़ सभा

JAMSHEDPUR : साकची गोलचक्कर पर सोमवार शाम को साझा नागरिक मंच ने वोट चोरी और एसआईआर के विरोध में नुक्कड़ सभा की। इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इन्टेनसिव रिविजन के जरिए 65 लाख लोगों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया। घुसपैठियों को हटाने तथा मतदाता सूची की अन्य गडबड़ियों को ठीक करने के नाम पर चुनाव आयोग ने यह एसआईआर लाया है। असल में इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर सिर्फ गरीब और मेहनतकशों का नाम हटाना है। वैसे लोग भाजपा को आम तौर पर वोट नहीं डालते हैं। इन्हें छांटने के लिए चुनाव आयोग ने कुछ ऐसे दस्तावेज मांगे, जिनमें आधार कार्ड और राशन कार्ड नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद आधार कार्ड जोड़ा गया। इससे कुछ राहत मिली। फिर भी इस प्रक्रिया में अनेक बड़ी गड़बड़ियां हैं। सभा को रामकविन्द्र सिंह, सियाशरण शर्मा, रईस अफरीदी, मंथन, सुजय राय, अरविंद रविकर, सुखचंद्र झा, अभिषेक कुमार आदि ने संबोधित किया।

याद किए गए पूर्व सांसद रुद्र प्रताप सारंगी

CHAIBASA : जमशेदपुर से भाजपा के सांसद रहे रुद्र प्रताप सारंगी की पुण्यतिथि सोमवार को भाजपा के जिला कार्यालय में मनाई गई। इस मौके पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा में प्रताप कटियार महतो, हेमंत केसरी, पवन शर्मा, रोहित दास, जयकिशन बिरुली, द्वारिका शर्मा, नीरज पांडे सहित के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जुगसलाई में मारपीट कर व्यक्ति को किया घायल

JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाना क्षेत्र के आरपी पटेल हाई स्कूल के पास आदर्श भवन के रहने वाले अनुभव सिंह के साथ मारपीट हुई है। अनुभव सिंह को मारपीट कर घायल कर दिया गया है। उन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज हुआ। इस मामले में पुलिस ने अनुभव सिंह के आवेदन पर रघुनाथ तिवारी, बृजकिशोर तिवारी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सर्पदंश से महिला की इलाज के दौरान मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड स्थित कमराम गांव में 35 वर्षीय सगरी सरदार की सर्पदंश से मौत हो गई। यह घटना रविवार रात की है। बताया जाता है कि जब सगरी अपने घर में जमीन पर बिस्तर लगाकर सो रही थी, रात लगभग 12 बजे एक जहरीला सांप घर में घुस गया और उसे डंस लिया। परिजन उसे तुरंत गोइलकेरा के अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान सोमवार को सुबह में उसकी मौत हो गई। घटना के सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

पेड़ पर फांसी लगाकर युवक ने की खुदकुशी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हतनाबुरु गांव में 22 वर्षीय मास्टर हांसदा उर्फ.सोमा हांसदा ने पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कटहल का यह पेड़ उसके घर के पास ही है। परिजनों ने बताया कि उन्होंने रविवार को देर रात में उसे फंदे पर लटका देखा। घटना की जानकारी मिलने के बाद सोमवार की सुबह छोटानागरा थाना की पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेजा। परिजनों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि सोमा ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

मानगो में महिला के साथ मारपीट

JAMSHEDPUR : मानगो में जवाहर नगर रोड नंबर 14 की रहने वाली महिला हिना खातून के साथ मारपीट हुई है। हिना खातून के आवेदन पर पुलिस ने राजू अहमद, कमरुद्दीन उर्फ बड़ा बाबू और अमन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। राजू अहमद और कमरुद्दीन सगे भाई हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सबकी जिम्मेदारी : एसडीओ

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय में सोमवार के घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी सुनील चंद्रा ने छात्र-छात्राओं को घाटशिला निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विगत दिनों रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन से यह सीट खाली है। जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, वे भी एक बार सूची में अपने नाम की जांच कर लें। जो युवा एक जुलाई 2025 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन दे सकते हैं। जो मतदाता सूची में किसी तरह की त्रुटि दूर कराना चाहते हैं, वे भी उचित प्रपत्र भरकर आवेदन दे सकते हैं। एसडीओ ने छात्रों से कहा कि निष्पक्ष, निर्भीक व शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना सबकी जिम्मेदारी है। छात्रों को ऑनलाइन तरीके से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल की जानकारी दी।

घाटशिला : 70 वर्षीय विधवा की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

सभी एंगल से जांच करेगी पुलिस : एसडीपीओ

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर धोरासाई गांव की निवासी 70 वर्षीय विधवा महिला लुकुयी धीवर की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। रविवार देर रात से सोमवार तड़के के बीच हुई इस घटना की जानकारी ग्रामीणों ने सोमवार को पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घाटशिला के एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, घाटशिला थाना प्रभारी बंश नारायण सिंह व पुलिस बल मौके पर पहुंचे और शव को अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सकों ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। चिकित्सकों ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण सामने आ सकेगा। ग्रामीण घटना पर कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं। महिला का घर गांव से अलग व सुनसान जगह पर है। वह अकेली रहती थी और उसकी कोई संतान नहीं है। पुलिस सूत्रों का मानना है कि अंधविश्वास के कारण भी हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि घाटशिला पुलिस ग्रामीणों से भी पूछताछ कर रही है और मामले की छानबीन में जुटी है। इस दौरान समाजसेवी कालीराम शर्मा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

एसडीपीओ, घाटशिला अजीत कुमार कुजूर ने कहा कि वृद्धा की हत्या धारदार हथियार से की गई है। कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

शव को वाहन पर ले जाते अस्पताल कर्मी ● फोटोन न्यूज

नदी में नहाने गए पोस्टमास्टर की डूबकर हुई मौत

तेलंगाना के थे मूल निवासी, पोस्टमॉर्टम के बाद दोस्तों को सौंपा गया शव

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड स्थित इचाकुटी नदी में नहाने के दौरान डूबने से तेलंगाना के युवक की मौत हो गई। तेलंगाना के निजामाबाद निवासी सबावत श्रीहरि चक्रधरपुर के ओटादीरी गांव में ब्रांच पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत थे। वह अपने दोस्त तेलंगाना के विजय कुमार, गुगलोत सतीश, गुगलोत मोहन और प्रेम दास के साथ ईचाकुटी गांव घूमने गए थे। सभी दोस्त चक्रधरपुर प्रखंड के ग्रामीण पोस्ट ऑफिस में ब्रांच पोस्टआफिस में कार्यरत हैं। दोस्तों को मृतक साबवत श्रीहरि ईचाकुटी का प्राकृतिक दृश्य दिखाने ले गए थे। ओटादीरी गांव आने-जाने के दौरान

मृतक की फाइल फोटो

श्रीहरि को दृश्य अच्छा लगता था। रविवार की दोपहर सभी दोस्त ईचाकुटी गए। वहां मृतक साबवत श्रीहरि नहाने के लिए नदी में उतरे। इसी बीच नदी का बहाव तेज हो गया और युवक को बहाकर ले गया। शायद श्रीहरि को तैरना नहीं आता था। हालांकि उनके दोस्त प्रेम दास ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन बचा नहीं पाया। ग्रामीणों की मदद से रविवार की शाम तक खोजबीन की गई, लेकिन श्रीहरि का पता नहीं चल पाया। सोमवार की सुबह काफी खोजबीन के बाद श्रीहरि का शव नदी में मिला। ग्रामीणों के सहयोग से लाश को नदी से निकाला गया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल चक्रधरपुर भेजा गया। इधर, लाश मिलने पर चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने लाश का पंचनामा किया। युवके के माथे पर चोट के निशान थे, जबकि शरीर पर सिर्फ गुलाबी रंग का बनियान था। इधर, पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने उनके दोस्तों को शव सौंप दिया। दोस्त शव को ताबूत में रख कर पैतृक गांव तेलंगाना ले गए।

मानगो बनेगा पुलिस अनुमंडल उच्चस्तरीय समिति ने दी स्वीकृति

PHOTON NEWS JSR : गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रस्ताव पर मानगो को नया पुलिस अनुमंडल बनाने के लिए सोमवार को रांची में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति ने स्वीकृति प्रदान की। वहीं मुख्य सचिव ने डीजीपी को निर्देश दिया कि विधि-व्यवस्था के कुशल संधारण के लिए राज्य के तमाम जिलों की जरूरतों का आकलन कराएं। उन्होंने कहा कि इससे हमारे पास जिलों के अपराध ग्राफ, उसके ट्रेंड आदि के साथ वर्तमान संसाधन और क्या करने की आवश्यकता है, इसका समुचित डाटा मिलेगा। वहीं अपराधों की रोकथाम के लिए बेहतर ढंग से संसाधनों का बंटवारा भी सुनिश्चित हो सकेगा। मालूम हो कि पूर्वी सिंहभूम में पहले से जमशेदपुर (मुख्यालय) और पटमदा पुलिस अनुमंडल है। लेकिन, उत्क्रमित थाना, मानगो एवं आजादनगर तथा उलीडीह ओपी का क्षेत्रफल, जनसंख्या और उसके घनत्व के साथ विविध प्रकृति के अपराधों में वृद्धि देखने को मिल रही थी। गृह सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि मानगो में आर्थिक अपराध, नारकोटिक्स से जुड़े मामले तथा अन्य प्रकृति के कांडों पर नकेल कसने के लिए उसे पुलिस अनुमंडल बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि पुलिस अनुमंडल जमशेदपुर (मुख्यालय) और पटमदा से जुड़े उत्क्रमित थाना, मानगो एवं आजादनगर तथा ओलीडीह ओपी को काट कर मानगो पुलिस अनुमंडल अस्तित्व में आयेगा। मानगो पुलिस अनुमंडल निर्माण को लेकर वित्त सचिव प्रशांत कुमार और कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने अपने-अपने विभाग से जुड़े मसलों को रखा और उच्चस्तरीय समिति से अनुमोदन प्राप्त किया।

रांची में अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी

ट्रेन में बिगड़ी यात्री की तबीयत, अस्पताल पहुंचते ही हुई मौत

GHATSILA : लोकमान्य टर्मिनल-शालीमार हावड़ा एक्सप्रेस (अप) ट्रेन संख्या 18029 के कोच संख्या एस-6 में सफर कर रहे यात्री मुकेश घोष (37) की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे शालीमार जा रहे थे। घटना जमशेदपुर और घाटशिला के बीच हुई। सहयात्रियों की सूचना पर आरपीएफ जवानों ने उन्हें तत्काल घाटशिला स्टेशन पर उतारा और घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल में डॉ. भोगान सोरेन ने जांच कर उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने कहा कि मौत के कारण का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। आरपीएफ के एसआई स्वपन चंद्र महतो ने बताया कि मृतक मुकेश घोष पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के निवासी थे।

बागबेड़ा जलापूर्ति योजना में करोड़ों के घोटाले का आरोप

टाटानगर स्टेशन चौक पर धरना देते भाजपा कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टाटानगर स्टेशन चौक पर सोमवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर की ओर से स्टेशन चौक पर धरना दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना और बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना में करीब 600 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। इसके साथ ही फिल्टर प्लांट में घटिया निर्माण, अधूरे कार्य और लापरवाही को लेकर न्यायिक जांच की मांग की गई। जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने उपायुक्त को सौंपे पत्र में कहा कि वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस योजना का शिलान्यास किया था और 2018 तक इसे पूरा करना था। लेकिन, दस वर्ष बीत जाने के बाद भी काम अधूरा है और क्षेत्र की जनता को आज तक एक बूंद भी स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पाया। आरोप है कि अब तक करीब 300 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और इस दौरान राशि दोगुनी होकर 600 करोड़ तक पहुंच गई है। ओझा ने कहा कि बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट में काली ईंट लगाकर घटिया कार्य हो रहा है। इसके अलावा 2015-16 में 21.63 लाख रुपये फिल्टर प्लांट की मरम्मत के नाम पर गबन किए गए।

जुगसलाई फाटक पर ट्रेन हादसे में घायल युवक की अस्पताल में मौत

JAMSHEDPUR : जुगसलाई फाटक के पास 6 सितंबर की रात हुए दर्दनाक हादसे में गंभीर रूप से घायल 21 वर्षीय अंकित कुमार निषाद की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया। अंकित कुमार निषाद की मौत से परिवार सदमे में है। अंकित कुमार निषाद जुगसलाई में गर्ल्स स्कूल रोड का रहने वाला था और कुंवर सिंह (घोड़ा) चौक स्थित एक प्लाई की दुकान में काम करता था। बताते हैं कि अंकित दुकान में काम खत्म कर घर लौट रहा था। इस दौरान रेलवे ट्रैक पार करते वक्त अचानक टाटा-चक्रधरपुर मेमू ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे टीएमएच पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान रविवार की देर रात उसकी मौत हो गई। मृतक अंकित अपने परिवार का सबसे छोटा बेटा था। परिजनों ने बताया कि अंकित मेहनती और मिलनसार स्वभाव का था। स्थानीय लोग और परिजन रेलवे प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रैक पार करने वाले राहगीरों के लिए चेतावनी बोर्ड और सेफ्टी गार्डिंग जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे टाले जा सकें।

अस्पताल से शव निकालते लोग

मानगो से किशोरी का अपहरण, तलाश में जुटी पुलिस

JAMSHEDPUR : मानगो थाना क्षेत्र के मुंशी मोहल्ला से एक किशोरी का अपहरण कर लिया गया है। अपहरण का आरोप मानगो के ही आजाद बस्ती रोड नंबर-5 के रहने वाले अरशद अंसारी पर लगा है। किशोरी की मां के आवेदन पर पुलिस ने सोमवार को अरशद अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस अरशद अंसारी की तलाश में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने अरशद अंसारी के मोबाइल को सर्विलांस पर लगा दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही अरशद अंसारी को गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर लिया जाएगा।

टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी के एथलीटों ने जीते 54 में 52 पदक

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) के एथलीटों ने 5 से 8 सितंबर तक जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित टाटा स्टील स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी में आयोजित 29वीं आईएमएफ ईस्ट जोन स्पोर्ट क्लाइंबिंग चैंपियनशिप-2025 में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया। टीएसएएफ के पर्वतारोहियों ने लीड, स्पीड और बोल्डरिंग स्पधाओं में 54 में 52 पदक जीते। झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा के लगभग 125 पर्वतारोहियों ने सब जूनियर, जूनियर और ओपन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। अकादमी के खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा के सभी स्वर्ण पदक हासिल कर लिए। इस चैंपियनशिप से राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 30 एथलीटों

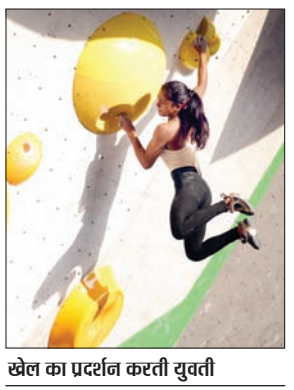

खेल का प्रदर्शन करती युवती

का चयन किया गया, जिनमें से 29 टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी के हैं।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जेसीएपीसीपीएल के प्रबंध निदेशक अभिजीत अविनाश नानोती थे। अन्य अतिथियों में मुकुल विनायक चौधरी (चीफ, स्पोर्ट्स, टाटा स्टील), हेमंत गुप्ता (हेड, स्पोर्ट्स एकेडमीज एंड एडवेंचर प्रोग्राम, टाटा स्टील), प्रशांत (कंपनी सचिव, जेसीएपीसीपीएल) सहित जेसीएपीसीपीएल व टाटा स्टील के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी के जमीनी स्तर के सहयोगी जेसीएपीसीपीएल ने युवा पर्वतारोहियों के प्रशिक्षण और प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके सहयोग से, टीएसएएफ मस्ती की पाठशाला नामक केंद्र भी चलाता है, जहां लगभग 300 बच्चे प्रतिदिन प्रशिक्षण लेते हैं। जेसीएपीसीपीएल, जमशेदपुर में कई अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण प्रतियोगिताओं के आयोजन में टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइम्बिंग अकादमी का भी सहयोग करता है।

श्रद्धांजलि नहीं पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपक बिरुवा ने किया विभिन्न योजनाओं के लाभुकों में ऋण वितरण

अर्जुन मुंडा व चम्पाई सहित अन्य ने गुवा गोलीकांड के शहीदों को किया नमन

PHOTON NEWS GUA : गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को गुवा में नेताओं का जमावड़ा लगा। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, चम्पाई सोरेन व मधु कोड़ा के अलावा पूर्व मंत्री बड़कुवर गागराई व पूर्व सांसद गीता कोड़ा सहित तमाम नेताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चूंकि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन किसी कारणवश नहीं पहुंच सके, इसलिए सरकार की ओर मंत्री दीपक बिरुवा ने विभिन्न योजनाओं के लाभुकों में ऋण वितरण किया। राज्य के राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने गोवा में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। आंदोलनकारियों को सम्मान देने, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना और मइंया सम्मान योजना जैसी योजनाएं शुरू की हैं। मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से गांवों में बिजली पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार के लिए काम किया जा रहा है। मंत्री ने सभी से झारखंड को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विधायक सुखराम उरांव, निरल पुरती, दशरथ गागराई, सोनाराम सिंकू, जगत माझी व सविता महतो भी शामिल थीं। ज्ञात हो कि 8 सितंबर 1980 को झारखंड अलग राज्य आंदोलन के दौरान बिहार मिलिट्री पुलिस ने अस्पताल में घुसकर करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था।

शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे मंत्री दीपक बिरुवा व अन्य ● फोटोन न्यूज

नक्सली हमले में मृतकों के चार आश्रितों व अनुकंपा पर छह को दिया गया नियुक्ति पत्र

कार्यक्रम में मंत्री और विधायकों ने नक्सली हिंसा में मारे गए व्यक्तियों के 4 आश्रितों सहित अनुकंपा के आधार पर 6 आश्रितों को चतुर्थ वर्ग अनुसेवी के पद पर नियुक्ति पत्र दिया। इसके अलावा सर्वजन पेंशन योजना, उन्नति का पहिया साइकिल वितरण, व्यक्तिगत वन पट्टा वितरण, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्र के तहत लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में ये भी हुए शामिल

कार्यक्रम में जिला परिषद की अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, पुलिस उपमहानिरीक्षक कोल्हान रेंज अनुरंजन क्रिस्पोट्टा, पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त चंदन कुमार व पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मानकी-मुंडा की आक्रोश रैली आज आदिवासी 'हो' समाज होगा शामिल

प्रदर्शन करते आदिवासी हो समाज के प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से संबंधित उत्पन्न गतिरोध मामले को लेकर मानकी-मुंडा कोल्हान पोड़ाहाट केंद्रीय समिति द्वारा चाईबासा शहर में 9 सितंबर को आक्रोश रैली निकाली जाएगी। इसमें आदिवासी 'हो' समाज महासभा की सभी अनुषंगी इकाई के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बात की घोषणा सोमवार को महासभा के कला एवं संस्कृति भवन हरिगुटू,चाईबासा में सभी अनुषंगी ईकाई के प्रतिनिधियों ने की। उन्होंने कहा कि 'हो' समाज की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था, मानकी-मुंडा और डाकुवा जैसे सर्वोच्च पदों पर विभिन्न तरीके से जिला-प्रशासन और सरकार द्वारा छेड़छाड़ करने के विरोध में आक्रोश रैली निकाली जाएगी। इस अवसर पर महासभा की केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष बामिया बारी, संयुक्त सचिव छोटेलाल तामसोय, कोषाध्यक्ष चैतन्य कुंकल, युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इपिल सामड, महासचिव गब्बर सिंह हेम्ब्रम, संयुक्त सचिव रवि बिरूली, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र पुरती, सोमा जेराई, प्रदेश कोषाध्यक्ष शंकर सिदु, जगन्नाथ हेस्सा, जिलाध्यक्ष शेरसिंह बिरुवा, महिला महासभा की अध्यक्ष अंजु सामड, उपाध्यक्ष नागेश्वरी जारिका, सचिव विमला हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष इंदुमति हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

BRIEF NEWS

कटिहार में एनआईए की छापेमारी, इकबाल को लिया हिरासत में

KATIHAR : बिहार में कटिहार जिले के सुखासन गांव में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान एनआईए की टीम ने ग्रामीण इकबाल को उनके घर से हिरासत में लिया और उनके परिवार को लिखित नोटिस सौंपा है। इकबाल के भाई वसीक ने बताया कि छापेमारी सर्च वारंट के आधार पर की गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एनआईए की टीम ने गांव में करीब आधा दर्जन अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की। इस कार्रवाई से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण चिंतित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने ऐसी छापेमारी पहले कभी नहीं देखी। लोग यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यह कार्रवाई किस वजह से हुई है और क्या यह किसी बड़े नेटवर्क से जुड़ी है। एनआईए की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अधिकारी और ग्रामीण फिलहाल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आगे की जानकारी के लिए इंतजार कर रहे हैं।

विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस पर 56 लोगों का हुआ मुफ्त इलाज

NAVADA : विश्व फिजियोथेरेपी दिवस नवादा के आदर्श फिजियोथैरेपी सेंटर में संचालक डॉ विकास कुमार की देखरेख में मनाया गया। जिसमें पीड़ित मानवता की सेवा का संकल्प लेते हुए 56 रोगियों का मुफ्त इलाज किया गया। इस मौके पर डॉ विकास ने कहा कि यह दिन विश्व फिजियोथेरेपी द्वारा 1996 में शुरू किया गया था और यह फिजियोथेरेपिस्टों के समाज में योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। ताकि लोग सक्रिय, स्वस्थ और स्वतंत्र रह सकें। यह दिन समाज में फिजियोथेरेपी के महत्व और लाभों के बारे में लोगों को शिक्षित करता है।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर डॉ. सौम्य सिद्धार्थ ने लोगों को किया जागरूक

ARARIA : विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर जाने माने फिजियोथैरेपिस्ट डॉ सौम्य सिद्धार्थ ने तेरापंथ भवन में सोमवार को फिजियोथेरेपी और खानपान को लेकर आमजनों को जागरूक किया।उन्होंने फिजियोथेरेपी दिवस को लेकर बताया कि मूल रूप से उद्देश्य फिजियोथेरेपी के महत्व को समाज तक पहुंचाना और लोगों को यह समझाना कि कैसे नियमित शारीरिक सक्रियता और विशेषज्ञ मार्गदर्शन से जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है। इस वर्ष के फिजियोथेरेपी के विषय के रूप में उन्होंने बताया कि स्वस्थ वृद्धावस्था में फिजियोथेरेपी और शारीरिक सक्रियता की भूमिका, विशेषकर असहज-निरोध और गिरावट की रोकथाम है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2050 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 अरब से भी अधिक हो जाएगी।

आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के मानदेय में हुई बढ़ोतरी

सेविका 2000 व सहायिका के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी कर दिया है। इसकी जानकारी खुद नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल साइट एक्स पर दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रुपये बढ़ाकर 4,500 रुपये करने के लिए विभाग को निदेशित किया गया है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोगों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है तथा इसके लिये 'समेकित बाल विकास परियोजना' के माध्यम से छह (06) प्रकार की सेवायें प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लाभुकों को उपलब्ध कराने में आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं सहायिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के अहम योगदान को देखते हुये उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। इससे सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं का मनोबल बढ़ेगा तथा समेकित बाल विकास सेवायें और बेहतर होंगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर की घोषणा

सीएम ने 80 पिंक बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को महिलाओं के लिए 80 'पिंक' बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ ही राज्य पथ परिवहन निगम की सभी 1065 बसों में ई-टिकटिंग सुविधा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अणे मार्ग स्थित अपने निवास से बसों को रवाना करने से पूर्व उनका निरीक्षण किया और उसमें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत द्वितीय चरण में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की 80 पिंक बसों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे महिलाओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक हो सकेगा। इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार एवं कुमार रवि और राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी सहित अन्य वरीष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पिंक बसों को हरी झंडी दिखाते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

नीतीश कुमार ने वरिष्ठ पत्रकार संकर्षण ठाकुर के निधन पर जताया शोक

PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वरिष्ठ पत्रकार संकर्षण ठाकुर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मूल रूप से बिहार के रहने वाले का संकर्षण ठाकुर की लंबी बीमारी के बाद सोमवार को निधन हो गया। वे 63 वर्ष के थे। गुरुग्राम के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संकर्षण ठाकुर के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि संकर्षण ठाकुर का निधन पत्रकारिता जगत के लिये अपूरणीय क्षति है। संकर्षण ठाकुर पत्रकारिता जगत के एक जाने-माने नाम थे। उन्होंने बिहार की राजनीति से संबंधित पुस्तकें लिखीं हैं, जिनमें 'अकेला आदमी' और 'द ब्रदर्स बिहारी' प्रमुख हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को हमेशा याद किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिये प्रार्थना करते हुए ईश्वर से दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों एवं प्रशंसकों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की कामना भी की।

प्रधानमंत्री 15 को पूर्णिया का करेंगे दौरा, हवाई अड्डा समेत विभिन्न परियोजनाओं का होगा उद्घाटन

AGENCY PATNA : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 15 सितम्बर को बिहार के पूर्णिया आने वाले हैं। जहां उनका एक बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। यह राज्य का उनका लगातार तीसरा मासिक दौरा होगा, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जयसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के दौरान बहुप्रतीक्षित पूर्णिया हवाई अड्डे सहित हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि यह हवाई अड्डा कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा और लंबे समय से उपेक्षित कोसी क्षेत्र में आर्थिक अवसरों के द्वार खोलेगा। डॉ. जयसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्णिया हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के साथ-साथ, पटना मेट्रो की भी बिहारवासियों को सौगात देंगे। साथ ही अररिया-गलगलिया रेल लाइन का उद्घाटन और कई ट्रेनों के परिचालन का शुभारंभ भी करेंगे। प्रधानमंत्री के इस दौरे में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क विकास सहित कई क्षेत्रों में घोषणाएं होने की भी उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूर्णिया हवाई अड्डा परियोजना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विपक्ष अक्सर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर देरी और उपेक्षा का आरोप लगाता रहा है। हवाई अड्डे के उद्घाटन के साथ, प्रधानमंत्री मोदी जमीनी स्तर पर ठोस प्रगति दिखाकर आलोचकों का मुंह बंद कर सकते हैं। अपने इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव सहित महागठबंधन के नेताओं के आरोपों का भी जवाब दे सकते हैं, जिन्होंने बार-बार चुनाव आयोग और केंद्र पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है।

समस्तीपुर में म्यूटेशन के 37565 आवेदन हुए प्राप्त, 31520 स्वीकृत

AGENCY SAMASTIPUR : अपर समाहर्ता समस्तीपुर ब्रजेश कुमार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज की। इस अवसर पर सभी अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता , सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी वीडियों कान्फ्रेंसिंग से जुडे रहे। बैठक में आंतरिक संसाधन तथा राजस्व संबंधी प्रतिवेदन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। विभिन्न कार्यालयों द्वारा माह अगस्त 2025 तक की राजस्व वसूली प्रगति प्रस्तुत की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कई विभागों एवं कार्यालयों ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जित किया है, वहीं कुछ विभागों में उपलब्धि अपेक्षित स्तर से कम रही। जिलाधिकारी ने ऐसे विभागों को लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। म्यूटेशन से संबंधित प्रगति की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक कुल 37,565 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 31,520 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा 3,938 आवेदन रिवर्टेड हुए हैं। वर्तमान में 6,045 आवेदन लंबित हैं, जिनमें से 4,719 आवेदन 20 दिनों से अधिक समय से लंबित पाए गए। अपर समाहर्ता ने संबंधित अंचलाधिकारियों एवं राजस्व पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों का शीघ्र एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में परिमार्जन प्लस (डिजिटाइज्ड एवं छूटे हुए जमाबंदी), आर.ओ.आर वेरिफिकेशन रिपोर्ट, सरकारी भूमि सत्यापन एवं म्यूटेशन, अभियान बसेरा -2, आधार सीडिंग, ई-मैपिंग (ऑनलाइन फिलिंग), आरसीएमएस म्युटेशन अपील, रेंट कलेक्शन एवं एलपीसी जैसे विषयों की भी गहन समीक्षा की गई।

सहरसा के सौरबाजार प्रखंड में समडा से भमुरिया बाजार तक सड़क का होगा पुनर्निर्माण

AGENCY PATNA : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बिहार के सहरसा जिले के सौरबाजार प्रखंड में समडा से भमुरिया बाजार तक सड़क का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए 2344.624 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। 15.16 किलोमीटर लंबाई की इस सड़क निर्माण पर 23 करोड़ 44 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी। इस सड़क की चौड़ाई 5.50 मीटर होगी, जिससे बड़े वाहन और ग्रामीणों की आवाजाही दोनों में सुविधा होगी। सड़क को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए इस पर 50 एमएम और 25एमएम एसडीबीसी की परत

बिछाई जाएगी, जिससे इसकी उम्र और गुणवत्ता दोनों में बढ़ोतरी होगी। सभी तकनीकी स्वीकृति और निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सम्राट चौधरी ने कहा कि यह सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजन-क्क्क्क के अंतर्गत प्रमुख ग्रामीण संपर्क परियोजनाओं में शामिल है। सड़क का डिजाइन टी-09 कैटेगरी के अनुसार तैयार किया गया है, जिससे भारी वाहनों की भी आवाजाही आसान होगी। परियोजना की गुणवत्ता जांच के लिए एटीसीसी ट्रैफिक सर्वे सहित सभी जरूरी तकनीकी मानकों का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से गांव के लोगों को बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जगहों तक आने-जाने में सुविधा होगी। बरसात और कठिन मौसम में भी रास्ता सुगम रहेगा। सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण इलाकों के लोगों को मजबूत सड़क मिले, ताकि उनका जीवन आसान और सुरक्षित बने। इस परियोजना से स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण जनता को बेहतर परिवहन सुविधा की प्राप्ति होगी।

समस्तीपुर में 1200 युवाओं ने उद्योग विभाग के कार्यक्रम में शेयर किया अपना आइडिया

AGENCY SAMASTIPUR : समस्तीपुर जिले में कारोबार को बढ़ाने के लिए 1200 युवाओं ने उद्योग विभाग में अपना आइडिया सबमिट किया है। अगर विभाग इसे स्वीकृत करती है तो ऐसे युवाओं को रोजगार के लिए 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। बड़ी बात यह कि इसके लिए 10 सालों तक कोई ब्याज नहीं देना होगा। कारोबार विकसित होने के बाद सरकार ब्याज लेना शुरू करेगी। पिछले दिनों सरायरंजन स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में बिहार आइडिया फेस्टिवल कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने कारोबार से संबंधित अपना आइडिया सबमिट किया था। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि आयोजन जिला, प्रमंडलीय और राज्य स्तर पर किया जा रहा है। इसमें दो लेवल का काम खत्म हो चुका है, अब राज्य स्तर पर कार्यक्रम होना है। 1200 नए तरह के आइडिया विभाग को प्राप्त हुए हैं। जिसमें फूड प्रोसेसिंग से लेकर, मैन्युफैक्चरिंग, आइटीईएस में कारोबार को और आगे ले जाने के लिए शामिल है। पूसा प्रखंड के बोली रामनिवासी युवक ने मखाना के कारोबार को विदेश तक फैलाने के लिए अपना आइडिया दिया है।इसके अलावा युवाओं ने टोमेटो सॉस बनाने, छोटे सिलाई सेंटर को बड़ा सिलाई सेंटर के रूप में विकसित करने के साथ ही विभिन्न तरह का आइडिया प्रस्तुत किया है।

उद्योग विभाग में अपना आइडिया शेयर करते युवा

नशा मुक्त समाज को लेकर प्रभात फेरी व जागरूकता रैली का आयोजन

प्रभात फेरी निकालते ब्राइट ड्रीम फाउंडेशन के सदस्य

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के रामपुर में नशा मुक्त समाज निर्माण को लेकर ग्रामीणों के द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदम को साथ देने के लिए अन्य संस्थाएं भी सामने आने लगी है। इसी कड़ी में सोमवार को ब्राइट ड्रीम फाउंडेशन रामपुर के बैनर तले रामपुर अंसारी चौक से रामपुर ओवर ब्रिज तक नशा मुक्त समाज निर्माण को लेकर प्रभात फेरी सह जागरूकता रैली निकाला गया, जिसमें सभी शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग,मदरसा के शिक्षक और बच्चे शामिल हुए।प्रभाग फेरी में शामिल बच्चे और शिक्षक सहित ग्रामीणों ने नशा मुक्त समाज निर्माण और नशा से होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर आमजनों को जागरूक भी किया। मौके पर सभी ने संकल्प लिया कि समाज को पूरी तरह नशा मुक्त कराना है।नशे के आदि युवकों को समझाने बुझाने के साथ उसे समाज के मुख्यधारा में जोड़ने और नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने पर संकल्प लिया गया।

साइक्लिंग चैंपियनशिप | पूर्णिया में आयोजित प्रतियोगिता में किया सिल्वर व ब्रॉन्ज पर भी कब्जा

पूर्वी चंपारण की टीम ने जीते आठ गोल्ड सहित 14 मेडल

AGENCY EAST CHAMPARAN : साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार द्धारा पूर्णिया में आयोजित 17वीं राज्य रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता (सीनियर, जूनियर, सब जूनियर) में पूर्वी चम्पारण की टीम ने 8 गोल्ड सहित 14 मेडल जीतकर प्रतियोगिता का ओवरआल विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया है। गोल्ड के अलावा 3-3 सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल भी शामिल है। दो दिवसीय (6-7 सितम्बर) चैंपियनशिप के दौरान जूनियर बालक वर्ग में दीपक कुमार ने मास स्टार्ट इवेंट में गोल्ड मेडल व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में सिल्वर मेडल, सब जूनियर बालक वर्ग में शौर्य कुमार ने मास स्टार्ट इवेंट में गोल्ड व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में ब्रॉन्ज, यूथ बालक वर्ग में रितिक कुमार ने मास स्टार्ट इवेंट में गोल्ड व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में गोल्ड, सीनियर बालिका वर्ग में प्रियांशु कुमारी (अप ग्रेड) ने मास स्टार्ट इवेंट में सिल्वर व जूनियर बालिका वर्ग में प्रियांशु कुमारी ने मास स्टार्ट इवेंट में ब्रॉन्ज, सब जूनियर बालिका वर्ग में सृष्टि ने मास स्टार्ट इवेंट में गोल्ड व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में गोल्ड, यूथ बालिका में सुप्रिया कुमारी ने मास स्टार्ट इवेंट में गोल्ड व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में गोल्ड, शालिनी ने मास स्टार्ट इवेंट में सिल्वर व इंडिविजुअल टाइम ट्रायल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि लगातार दूसरे वर्ष भी जिले की टीम ओवरआल विजेता बनी है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान जूनियर, सब जूनियर, यूथ बालक वर्ग में कड़ी टक्कर रही। जूनियर वर्ग में जिले का खिलाड़ी दीपक ने देश के विभिन्न साईं सेंटर पर ट्रेनिंग करने वाले कई खिलाड़ियों को शिकस्त देते हुए गोल्ड व सिल्वर मेडल जीता। वही कुरुक्षेत्र स्थित साईं सेंटर से ट्रेनिंग लेने वाले सब जूनियर वर्ग में जिले के शौर्य व यूथ बालक वर्ग में रितिक ने कई खिलाड़ियों को मात देते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

राज्य रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में अवॉर्ड के साथ खिलाड़ी

सर्विस क्रिकेट क्लब ने ढाका क्रिकेट क्लब को 130 रनों से हराया

EAST CHAMPARAN : मोतिहारी गाँधी मैदान के ग्राउंड-3 पर चल रहे सांसद खेल महोत्सव टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मुकाबले में सर्विस क्रिकेट क्लब ने एकतरफा मुकाबले में ढ़ाका क्रिकेट क्लब को 130रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इसीडीसीए सचिव रवि राज ने बताया कि टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी सर्विस क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाज समीर अख्तर के 51 रन व एजाज के 43 रन की पारी के बदौलत 230/6(20) का बड़ा स्कोर खड़ा किया। ढ़ाका क्रिकेट क्लब के गेंदबाज सौरभ ने 3 विकेट,निखिल ने 2 विकेट लिया। जवाब में ढ़ाका क्रिकेट क्लब की टीम सिर्फ 110/10(15.4) के स्कोर पर सिमट गई।

NEWS BOX

36वें प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में विद्या मंदिर चैंपियन

AGENCY ARARIA : लोक शिक्षा समिति बिहार के तत्वावधान में फारबिसगंज श्री रानी सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित 36वां एथलेटिक्स खेलकूद समारोह का समापन सोमवार को हुआ।तीन दिवसीय प्रांतीय खेल कूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 22 जिले के खिलाड़ी शामिल हुए जहां श्री रानी सरस्वती विद्या मंदिर फारबिसगंज के खिलाड़ी भैया बहनों ने विभिन्न खेलों में सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करते हुए 15 स्वर्ण पदक, 18 रजत पदक और 18 कांस्य पदक के साथ पूरे उत्तर बिहार प्रांत में चैंपियनशिप का खिताब जीता। जबकि दूसरा स्थान विद्या मंदिर विजय हाता सिवान को प्राप्त हुआ। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी भैया बहन क्षेत्रीय खेलकूद एथलेटिक्स समारोह में भाग लेंगे। अंतिम दिन विद्या मंदिर फारबिसगंज बाल वर्ग की छात्रा मधु प्रिया ने बाधा दौड़ एवं रिले रेस में हासिल की दो स्वर्ण पदक। इस अवसर पर फारबिसगंज के अनुमंडल पदाधिकारी पदाधिकारी राजीव कुमार रंजन ने सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद न केवल बेहतर केरियर विकल्प है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का भी सशक्त माध्यम है।

समिति ने मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति का लिया जायजा

AGENCY KATIHAR : बिहार में कटिहार जिले के बाबा गोरखनाथ न्यास समिति के सदस्यगणों ने सोमवार को बाबा गोरखनाथ मंदिर प्रांगण में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों और उपस्थित गणमान्य लोगों ने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और पारदर्शिता की बारीकी से समीक्षा की। समिति के सदस्य अक्षय सिंह ने बताया कि मंदिर प्रांगण में हो रहे इस कार्य से आने वाले समय में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त होंगी और यह स्थल धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगा। समिति ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए बिहार सरकार ने 14 करोड़ 25 लाख 71 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस विकास कार्य के तहत मंदिर का निर्माण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान समिति ने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

सहायता राशि नहीं मिलने को लेकर बाढ़ प्रभावित लोगों ने किया सड़क जाम

AGENCY BHAGALPUR : जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के बाढ़ प्रभावित लोगों ने मुआवजा राशि नहीं मिलने के कारण सोमवार को गनगनिया पंचायत के दुर्गा स्थान के समीप मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इस दौरान जाम कर रहे लोगों ने सरकार के वालों में जमकर नारे लगाए। उधर जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई। गनगनिया पंचायत के वार्ड चार के बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि सरकार के द्वारा दिये गए सहायता राशि हम लोगों को नहीं दिया जा रहा गया है। सरकार के द्वारा बाढ़ प्रभावित मुआवजा राशि देने में वार्ड सदस्य एवं सीओ रवि कुमार दो दो हजार रुपए की मांग कर रहे हैं। तभी बाढ़ प्रभावित लोगों को मुआवजा राशि देने की बात कही गई है। बताया जा हम लोगों का घर पानी में डुबा हुआ है। ऐसे में हमलोग दो दो हजार रुपए कहां से दे पाएंगे। इसी कारण हमलोगों ने सड़क जाम किया है। वहीं सड़क जाम में फंसे लोगों ने बताया कि तीन घंटा बीत जाने के बाबजूद कोई भी पदाधिकारी सुध लेने नहीं पहुंचे हैं। भीषण गर्मी के कारण हमलोगों की हालत खराब हो रही है। उधर जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर जाम हटाया।

स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत अभियान के तहत विद्यालय में किया गया साबुन का वितरण

AGENCY BHAGALPUR : देशव्यापी स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को जिले के जगदीशपुर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में डिटॉल साबुन का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के जिला लीड शंभू कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष चयनित 25 विद्यालयों में से अब तक 12 विद्यालयों में यह वितरण किया जा चुका है। विशेष रूप से मध्य विद्यालय जगदीशपुर, मध्य विद्यालय तरडीहा, मध्य विद्यालय दीननगर, मध्य विद्यालय खरवा, मध्य विद्यालय पिस्ता, मध्य विद्यालय जमगांव, मध्य विद्यालय फुलवरिया, मध्य विद्यालय अभ्यास फुलवरिया, मध्य विद्यालय गगटी डाउटवाट सहित अन्य विद्यालयों में यह कार्य सम्पन्न हुआ है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना है, ताकि वे भोजन करने से पूर्व और शौच के बाद नियमित रूप से हाथ धोने की आदत विकसित कर सकें।

ग्लोबल इनोवेशन केंद्र के रूप में उभर रहा भारत

भारत का उद्देश्य 2047 तक एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनना है। इस परिवर्तन में टेक्नोलॉजी की मुख्य भूमिका रहने वाली है, जिसका नेतृत्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक करेगी। भारत में आधार से लेकर यूपीआई तक डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने व्यापक समावेशन की नींव तैयार कर दी है। आधार दुनिया का सबसे बड़ा बायोमीट्रिक आईडी सिस्टम है। इसने 100 करोड़ से अधिक नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सक्षम बनाया है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है, जिसके तहत 2025 के पहले पांच महीनों में ही 101 लाख करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन हुए हैं। इसरो और आईआईटी जैसे संस्थानों ने यह दिखाया है कि जब भारत निर्माण करता है, तो उसका लाभ पूरे विश्व को मिलता है। आईआईटी जैसे शिक्षा संस्थानों ने विश्व अर्थव्यवस्था में अनुमानित 300 से 400 अरब डालर का योगदान दिया है, पर इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इन संस्थानों ने भारत की जरूरत के अनुसार समस्या समाधान की संस्कृति का निर्माण किया है। पेटेंट फाइलिंग में आईआईटी प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जिससे शोध और इनोवेशन में उनकी भूमिका स्पष्ट होती है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स-2024 में भारत का स्थान 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 39वें स्थान पर आ गया है, जो इस गति को दशार्ता है। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसे अभियानों और मजबूत नीतियों के साथ भारत तेजी से एक ग्लोबल इनोवेशन केंद्र के रूप में उभर रहा है। भारत में अगला बड़ा परिवर्तन एआई की ओर होगा। इसकी नींव इनोवेशन की संस्कृति द्वारा तैयार हो रही है। एआई ने हमारे सीखने, खेती करने, इलाज करने और शासन करने के तरीकों में परिवर्तन लाना शुरू कर दिया है, लेकिन इसकी वास्तविक सामर्थ्य इसमें निहित है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं। हम एआई की मदद से केवल आउटपुट को ही बेहतर नहीं कर सकते, बल्कि असमानता को दूर करते हुए उपलब्धता और अवसरों का विस्तार भी कर सकते हैं। एक्वाकनेक्ट और फाइलो जैसे स्टार्टअप एआई की मदद से किसानों को फसल की पैदावार बढ़ाने, पानी का प्रभावशाली उपयोग करने तथा लागत कम कर-के लाखों लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में मदद कर रहे हैं। मल्टी-लिंग्वल एआई चैटबाट और किसान ई-मित्र जैसे सरकारी अभियान किसानों को जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले फसल के नुकसान को कम करने में सहायता कर रहे हैं। आंध्र सरकार प्रोड्यूसर ट्रस्ट और एजेंटफोर्स की मदद से कृषि विधियों का विस्तार कर रही है। हेल्थकेयर के क्षेत्र में एम्स का एआई प्लेटफार्म कैंसर की तुरंत पहचान करने में सक्षम बना रहा है। एआई-संचालित टेलीमेडिसिन प्लेटफार्म ग्रामीण और शहरी हेल्थकेयर के बीच के अंतर को दूर कर रहे हैं, ताकि गुणवत्तायुक्त मेडिकल केयर की उपलब्धता सभी जगह बढ़ाई जा सके। शिक्षा में एआई भाषा की बाधा को दूर कर रही है और विस्तृत रूप से व्यक्तिगत लर्निंग संभव बना रही है। एंबाइब जैसे प्लेटफार्म एआई-संचालित व्यक्तिगत लर्निंग अनुभवों की मदद से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं, वहीं स्पीकएक्स प्रोफेशनल्स और व्यवसायों के लिए संचार कौशल में सुधार ला रहा है, युवाओं को नौकरी के लिए तैयार कर रहा है तथा व्यावसायिक विकास कर रहा है। एआई की मदद से सरकारें नागरिक केंद्रित सेवाएं देने और नीति की कमियों को अधिक स्मार्ट तरीके से पहचानने में सक्षम बन रही हैं। ये संकेत हैं कि टेक्नोलॉजी जब उद्देश्य के साथ विकसित होती है, तो वह जनकल्याण का शक्तिशाली साधन बन जाती है। एआई भारत में विकास की समस्याओं को दूर कर सकती है, लेकिन इसके लिए एआई का हर व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। इसीलिए हमें केवल इनोवेशन पर नहीं, अपितु इन्फ्रास्ट्रक्चर, कौशल, नीति और विश्वास पर भी ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। हमें डाटा कलेक्शन, स्टोरेज और विश्लेषण के लिए एक मजबूत सिस्टम की भी जरूरत है। अपनी विशाल आबादी की क्षमता का पूरा उपयोग करने के लिए भारत में डिजिटल परिवर्तन के एक विस्तृत एजेंडे को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एआई साक्षरता, मानव-एआई सहयोग पर ध्यान केंद्रित करके भारत में एक ऐसे कार्यबल का निर्माण संभव है, जो न केवल टेक्नोलाजी में कुशल हो, बल्कि इनोवेशन और विकास लाने में सक्षम भी हो। यह दृष्टिकोण विभिन्न प्रोफेशनल्स को समर्थ बनाएगा। जहां फैक्ट्री कर्मचारी क्वालिटी कंट्रोल के लिए एआई का उपयोग कर सकेंगे, वहीं शिक्षक व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने के लिए एआई की मदद ले सकेंगे। वे टेक्नोलाजी का अधिक आत्मविश्वास के साथ उपयोग करेंगे, जिससे इंटेलिजेंट युग में भारत की सफलता सुनिश्चित होगी। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि एक सामाजिक आवश्यकता भी है। लिहाजा हमें एक ऐसा एआई सिस्टम निर्मित करना चाहिए, जो मानव क्षमता बढ़ाते हुए समानता, गरिमा और न्याय के सिद्धांतों की रक्षा करे। एआई के विकास और क्रियान्वयन का एक नया मानक स्थापित करने और नियामक ढांचे को भी इनोवेशन के अनुरूप विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

उत्तराखंड का उदाहरण अन्य राज्यों के लिए सबक

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अब तक की स्थिति में अल्पसंख्यक शिक्षा का दायरा संकुचित था और उसका लाभ लगभग एक ही समुदाय (मुस्लिम) तक सीमित होकर रह गया था, किंतु धामी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा के क्षेत्र में समानता, पारदर्शिता और अवसर की भावना स्थापित होना बहुत जरूरी है, यह राज्य के सभी बच्चों के हित में है। भारतीय संविधान ने भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार तो दिया है, लेकिन व्यावहारिक रूप से राज्यों ने इस अधिकार को पूरी तरह से संतुलित ढंग से लागू अब तक नहीं किया जा सका है। देखने में यही आता है कि मदरसा अधिनियम अधिकांश राज्यों में बने, किंतु सिख, ईसाई, जैन या बौद्ध जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय अपने संस्थानों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करते रहे। उनके पास न तो स्पष्ट वैधानिक मंच था और न ही अनुदान या मान्यता की प्रक्रिया में पारदर्शिता। परिणाम स्वरूप अल्पसंख्यक के नाम पर जो भी हो रहा है, वह अधिकांशतः एक रिलीजन तक ही सीमित होकर रह गया। ऐसे में उत्तराखण्ड का यह विधेयक इसी विसंगति को दूर करता है। इसके माध्यम से पहली बार सभी अल्पसंख्यक संस्थान एक समान छतरी तले आएंगे।

उत्तराखंड की धामी सरकार ने हाल ही में विधानसभा से उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 पारित कर एक ऐसा कदम उठाया है, जिसकी गूंज केवल यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था और अल्पसंख्यक अधिकारों की बहस को नई दिशा देती हुई दिखाई दे रही है। ये सबक है अन्य राज्यों के लिए, जो इच्छा शक्ति के अभाव में अपने के सभी बच्चों के हित में इस तरह के प्रभावी निर्णय लेने से बचते आए हैं। दरअसल, यह विधेयक केवल मुस्लिम मदरसों तक सीमित न रहकर सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों के शैक्षणिक संस्थानों को भी अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करता है। अब तक की स्थिति में अल्पसंख्यक शिक्षा का दायरा संकुचित था और उसका लाभ लगभग एक ही समुदाय (मुस्लिम) तक सीमित होकर रह गया था, किंतु धामी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा के क्षेत्र में समानता, पारदर्शिता और अवसर की भावना स्थापित होना बहुत जरूरी है, यह राज्य के सभी बच्चों के हित में है। भारतीय संविधान ने भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार तो दिया है, लेकिन व्यावहारिक रूप से राज्यों ने इस अधिकार को पूरी तरह से संतुलित ढंग से लागू अब तक नहीं किया जा सका है। देखने में यही आता है कि मदरसा अधिनियम अधिकांश राज्यों में बने, किंतु सिख, ईसाई, जैन या बौद्ध जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय अपने संस्थानों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करते रहे। उनके पास न तो स्पष्ट वैधानिक मंच था और न ही अनुदान या मान्यता की प्रक्रिया में पारदर्शिता। परिणाम स्वरूप अल्पसंख्यक के नाम पर जो भी हो रहा है, वह अधिकांशतः एक रिलीजन तक ही

सीमित होकर रह गया। ऐसे में उत्तराखण्ड का यह विधेयक इसी विसंगति को दूर करता है। इसके माध्यम से पहली बार सभी अल्पसंख्यक संस्थान एक समान छतरी तले आएंगे। अब न केवल मदरसों को बल्कि गुरुद्वारों के अधीन चल रहे विद्यालयों, ईसाई मिशनरी स्कूलों, जैन और बौद्ध समाज के संस्थानों को भी वह अधिकार प्राप्त होगा जो अब तक केवल मुस्लिम संस्थानों तक सीमित था। यह व्यापक दृष्टि अपने आप में स्वागत योग्य है, क्योंकि लोकतंत्र की असली खूबसूरती तब ही दिखती है जब सबको समान अवसर मिले। इस विधेयक के लागू होने के बाद उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2016 और अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम 2019 को खत्म कर दिया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा की मान्यता अब किसी एक समुदाय विशेष के अधीन नहीं होगी, बल्कि सबके लिए समान रूप से उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण जिम्मेदार होगा। यह प्राधिकरण संस्थानों को मान्यता देने, उनके वित्तीय लेन-देन पर निगरानी रखने, और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का काम करेगा। यहां यह भी तय किया गया है कि संस्थानों को सोसायटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के तहत विधिवत पंजीकृत होना आवश्यक होगा और उनकी जमीन-जायदाद, बैंक खाते आदि संस्थान के नाम पर दर्ज होंगे। स्वभाविक है कि इस प्रक्रिया के पालन से व्यवस्था में सुधार होगा, संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। धामी सरकार ने यह कदम यूं ही नहीं उठाया है। पिछले कुछ वर्षों में मदरसा शिक्षा से जुड़े कई गंभीर प्रश्न सामने आए। छात्रवृत्ति वितरण में गड़बड़ियां, मिड-डे मील में अनियमितताएं, वित्तीय पारदर्शिता की कमी और यहां तक कि अवैध मदरसों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग व आतंकवाद फंडिंग की आशंकाएं लगातार सामने आती रहीं। राज्य में लगभग 450 मदरसे आधिकारिक रूप से पंजीकृत हैं, किंतु 500 से अधिक मदरसों के अवैध संचालन की रिपोर्ट सामने आई। तब दिसंबर 2024 में सरकार ने इन पर बड़ी कार्रवाई की और करीब 200 अवैध मदरसे बंद कराए। सवाल उठा कि यदि मदरसा बोर्ड सही ढंग से काम कर रहा होता तो ये अनियमितताएं कैसे होतीं फिर भी धामी सरकार ने मदरसा बोर्ड को सुधार का एक लम्बा वक्त दिया, लेकिन जब देखा कि बोर्ड की मान्यता समिति 2020 से बैठक तक न कर पाई हो, तो उसकी निष्क्रियता स्पष्ट अब पूरी तरह से स्पष्ट हो गई। यही कारण है कि सरकार ने निर्णय लिया कि अब शिक्षा व्यवस्था को समुदाय विशेष की संकीर्ण चौखट से बाहर निकालकर व्यापक और समावेशी रूप दिया जाए। नया विधेयक उसी सोच का परिणाम है। अब शिक्षा का केंद्र बच्चे होंगे, न कि कोई खास धार्मिक पहचान। पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा ने 20 अगस्त को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान विधेयक 2025 पारित कर दिया। यह विधेयक राज्य में सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ मदरसों को भी अल्पसंख्यक दर्जे का लाभ प्रदान करेगा। सभी अल्पसंख्यक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, यही इसका उद्देश्य है। बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन उत्तराखण्ड बोर्ड के मानकों के आधार पर होगा और कोई भी संस्थान पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकेगा। यदि वित्तीय अनियमितता या सामाजिक सांप्रदायिक सौहार्द के विरुद्ध गतिविधियां पाई गईं तो मान्यता वापस ली जा सकेगी। मुख्यमंत्री धामी कहते हैं, केंद्रीय छात्रवृत्ति के वितरण में अनियमितता, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में विसंगतियां और प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर मुद्दे मदरसा शिक्षा प्रणाली में वर्षों से स्पष्ट रहे हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ, इस विधेयक का उद्देश्य भाषाई अल्पसंख्यकों को भी शामिल करना है। अब उत्तराखंड में गुरुमुखी और पाली भाषाओं के अध्ययन को भी आधिकारिक मान्यता मिल जाएगी। विधेयक यह भी सुनिश्चित करता है कि अल्पसंख्यक संस्थानों को शुल्क, दान, अनुदान या किसी अन्य प्रकार से प्राप्त धनराशि का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा, सभी अल्पसंख्यक समुदायों के अपने संस्थान होने चाहिए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। किसी भी प्रकार की हेराफेरी से मान्यता समाप्त हो सकती है। इन संस्थानों की निगरानी के लिए उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। संस्थानों को कुछ शर्तें पूरी करने के बाद प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त करनी होगी। इसके साथ ही विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धार्मिक शिक्षा पर कोई रोक नहीं होगी। संस्थानों को अपने धार्मिक पाठ्यक्रम पढ़ाने की स्वतंत्रता होगी, बशर्ते वे राज्य शिक्षा बोर्ड के निर्धारित मानकों का पालन करें और बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से न काटें। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष तक ने इस कानून का स्वागत किया है और कहा है कि इससे मुस्लिम बच्चों को भी अवसर मिलेगा कि वे आईएएस, आईपीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ें। असल में यह विधेयक उस सोच का विस्तार है जिसे धामी सरकार ने पिछले वर्षों में लागू किया। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बना, धर्मांतरण विरोधी कानून को मजबूत किया गया और फर्जी साधुओं के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि चलाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में नया विधेयक भी उसी सिलसिले की एक कड़ी है।

दंगाविहीन समाज के निर्माण को लेकर हमारी जिम्मेदारी

दंगा अंधा युद्ध है। इसमें शत्रु का सही पता नहीं होता। आग लगाने, बम फोड़ने वाले नहीं जानते कि वे किसे मार रहे हैं। दंगा राष्ट्र राज्य के विरुद्ध हमले की कार्रवाई है। संभल दंगों की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा संभल के जनसांख्यिकीय चरित्र का भी उल्लेख किया गया है। जनसांख्यकीय चरित्र में बदलाव से राष्ट्रजीवन के तमाम क्षेत्र प्रभावित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 1947 में संभल की हिंदू आबादी 45 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 15 प्रतिशत ही रह गई है। साफ है कि इसी चरित्र के प्रभाव में हिंदू पलायन के लिए विवश हुए हैं। मुस्लिम आबादी के आधार पर ही पाकिस्तान की मांग की गई थी। 1951 की जनगणना में हिंदू 85 प्रतिशत थे और मुसलमान 10 प्रतिशत थे। सैयद शहाबुद्दीन के अनुसार सन 1991 में हिंदू 81.5 प्रतिशत थे और मुस्लिम 12.6 प्रतिशत। यहां मुस्लिम आबादी का प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा है। 2011 की जनगणना में हिंदू 79.8 प्रतिशत थे, मुस्लिम 14.2 प्रतिशत थे। तब से जनगणना नहीं हुई है, लेकिन मोटे तौर पर देश में अब 80.8 प्रतिशत हिंदू होंगे और 16.3 प्रतिशत मुस्लिम होंगे। पड़ोसी देश पाकिस्तान में विभाजन के समय 24 प्रतिशत हिंदू थे। अब 1.6 प्रतिशत हैं। बांग्लादेश बनने के समय हिंदू आबादी 22 प्रतिशत थी। अब 7 प्रतिशत है। संभल की भी यही स्थिति है। आबादी का असंतुलन राष्ट्रीय बेचैनी है। मुस्लिम आबादी नियंत्रण के आधुनिक तरीके नहीं अपनाते। मौलवी हिंदुओं को बुतपरस्त बताकर आलोचना करते हैं। राष्ट्र का अस्तित्व नहीं मानते। राष्ट्र सर्वोपरिता की बात नहीं स्वीकार करते। संभल उदाहरण है। इसके अलावा जहां-जहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां-वहां उनका जीवन दुखमय है। लगातार दहशत और हत्या की आशंका से अल्पसंख्यक हिंदू डरे रहते हैं और पीड़ित होकर पलायन कर जाते हैं। यह विषय बहुत गंभीर है। सरकारें अपना काम करती रहती हैं। सरकारी तंत्र की विवशता है कि वह घटना के बाद सक्रिय होता है। संभल के मामले में भी तुरंत कार्यवाही हुई। जांच समिति भी गठित की गई। लेकिन, संभल में ही 75 वर्षों में 209 हिंदू मारे गए। राष्ट्रीय राजनीति में ऐसे नाजुक प्रश्नों को भी सतही राजनीतिक बहस का मुद्दा बनाया जाता है। एक समय संभल में 68 तीर्थ स्थल थे और 19 विशेष प्रकार के पवित्र कुएं थे। इन पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे होते रहे। इससे अर्थ निकलता है कि संभल के महत्वपूर्ण मंदिर गिरा दिए गए हैं। संभल के दंगों में ही मूर्तियां और मंदिर नहीं गिराए गए, उनकी यही प्रवृत्ति है। इस विचारधारा में मंदिरों और मूर्तियों को नष्ट करने योग्य माना जाता है। तालिबानियों ने बामियान में मूर्तियों को ढहाया था। भारत के कोने-कोने में हजारों सुंदर मंदिर थे। सातवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर औरंगजेब तक मूर्ति तोड़ो अभियान चलता रहा था। आखिरकार मूर्तियों से उनका क्या झगड़ा है। समिति ने संभल के दंगों में भी एक वरिष्ठ राजनेता का उत्तेजित करने वाले भाषण का उल्लेख किया है। महात्मा गांधी हिंदू-मुस्लिम सहअस्तित्व के समर्थक थे। गांधीजी ने मुसलमानों का दिल जीतने के लिए खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया था। खिलाफत घोर सांप्रदायिक आंदोलन था। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं था। खिलाफत आंदोलन के कारण भारत से बाहर थे। तमाम प्रयासों के बाद गांधीजी ने अंत में लिखा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं अपनी हार स्वीकार करता हूं। हिंदू- मुस्लिम एकता के कुछ समर्थक एक साझा आस्था के संघीय स्वरूप पर बल दे रहे थे, अर्थात हिंदू हजरत मोहम्मद और कुरान को सम्मान दें और मुसलमान राम, कृष्ण, शिव और गीता, वेद आदि का सम्मान करें। हिंदू मन के लिए यह काम आसान था। मुस्लिम के लिए दुष्कर। हिंदू जीवन रचना में पूरे अस्तित्व को एक सत्ता माना गया है। फिर मजहब के आधार पर अलग मुल्क पाकिस्तान की मांग हुई। इस मांग के समर्थन में सीधी कार्रवाई की गई। लाखों हिंदू मारे गए। पाकिस्तान बना। दोनों देश अपने-अपने देश को विकसित कर रहे थे। फिर पाकिस्तान से टूट कर बांग्लादेश बना। पाकिस्तान कृत्रिम राष्ट्र है। राष्ट्र मजहब से नहीं बनते। संभल उसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। असली बात है भारत को कमजोर करने की इसी समूह की मुसलसल साजिश। आखिरकार भारत विरोधी इस विचारधारा के साथ क्या सलूक किया जाए। रामजन्मभूमि के साक्ष्य एएसआई की खोदाई में मिले। इस विचारधारा और छद्म सेकुलरों ने रामजन्मभूमि के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया। फिर काशी का मसला आया। उन्होंने यहां भी खोदाई से उपलब्ध साक्ष्य का सम्मान नहीं किया गया। मथुरा का श्रीकृष्णजन्मभूमि मंदिर भी इसी श्रेणी में है। आश्चर्यजनक बात है कि जहां-जहां गहरी खोदाई होती है, वहां वहां गहराई में कोई मूर्ति, कोई उपासना स्थल, हिंदुत्व के ऐसे ही प्रतीक मिल जाते हैं। उनकी यह विचारधारा फलती-फूलती रहती है। प्रत्येक राष्ट्रभक्त का कर्तव्य है कि वह इस विचारधारा का खुलकर प्रतिकार करे। संभल की वास्तविकता व हिंसा ने हजारों लोगों को आहत व सावधान किया है। सब अपना अपना कर्तव्य पालन करें। हिंदुओं का पलायन गंभीर चिंता का विषय है। हिंदू जब किसी पुराने इलाके को छोड़कर जाते हैं, तो उनके मंदिर यहीं रह जाते हैं। कोई यों ही अपना घर नहीं छोड़ता। वह विषम परिस्थितियों का सामना करता है। जब सब तरफ से निराश हो जाता है, तभी अपना घर छोड़ता है। स्वाधीनता से लेकर अब तक संभल में 15 दंगे हुए हैं। हिंदू समुदाय की जनसंख्या के घटने का यही कारण है। हर एक दंगा निदोर्षों की जान लेकर अगले दंगे की आशंका छोड़ जाता है। सरकारों के लिए परेशानी का कारण बनता है। कोई भी सरकार अपने यहां दंगा नहीं चाहती।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की क्रांति

शुरुआती दिनों में कंप्यूटर आज के आधुनिक और आकर्षक उपकरणों के बजाय पुराने टेलीफोन एक्सचेंज जैसे दिखते थे। अब अरबों ट्रांजिस्टर वाले एक नाखून से भी छोटे चिप में कहीं अधिक शक्ति समाई हुई है। ये चिप्स मोबाइल फोन, कार, ट्रेन, फ्रिज, टीवी, स्कूटी, फैक्ट्री मशीनों, हवाई जहाजों को चलाते हैं और उपग्रहों को भी दिशा दिखाते हैं। ये इतने छोटे हैं कि अब आपकी अंगुली में भी फिट होकर आपके दिल की सेहत तक नापते हैं। यही सेमीकंडक्टर का जादू है। किसी भी राष्ट्र की तरक्की के लिए जरूरी है कि वह अपने विकास के प्रमुख क्षेत्रों- स्टील, बिजली, दूरसंचार, रसायन और परिवहन आदि में महारत हासिल करे। सेमीकंडक्टर भी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह लगभग हर चीज के अंदर छिपा है, चाहे वे स्मार्टफोन, कार, ट्रेन, मेडिकल डिवाइस हों या फिर एआई, रक्षा प्रणाली, पावर ग्रिड, सेटेलाइट। सेमीकंडक्टर के बिना डिजिटल अर्थव्यवस्था संभव नहीं है। इनके बिना आधुनिक संचार, डाटा प्रोसेसिंग, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा या सुरक्षित रक्षा प्रणाली की कल्पना नहीं की जा सकती। जो देश सेमीकंडक्टर का डिजाइन और उत्पादन नहीं कर सकता, वह स्वास्थ्य से लेकर सुरक्षा तक अपनी आवश्यक सेवाओं के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाता है। सेमीकंडक्टर में मजबूती पाना भविष्य को आकार देने का सवाल है। कोविड महामारी ने हमें सेमीकंडक्टर की अहमियत बताई। उस समय जब चिप की ग्लोबल सप्लाई चेन डगमगाई तो तमाम उद्योगों का उत्पादन प्रभावित होने से अरबों रुपये का नुकसान हुआ। आज सेमीकंडक्टर वैश्विक राजनीति के केंद्र में हैं। चिप बनाने का काम अभी सिर्फ कुछ गिने-चुने देशों में ही होता है। इसलिए जरा-सी रुकावट पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। हाल में रेयर अर्थ मैग्नेट पर बढ़ता ध्यान हमें याद दिलाता है कि किस तरह महत्वपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण वैश्विक शक्ति का स्वरूप तय करता है। डिजिटल युग का सबसे अहम संसाधन बन चुके सेमीकंडक्टर की मांग और तेजी से बढ़ेगी। भारत में इलेक्ट्रानिक्स की खपत और उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारे पास 65 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन यूजर्स हैं और इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सालाना 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हम एआई आधारित सिस्टम, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रिक वाहन भी विकसित कर रहे हैं, जिनमें चिप्स की जरूरत होती है। ऐसे में जरूरी है कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में अपनी मजबूत जगह बनाए। दशकों तक यह कहा जाता रहा कि सेमीकंडक्टर की दौड़ में भारत पीछे छूट गया है। अब यह सच नहीं। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 10 चिप प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इस साल पहला मेड इन इंडिया चिप बाजार में आ जाएगा। गुजरात के साणंद में एक यूनिट में पायलट प्रोडक्शन लाइन शुरू हो चुकी है। एक साल में चार और यूनिट्स के उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है। एप्लाइड मटेरियल्स, लैम रिसर्च, मर्क और लिंडे जैसी ग्लोब कंपनियां भी भारत में फैक्ट्रियों और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने में निवेश कर रही हैं। भारत की असली ताकत उसके लोग हैं। इसका सही उपयोग करने के लिए नीतियां और निवेश जरूरी हैं। आज भारत के पास वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। अनुमान है अगले दशक की शुरूआत तक दुनिया में 10 लाख से ज्यादा सेमीकंडक्टर प्रोफेशनल्स की कमी होगी। भारत इस कमी को पूरा करने की तैयारी कर रहा है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए विश्वस्तरीय इलेक्ट्रानिक डिजाइन आटोमेशन (ईडीए) टूल्स का उपयोग 350 संस्थाओं और स्टार्टअप्स के 60 हजार से अधिक लोग कर रहे हैं। 2025 में ही इनका इस्तेमाल 1.2 करोड़ घंटे से अधिक हो चुका है। सरकार के सपोर्ट से स्टार्टअप्स भारत के चिप डिजाइन इकोसिस्टम को नई ऊर्जा दे रहे हैं। माइंडग्रोव टेक्नोलाजीज ऐसी आईओटी चिप्स बना रही है, जो आईआईटी, मद्रास में विकसित किए गए स्वदेशी शक्ति प्रोसेसर पर आधारित है।

एक और मौका

बिहार में वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश उन मतदाताओं के लिए एक बेहद अहम लाइफलाइन है, जिन्हें मसौदा निर्वाचक सूचियों से गलत ढंग से हटाया गया है। शीर्ष अदालत का फैसला और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का यह स्पष्टीकरण कि दावे और आपत्तियां समयसीमा के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, इस कवायद में एक स्वागतयोग्य कदम है। गौरतलब है कि इस कवायद से पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। आयोग ने पुष्टि की है कि 1 सितंबर के बाद जमा आवेदनों पर निर्वाचक सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद विचार किया जाएगा, और यह प्रक्रिया नामांकन पत्र भरने की आखिरी तारीख तक जारी रहेगी। यह सुनिश्चित करता है कि जोड़े और हटाए गए नामों को अंतिम सूची में समाहित किया जा सकता है। यह हटाए गए मतदाताओं को अपने आधार कार्ड के जरिए समस्या निवारण का सार्थक अवसर प्रदान करता है। हालांकि, आयोग के आंकड़े जिज्ञासा भरे सवाल खड़े करते हैं। कुल 15 लाख से ज्यादा नए मतदाताओं ने फॉर्म 6 का इस्तेमाल करके पंजीकरण कराया, लेकिन हटाए गए नामों, जो लगभग 65 लाख हैं, को दोबारा जोड़ने के लिए केवल 33 हजार के आसपास दावे दायर किए गए। यह भारी अंतर तब और भी चिंताजनक हो जाता है, जब हम इस बात पर गौर करते हैं कि दोनों श्रेणियां फॉर्म 6 का इस्तेमाल करती हैं, जिससे सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों में घाल-मेल होने की आशंका पैदा होती है। आंकड़ों को लेकर यह भ्रम आयोग और राजनीतिक दलों के बीच बड़े विवाद को खाद-पानी मुहैया कराता है। आयोग अपनी दैनिक डेटा रिपोर्टों का इस्तेमाल करके यह दावा करता है कि पार्टियां हटाए गए मतदाताओं की सहायता करने में विफल रहीं, वहीं पार्टियों का कहना है कि उन्होंने दावे किए, लेकिन इन्हें बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा ठीक से प्रोसेस नहीं किया गया।

Social Media Corner

सच के हक में...

प्राचीन काल में भारत अध्यात्म और व्यापार दोनों क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करता था। भारत की इस श्रेष्ठता के अनेक दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक प्रमुख आयाम, ऐसी सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जिस पर अंतर-राष्ट्रीय उथल-पुथल का कम से कम प्रभाव पड़े। हमारी अर्थव्यवस्था में एमएसएमई का योगदान महत्वपूर्ण भी है और सराहनीय भी। मुझे विश्वास है कि ईईपीसी द्वारा एमएसएमई के निर्यात को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप, नई दिशा प्रदान की जाएगी एवं नई शक्ति प्रदान की जाएगी।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उनके प्रयास सराहनीय हैं, विशेष रूप से नवाचार और स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर उनका ध्यान। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ रहें।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

गुवा गोलीकांड, हमें संघर्ष तथा हमारे पुरुखों के हक-अधिकार और सम्मान के लिए किए गए वीरता और बलिदान की याद दिलाता है। उनका बलिदान हमें सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। गुवा गोलीकांड के अमर वीर शहीदों को शत-शत नमन।

(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why Gopichand stands out

In a world of ambiguous scruples and blurring lines between what is wrong and right, talking about ethics and its moral compass may seem like lighting a candle in front of the sun or playing a trumpet to the deaf. Yet, talk we must, especially in the framework of sports and the belief that fair play is its essence and winning or losing are two sides of the same coin. Even if it may be a self-defeating illusion to divest sports from the larger reality of this world, there is no harm in reminding the vast mass of sports followers in India that we should admire, love and appreciate a role model who follows the principle that the "means used to achieve an end are more important than the end itself".Remember Pullela Gopichand? The former All-England badminton champion, only the second Indian to achieve this feat after Prakash Padukone, has been the torchbearer of the badminton revolution in India, whose coaching academy in Bengaluru has changed the face of the sport and made India its thriving hub. I remember him for something else, an act that in today's world seems impossible. It is a world where sportspersons (read cricketers) endorse any brand — good, bad, ugly — as long as the money earned from advertising it is substantial. At his peak, when he was dominating the international circuit before an injury affected his summit march, he had declined to promote a cola product. We don't know its financial implications but suffice it to say that the money offered must have been tempting, as badminton is no cricket and even its champion players are not pampered with money like cricketers are.Gopi, as he is fondly called, had created a fund of goodwill in the sporting world by an act which in today's ecosystem would be considered vacuous, if not downright stupid. Lost to the world would have been Gopi's strong, sincere intentions of not wanting to wrongly promote a sugar-sweetened drink as bringing health benefits to budding sportspersons.What does Gopi think today of what he did more than two decades ago? He sent this recorded message when I reached out to him: "For me, I just took a stand because it was very personal. I did not drink cola for a very long time. And for me to endorse something which I don't do myself, I felt was not right. It is a very personal decision and it is a very subjective decision… and each one has their own reasons for doing things or not doing something, I don't want to get into that. As far as I am concerned, it is something I just didn't do. I didn't endorse it."Gopi, it should be obvious, felt strongly not to promote something which he believed didn't serve the larger cause of promoting the sport he played, unlike a vast majority of top-notch cricket stars who probably did not even bat an eyelid before endorsing Fantasy leagues and online apps like Dream XI and MyCircle XI.A few years before these "dreams" were to be sold in India, a game called 6UP was launched. All you had to do was predict the score off each ball of an over and if done correctly, you could win double or even triple the amount of money you had bet on it. It caused a debate in the media and in a very critical piece, I highlighted the gambling nature of the so-called "skill" game. This 6UP was being promoted by former Australian captain Steve Waugh, who invited me for lunch at one of Delhi's expensive hotels, The Imperial. For about an hour, Waugh tried to persuade me to change my mind and convince me that predicting the result of a six-ball over is a skill, and not gambling. Waugh was to fund his charity which he launched in Kolkata from the profits to be made from this game, but due to the strong legal challenge and the sports ministry's opposition, 6UP never took off.While 6UP failed, a decade later, the fantasy leagues succeeded in establishing themselves. To circumvent the ban on betting in India, they masqueraded their products as a game of skills. The courts accepted their arguments. A vast army of young and old across India, rural or urban, were now hooked to their mobiles, making their own teams, betting on them, especially during the Indian Premier League, and suffering financial ruin and developing disastrous symptoms of addiction.

Floods in Punjab wreak havoc, Modi-XI meet in Tianjin ushers hope

While achievements like India being ready with its indigenously developed Vikram 3201 microchip brought in positivity, denial of bail to Umar Khalid and Sharjeel Imam in the Delhi 2020 riots after spending 5 years in jail raised viable questions about UAPA

After Himachal and Jammu and Kashmir, the rain gods continued to wreak havoc in the villages and towns of Punjab. The incessant flooding obliterated familiar markers on the Radcliffe Line in Ferozepur where parts of the border fencing that divides India from Pakistan have been submerged. It's as if geography is taking its revenge on history, writes Agency in her edit Water will find a way, in India & Pak. The Bhakra dam has never been desilted since it was built in 1963. She has many formidable questions for which people need answers — If this is true about the Bhakra Nangal on the Sutlej, could it also be true about the Pong dam and the Ranjit Sagar dam? Does it follow that the dam officials had to release water from these dams this monsoon — which caused the flooding in Punjab — because they were concerned about protecting the integrity of the dam structure? If these dams had been desilted over the years, would they have been capable of carrying much more water?In their Op-ed piece Floodwaters expose cracks in Punjab's governance, JNU professor Seema Bathla and Ravi Kiran, Assistant Professor, Government College, Sri Muktsar Sahib, underline the need for a proactive, long-term strategy that addresses the fundamental causes of floods and the need for coordinated efforts between neighbouring states. A review of dam management protocols, a state-wide project for desiltation and a robust farmer-centric crop insurance policy is what they recommend.

In yet another informative article, science commentator Dinesh C Sharma explains in his edit piece Wake-up call on the climate front that the changing monsoon patterns are linked to larger patterns of climate change. Enumerating the solutions, he writes we need to make all our public policies compliant with climate change, review the Environmental Impact Assessment regime and conduct a 'climate audit' of all existing infrastructure — hydel projects, national highways, road and railway bridges, airports — not from a financial perspective but to check if it is climate-resilient.With the SCO meet held in Tianjin earlier this week, among India, China and Russia, the weakest link in this chain is the India-China relationship, says former Ambassador to China Gautam Bambawale in his Op-ed piece Beyond photo-ops: Realities of India-China ties. The outstanding boundary question imposes limitations on how much India-China relations can improve, he writes. It is time for quiet backroom discussions and negotiations between India and China.Amid the changing geopolitics induced by Trump 2.0, there are some good vibes coming in from Europe. Germany's partnership with India will weather the current storms that are shaking up the international order, writes Germany's Ambassador to India Philipp Ackermann in his Op-ed piece Berlin bets on Indian talent for stronger ties. Many German companies have made Bengaluru a cornerstone of their R&D strategies and many Indian students trust the quality of German public universities and are placing their future on Germany.A fallout of Trump's tariff plan, the Centre announced the removal of 11 per cent import duty on cotton. That it has come at the time of harvest is a recipe for disaster, writes Sukhpal Singh, Chairman, Punjab State Farmers' and Farm Workers' Commission in his Oped Cotton imports spell disaster for farmers. The irony is that this decision came days after PM Modi assured the farmers that the government would not compromise on their interest at any cost. Supporting the cause of the farmers is another Op-ed piece Why India needs an agricultural policy where Kirti Kisan Union general secretary Rajinder Singh Deep Singh Wala writes that the pressure of corporate and imperialistic countries has been deciding the fate of our food and farmers. A policy that is advantageous to the farmers, not corporate giants, is needed, he writes.

The Delhi High Court refused bail to Umar Khalid and Sharjeel Imam in the Delhi 2020 riots. By declaring their involvement "graver" without showing how, the court avoids the hard question of equality before law, says Supreme Court senior advocate Sanjay Hegde in his Op-ed piece Burying justice in the Umar Khalid trial. This case is not just about Khalid or Imam, it is about the space for dissent in India. Five years in jail without trial for words and protests is not proportionate; it is punishment without conviction, he notes.

In a positive development, the ISRO presented the indigenously developed Vikram 3201 microchip at the Semicon conference marking a huge milestone in the nation's self-reliance in the semiconductor technology. 'Vikram' is expected to find valuable applications in strategic and industrial sectors, besides playing a major role in space missions, explains IISER Mohali's visiting Professor TV Venkateswaran in his Op-ed piece Why ISRO's Vikram 3201 is a game-changer. The work on semiconductor technology was driven by necessity as ISRO heavily relied on imported processors earlier. Sanctions imposed after the 1998 Pokhran tests sharply highlighted the importance of developing home-grown strategic technology, he explains further.

Kavitha's exit could weaken BRS, benefit BJP

If inclusivity is a serious goal, ease of rectification of the condition and the degree to which normal functions are compromised need to be considered, instead of criteria-based eligibility

The exit of Kalvakuntla Kavitha, daughter of former Telangana chief minister and BRS chief K Chandrasekhar Rao, from the party could not have come at a worse time for the ageing patriarch.Having lost the assembly and Lok Sabha elections, KCR has confined himself to his farmhouse, leaving his son K T Rama Rao and nephew Harish Rao to take on the ruling Congress.

However, increasing attacks from the Congress, including the latest government move to order a CBI probe into alleged irregularities in the Kaleshwaram irrigation project, have put the BRS in a spot of bother. It is under these circumstances that Kavitha's dissenting voice crossed a red line.The immediate trigger for KCR to suspend his daughter was her public outburst against Harish, whom she accused of playing a major role in Kaleshwaram and dragging her father into a CBI probe. Her remarks indirectly endorsed the Congress's allegations.But his action made her double down and resign from both the party and the legislative council, and going so far as to accuse Harish of seeking to take over the party.ensational as her allegations are, the episode is essentially a family feud. It is a truism that all family-run parties face internal power struggles at some point. Kavitha's ambitions were thwarted, in contrast to her brother's fortunes. While KTR was made the party's working president, she remained a member of the council with no position in the party.The Delhi liquor scam, in which she was jailed, did not help her cause. Following her release, she was not, in her words, allowed to take an active role. The stifling atmosphere and dwindling political capital perhaps turned her into a rebel. In reality, her words and actions are aimed as much against her father, for it is he who is the deciding authority.What could be the political fallout of Kavitha's exit? She is no mass leader to split the party. Floating a new outfit is easier said than done, which leaves her with the option of joining the Congress or the BJP. The danger for BRS is that she could dent its prospects.The more the BRS is weakened, the stronger will be the other opposition party, the BJP—and therein lies the real fallout. KCR could have avoided this, but then, a patriarchal mindset seems to have made it inevitable.

Neighbour's envy, owner's pride

The curated lives of others are constantly on display, leaving us exposed to the dangerous illusion that everyone else is happier, more successful, more fulfilled

Watching an Argentinian show, Envidiosa, I found myself uncomfortably confronted by its protagonist Vicky, a 40-year-old woman whose decade-long relationship crumbles, leaving her desperate for love, self-acceptance, and conventional markers of happiness that elude her grasp. The show is positioned as a funny romantic comedy. But what struck me was how accurately it reflects our own capacity for corrosive envy.

Vicky longs for marriage, children, and the family she's dreamed of since her father left in childhood. As her friends reach the milestones she craves, she cannot rejoice, her envy rooted in old wounds more than malice. Despite being surrounded by loving family and friends, she is unable to transcend her myopic self-absorption or toxic behaviour. The show's genius lies in its unflinching portrayal of how envy can transform us into creatures we barely recognise.There exists a Vicky within each of us. Mercifully, most of us manage to keep our impulses in check. Anyone claiming immunity from envy's sting would be lying or lacking in self-awareness.

The theme of envy has always haunted art and literature. From Shakespeare's tormented Othello to Euripides' vengeful Medea, from Daphne du Maurier's Rebecca to Edvard Munch's lesser-known painting Jealousy—which depicted his friend against an Adam and Eve backdrop, allegedly inspired by Munch's affair with the man's wife—art has consistently explored this destructive emotion. Louisa May Alcott's domestic classic Little Women features Amy burning her sister Jo's manuscript, demonstrating that envy need not be romantic to be devastating.

Experts draw a distinction between envy and jealousy. Envy arises when someone else possesses something we lack yet desire. It is dyadic: between the self and the other. Jealousy, on the other hand, is triangular. It involves the fear of losing something we believe to be rightfully ours, such as a partner's affection, to a rival. But whether we name them envy or jalousy, I think of them as close cousins.In our hyper-connected digital age, envy has only intensified. The curated lives of others are constantly on display, leaving us exposed to the dangerous illusion that everyone else is happier, more successful, more fulfilled.

Yet envy isn't inherently destructive. Like anger or sadness, it serves as emotional data, revealing our deepest desires and insecurities. But we must learn to manage it. Left unchecked, envy destroys relationships, blinds us to our own blessings, leaving us perpetually dissatisfied.

The antidote requires conscious effort: cultivating gratitude, staying mindful of our emotional responses, and developing genuine empathy for others' journeys. Though clichéd, consistently acknowledging and focusing on what we already have restores perspective, reminding us of the abundance in our lives.If we fail to do so, we risk ending up like Vicky, unhappy, dissatisfied, and derailed. Envy will always be with us. What matters is what we let it make of us.

The UGC and a uniform curriculum

Oxford University, Cambridge University and the Imperial College of Science, Technology and Medicine, London, are in close geographical proximity to each other. Yet, each one of them teaches different things in mathematics at the undergraduate level. Also, the emphasis on topics and themes varies from year to year. This allows a great flowering of ideas and activities. Similarly, the Massachusetts Institute of Technology and Harvard University are in close proximity to each other and yet again the emphasis on what they teach and how they teach undergraduate mathematics differs in content, emphasis and flavour. This makes one wonder why the UGC has chosen to micromanage the design of the mathematics undergraduate curriculum? The UGC would perhaps be better served if it stepped back a little instead of its often well-intentioned but ill-conceived attempts to help bolster academic standards through a sort of prescriptive micromanagement.

It seems that the UGC is prescribing a common syllabus for the study of undergraduate level mathematics for the entire nation. This has been necessitated by the fact that so many of our universities have abysmally low standards. However, this way of tackling the problem has the grave danger of proving to be counterproductive. All undergraduate institutions would end up teaching the same things in the same manner.

UPS to NPS: Government fixes September 30 deadline, here's what it means

The government has given central employees under the Unified Pension Scheme (UPS) a one-time chance to shift back to the National Pension System (NPS), with 30 September 2025 set as the deadline.

New Delhi.(Agency)

The Finance Ministry has introduced a one-time option for central government employees in the Unified Pension Scheme (UPS) to shift back to the National Pension System (NPS). The Finance Ministry has set September 30, 2025 as the deadline for exercising this option, reported The Times of India.The ministry clarified that this switch is single-use and permanent. Once an employee moves back to NPS, they cannot return to UPS later. Similarly, those who remain in NPS by the deadline will not be able to shift to UPS in the future.

STRICT RULES FOR SWITCHING

The switch can only be used once and is allowed either a year before retirement or three months before taking voluntary retirement.Employees facing dismissal, compulsory retirement as punishment, or those under disciplinary action will not be eligible. Anyone who does not act within the given time will automatically remain under UPS.

FEATURES OF THE UNIFIED PENSION SCHEME

The Unified Pension Scheme, which came into effect on April 1, 2025, was introduced as an alternative to NPS with assured retirement benefits.

It guarantees a minimum pension of Rs 10,000 per month for employees completing at least 10 years of service, provided contributions are regular and no premature withdrawals are made.

In case of the pensioner's death after retirement, the legally wedded spouse will receive 60% of the last payout.

The benefit is not available if the employee resigns, is dismissed, or retires before completing 10 years of service.

WHY THIS MATTERS

The option gives employees and retirees greater clarity on their pension choices.

Many staff members had raised concerns over being locked into UPS without flexibility. The one-time switch now allows them to review their long-term needs and make a final decision.

Banks closed for a few days this week in different states: See the list

MUMBAI.(Agency)

Kolkata: The week beginning on September 8 and ending on September 13, 2025, will witness banks being closed in a few states. The central bank of the country, Reserve Bank of India (RBI) has declared several holidays. This is due to a few festivals and observances. Check in which states will banks be closed and why. Though online and digital banking have proliferated, many still — especially the elderly — prefer to visit branches of banks to get various tasks done.The point to note is that the closure dates are different in different states since different says are observed in different days. So, check your state and whether banks will be closed this week.Bank holidays this week

Monday, September 8: Banks, both private and public banks, will be closed in the country's financial capital of Mumbai as well as the entire state. Maharashtra government has decided to observe of Eid-e-Milad. However, it was celebrated on September in some states.Friday, September 12: Bank branches will be shut for business in Jammu and Srinagar. This will be done to observe Eid-i-Milad-ul-Nabi.

Saturday, September 13: According to the Negotiable Instruments Act, banks will be closed all over the country since it will be the second Saturday of the month. All bank branches in the country are closed on the second and fourth Saturday of every month.The RBI prepares tyhe list of holidays for banks in the country. This is done under the Negotiable Instruments Act. It deals with issuance of cheques and promissory notes. On the days which are listed as holidays for bank branches, no transactions are possible involving cheques and promissory notes.

Home-Cooked Thalis Get 7-8% Cheaper In August Over Benign Commodity Prices

New Delhi.(Agency)

The price of home-cooked vegetarian and non-vegetarian thalis declined 7 per cent and 8 per cent in August (year-on-year), respectively, amid benign commodity prices in India, a report showed on Monday. The decline in the cost of vegetarian thali was led by a sharp drop in prices of onion, potato and pulses, according to Crisil Intelligence.Prices of potato and onion declined 31 per cent and 37 per cent on-year, respectively, on a high base. In the year-ago period, potato production had shrunk 5-7 per cent due to blight infestation and weather changes, pushing up the prices.This year, the production is estimated to be 3-5 per cent higher. For onion, an 18-20 per cent rise in annual production has led to a fall in prices this year.Prices of pulses decline 14 per cent on-year

driven by higher production and stock levels compared with the year-ago period, the report mentioned.

"For potato and onion, the fall in prices was on a high base, while prices of pulses moderated amid higher production. However, an increase in tomato and vegetable oil prices limited the extent of the overall decline in thali costs," said Pushan Sharma, Director, Crisil Intelligence.In the near term, thali prices are likely to remain lower on-year, aided by the high base of vegetables and pulses.The government's decision to allow free imports of yellow pea and black gram is expected to exert downward pressure on pulse prices, Sharma added.The decline in the cost of non-vegetarian thali was driven by 10 per cent on-year drop in broiler prices, which make up about 50 per cent of the cost. Lower vegetable and pulses prices also supported.

ITR Filing 2025: Taxpayers Urged To File ITRs As September 15 Deadline Nears

New Delhi.(Agency)

With the Sept 15 deadline for filing Income Tax Returns for individuals approaching, over 4.56 crore people have filed their ITRs, while the submission of returns is accelerating as the last date nears.

Senior Income Tax Dept. officials are of the view that taxpayers "should not wait till the last-minute" to file their returns, as it leads to inconvenience.The filing of tax returns has been made easy, and the simple process for individuals to file their own returns is as follows:The Income Tax Department notifies different ITR forms each year to suit various categories of taxpayers. Selecting the correct form is essential, as filing in an incorrect form may render the return defective. For FY 2024–25 (AY 2025–26), the following forms are applicable to non-audit taxpayers, including individuals and small entities:ITR-1 (Sahaj) – For Salaried Individuals

A salaried individual, as per the Income Tax Department, is a taxpayer whose income is earned from an employer in the form of salary, wages, allowances, perquisites, or pension and is chargeable under the head "Income from Salary".

ITR-2 – For Individuals/HUFs (No Business/Profession Income)Individuals are natural persons who earn income from salary, pension, house property, capital gains.

Audi India cuts prices by up to Rs 7.8 lakh following GST reforms

CHENNAI.(Agency)

Audi India has announced significant price reductions across its model range, effective from September 22, 2025. These cuts, ranging from Rs 2.6 lakh to over Rs 7.8 lakh, are aimed at passing on the benefits of the recently implemented Goods and Services Tax (GST) 2.0 reforms directly to customers. The move is seen as an effort to make luxury vehicles more accessible to a wider group of Indian consumers.Under the new pricing structure, the entry-level Audi Q3 will now start at Rs 43.07 lakh, reduced from Rs 46.14 lakh, reflecting a price cut of Rs 3.07 lakh. The mid-range Q5 sees a reduction of Rs 4.55 lakh, now priced at Rs 63.75 lakh compared to Rs 68.30 lakh earlier. The larger Q7 SUV has its price cut by Rs 6.15 lakh, bringing the new price to Rs 86.14 lakh from Rs 92.29 lakh. The flagship Q8 SUV has seen the most significant reduction of Rs 7.8 lakh, now available at Rs 1.09 crore instead of the earlier Rs 1.17 crore. Sedan models have also benefited, with the A4 now priced at Rs 46.25 lakh, down from Rs 48.89 lakh, and the A6 available at Rs 63.74 lakh, down from Rs 67.38 lakh.These price revisions follow the recent GST reform, which introduced a more streamlined tax structure for automobiles. Previously, luxury and larger cars were subject to a combination of 28% GST plus an

additional cess. The new regulation applies a uniform 40% GST slab, effectively lowering the tax burden for high-end vehicles and aligning them more closely with mid-sized mass-market cars.The decision by Audi India comes at a strategic time ahead of the festive season, a traditionally strong sales period for the automobile industry in India. By lowering prices, Audi aims to attract more customers and boost sales during this high-demand phase. The company believes that the revised pricing will make its luxury offerings more competitive and accessible in an increasingly price-sensitive market.Audi is not alone in this move; other luxury car manufacturers such as Mercedes-Benz and BMW have also announced similar price cuts in response to the GST overhaul. These industry-wide reductions are expected to intensify competition in the luxury segment and provide customers with a broader range of affordable options.Customers interested in the updated pricing can visit Audi India's official website or authorized dealerships. The new prices will be applicable for purchases and deliveries from September 22 onwards.This pricing adjustment reinforces Audi India's strategy of offering premium vehicles while responding to regulatory changes and market dynamics, positioning itself strongly in the growing Indian luxury automobile market.

Asian and Indian markets rally on weaker yen, stable oil prices

CHENNAI.(Agency)

Asian markets opened the week on a positive note as investor sentiment improved due to weaker yen, steady oil prices, and expectations of a US interest rate cut later this month. The global mood is cautiously optimistic after mixed economic data and central bank signals.

In Japan, the Nikkei 225 index rose significantly after Prime Minister Shigeru Ishiba announced his resignation. This political development weakened the yen, which in turn boosted Japanese exporters, giving the stock market a strong lift. Similarly, Hong Kong's Hang Seng Index started higher, supported by optimism from regional investors.China's Shanghai Composite Index posted a modest gain as investors remained cautious, waiting for further economic updates. Meanwhile, South Korea's KOSPI and Singapore's Straits Times Index both recorded small advances, reflecting general confidence in regional markets. However, Indonesia's IDX Composite remained under pressure due to ongoing political unrest, raising investor concerns.Turning to India, market indicators pointed towards a positive opening. The GIFT Nifty traded around 24,911 early Monday, indicating a firm start for the Nifty 50 and Sensex indices. Started strong, BSE Sensex rose 144 points at 80,854 and Nifty touched 24,805 at 10.15 AM on Monday.

On Friday, the Sensex closed flat at 80,710.76 points, while the Nifty 50 ended slightly higher at 24,741 points. The Bank Nifty index showed resilience, closing near 54,100 points, reflecting strength in the financial sector.Several key sectors showed mixed trends. Stocks in the auto, metal, media, and consumer discretionary segments attracted buying interest. In contrast, FMCG, IT, and realty sectors experienced some selling pressure as investors remained selective amid global uncertainties.

Analysts are closely watching the 25,000 level in the Nifty 50 index. A breakout above this resistance level could signal a fresh upward trend, while support is expected near 24,600 points. Investors remain cautious ahead of the two-day 56th GST Council meeting scheduled later this week.It is important to note that Mumbai observes Eid-e-Milad today as a public holiday, but the stock market will remain open for trading.Several individual stocks are also in focus today. Vedanta, Hyundai, Adani Power, BHEL, Aurobindo Pharma, and SpiceJet are being watched for possible price movements. Technical analysts have recommended keeping an eye on Swiggy and Goldiam International for potential trading opportunities.

GST cuts elude detergents, cosmetics; could be inadvertent say analysts, FMCG cos

New Delhi.(Agency)

Keeping detergents and cosmetics under 18 per cent tax rate with zero savings on these daily-use items for households under the government's sweeping GST restructuring move is surprising, say industry players and analysts. The all-powerful GST Council last week decided to reduce taxes on most of the common-use goods as part of the government's measure to boost consumer spending.The new structure of goods and services tax (GST), which comes into effect on September 22, will have two slabs of 5 per cent and 18 per cent instead of the current four slabs of 5, 12, 18 and 28 per cent. Fast-moving consumer goods (FMCG) products such as hair oil, soap, face powders, shampoos, toothbrushes, and toothpaste have come under the lower slab of 5 per cent from 18 per cent.However along with detergents and cosmetics, duty on several items such as hair dye and household insecticides has not been reduced. FMCG companies say they are ready to pass on the benefits of the duty cuts to consumers, even though they will have to face challenges on the existing stock at retail stores.Industry players as well as experts have also expressed concern over the GST Council's decision not to reduce the duty on essential items such as detergents,

which are available in bar, powder and liquid format. Harpreet Singh, Partner, Deloitte India, told PTI that detergents, an equally essential item in every household, appears to have been inadvertently left out."As a basic necessity for hygiene, their continued higher taxation may stand out as an anomaly. A rate cut for detergents can provide meaningful relief to households, particularly for lower- and middle-income families, as detergent purchases are a recurring monthly expense

" he said. It remains to be seen whether the government will extend the reduction to detergents in the final notification, he added.Grant Thornton Bharat Partner and Consumer Leader Naveen Malpani said Indian beauty and personal care market is growing at a healthy annual rate of 10–11 per cent.

Good news for Amazon sellers: Fee reductions and new AI tools ahead of festive rush

Desperate to raise consumption in the economy, Union finance minister Nirmala Sitharaman said that while the relief in income tax this year left more money in the hands of common people, the GST rejig will allow for greater spending, making things more affordable.

CHENNAI.(Agency)

Amazon India has announced significant changes aimed at supporting its network of 1.7 million sellers ahead of the 2025 festive shopping season. The company has cut seller fees across multiple product categories and introduced advanced AI-powered tools to help sellers improve efficiency and scale operations during this high-demand period. These initiatives come as festive sales in India are expected to grow by 27 percent this year, reaching an estimated Rs 1.2 lakh crore.

Under the new structure, Amazon India has lowered referral fees for a range of products. For example, the referral fee for apparel priced between Rs 500 and Rs 1,000 has been reduced from 15 percent to 11 percent. Similarly, fees for prescription drugs have been cut from 11 percent to 7 percent. In addition to these category-specific reductions, Amazon India has introduced a new program called "Sell More Save More." This scheme offers additional fee cuts to sellers as they increase their overall sales volume, encouraging them to grow their business on the platform.

To further assist sellers in managing operations more efficiently, Amazon India has rolled out AI-powered listing tools. These tools help sellers create product listings up to 70 percent faster than before by automating parts of the catalog creation process. This enhancement allows sellers to quickly upload and manage their product offerings, which is especially important as the festive season approaches and consumer demand surges.

Along with fee cuts and new tools, Amazon India is strengthening its logistics network and providing additional GST support across various states. These improvements aim to simplify compliance processes and speed up deliveries, enabling sellers to serve customers more reliably during the busy shopping season.The company's focus on supporting small and medium-sized sellers, particularly those based in tier-II and tier-III cities, reflects its broader strategy of democratizing access to the e-commerce ecosystem. By lowering costs and providing advanced technology tools, Amazon India hopes to enhance seller competitiveness and drive sustained growth, not just during the festive season, but throughout the year.According to industry analysts these changes could help Amazon sellers navigate market challenges and capitalize on the significant sales opportunities presented by India's growing online shopping market.

Doctors to bat for Healthcare League cancer awareness

▸Modelled on the IPL format, the Indian Healthcare League (IHL) will feature teams from leading hospitals.

Agency New Delhi.

: In a unique initiative to promote cancer awareness, doctors, including former Director General of ICMR Prof Balram Bhargava, will swap their stethoscopes for cricket bats.Modelled on the IPL format, the Indian Healthcare League (IHL) will feature teams from leading hospitals such as AIIMS, Max, and Fortis, competing across six regional squads representing Delhi, Gujarat, Rajasthan, Maharashtra, Haryana, and Uttar Pradesh. The tournament seeks to combine sportsmanship with healthcare advocacy.

"More than a wellness initiative, the league positions itself as a powerful movement with a dual purpose—placing the spotlight on cancer awareness as its primary mission and championing the mental well-being of healthcare professionals as its secondary objective," a statement issued by the Indian Healthcare League read.The inaugural season of the IHL features six dynamic franchises: Delhi Aavataars, Gujarat Lionhearts, Rajasthan Lake-city Warriors, Maharashtra Med Titans, Haryana Juggernauts, and Uttar Pradesh Super Kings. These teams will compete in a spirit of camaraderie and sportsmanship, demonstrating how healthcare providers can balance professional commitments with fitness, teamwork, and community engagement.

The league was launched by Indian cricketer Cheteshwar Pujara. Speaking at the event, Pujara said, "The Indian Healthcare League is a truly unique initiative that celebrates the wellness of those who dedicate their lives to keeping us healthy. Its mission of spreading cancer awareness and strengthening mental well-being among doctors makes it far more than a sporting event—it is a movement for change. I believe this league has the potential to grow into India's second biggest"

Nishant Mehta, CEO of IHL, added, "Doctors spend their lives taking care of others, but rarely get the time to care for themselves. With the Indian Healthcare League, we are not only helping doctors focus on their own wellness but also using sport as a platform to highlight cancer awareness and mental health. This dual mission ensures that the league impacts both the medical community and society, ultimately leading to healthier doctors, stronger awareness, and better patient outcomes."

Gupta flags off 52 trucks carrying relief materials

Agency New Delhi.

CM Rekha Gupta on Sunday flagged off 52 trucks carrying relief materials to Punjab and said that Delhi stands shoulder to shoulder with the state during the ongoing flood crisis.Speaking at the event, Gupta said the floods in Punjab have left thousands of families homeless and displaced.

"In these difficult times, the Delhi government is committed to sharing their pain and extending all possible assistance," she said.

She informed that the trucks are carrying food grains, drinking water, clothes, tarpaulins, medicines, sanitary kits, milk powder for children, and other essential daily-use items.The Delhi government organised the collection and packing of relief material on a war footing so that aid could reach the affected areas at the earliest, the chief minister added.The CM further said that apart from relief material, the government has contributed ₹5 crore to the Punjab CM's Relief Fund. She also spoke with her Punjab counterpart and assured him of Delhi's support until the situation stabilises, as per an official statement.

"At this time, when natural calamities have caused distress and hardship in the country and in Punjab, we must hold one another's hands and stand united. From our Prime Minister Narendra Modi, we have learnt how to stand with any nation in the world when it faces adversity," Gupta said.

Punjab is facing one of its worst floods in decades.The death toll from the devastating floods has risen to 46 as of Saturday, while crops spread over 1.75 lakh hectares have been damaged in the deluge, the officials said.

Delhi Police bust child trafficking gang, 6 babies under a year old rescued

Agency New Delhi.

In a major crackdown, the Delhi Police has busted an interstate child trafficking gang involved in the buying and selling of newborn children.Ten people linked to the racket have been arrested, and six children, each less than a year old, have been rescued safely.

According to officials, the gang operated across Delhi and neighbouring states, targeting vulnerable parents, particularly from poor families and hospital settings. The group would steal or purchase newborns, often exploiting families in desperate situations.

One of the infants, a six-month-old child, was successfully rescued within 48 hours of being reported missing.Investigation has revealed that this racket has been operating for a significant period, and has a a well-organised and extensive network.Police have launched a deeper investigation to uncover the full scale of the operation.

Exclusive: Amid Bihar SIR row, ex-poll officers back idea but question 'timing'

Agency New Delhi.

Three former Chief Election Commissioners on Monday defended the concept of a Systematic Investigation of Rolls (SIR) but expressed concern over its timing and implementation in Bihar, saying voter lists are "bound to have errors" and should not become a flashpoint just ahead of polls.

Speaking at the India Today South Conclave, SY Quraishi, OP Rawat, and Ashok Lavasa addressed the opposition's allegations of "vote chori" (vote theft) and claims that the Election Commission was colluding with the BJP to manipulate voter rolls.

'VOTER LISTS NEVER PERFECT'

The former poll officers underlined that no electoral roll is flawless and discrepancies are inevitable.

"Voters' lists are never perfect. They are bound to have errors, and this has been the case throughout history," one of the commissioners said, adding that such imperfections do not amount to fraud.

SIR MAKES SENSE, BUT TIMING OFF

While backing the principle behind SIR, meant to systematically investigate and clean up voter rolls, the former ECs questioned why the exercise was launched in Bihar at this time."The concept is good, but the timing and choice of state raise questions. Bihar is flood-hit, and the state is heading into elections. Initiating such an exercise now can create unnecessary controversy," one of them noted.

'VOTE CHORI' CLAIMS POLITICAL RHETORIC

Rejecting the narrative of large-scale electoral fraud, the former ECs said Indian elections are broadly free and fair, and charges of "vote chori" were part of political rhetoric that surfaces in every election season.

"Allegations of fraud are more political than factual. These claims are akin to routine accusations raised during elections," they remarked.

Tender process for AIIMS' radiotherapy machine cancelled for 4th time in a row

Agency New Delhi.

For the fourth consecutive time, the tendering process for procuring a linear accelerator machine for radiotherapy at AIIMS' cancer institute has been cancelled, leaving cancer patients who depend on advanced treatment to confront yet another setback.

The procurement process was called off due to technical reasons, officials said. The AIIMS administration has now restarted the tender process. However, it may take several months before the machines are installed and

operational.

The latest tender, floated on September 1 this year, aims to procure two linear accelerator machines at an estimated cost of Rs 70 crore. If the process is completed in the coming months, patients would still face a prolonged wait before they benefit from the new equipment, owing to the extensive safety checks and radiation shielding required before the machines can be made functional.

"Setting up and commissioning such equipment takes time because of strict safety protocols. Even after the process is completed, there will be additional delays before patients can access treatment," a senior doctor at the institute said.

The procurement effort is not new. AIIMS first initiated the purchase of such a machine in March 2022, but acquisition could not be completed. Subsequent tenders were issued in January 2024, July 2024 and May 2025, all for the procurement of two machines each.

Delhi Photography Club Celebrates 15 Years

Agency New Delhi.

Delhi Photography Club (DPC) is marking its 15th year with 'Light and Life: A Quiet Poetry of Light', an annual members' exhibition that brings together the creative visions of its vibrant community. The exhibition opened on Saturday at the India Habitat Centre's Open Palm Court Gallery, showcasing the interplay between light, lens, and life in photography.

"The idea of light and life is because you see only because of light. You see because you are alive. Everything comes alive when you have light and when you have life. Light is something that gives you a feeling that life is vibrant, life is kicking and going. Every year we keep a different feel, and this year we wanted something to be more vibrant," says Virendra Shekhawat, president of DPC, adding that this year's show focuses on colour photography. "We wanted people to come and see the pictures and fall in love with colour photography again."

From luminous dawns and colourful festive celebrations to intimate portraits and sweeping landscapes, the exhibition features over 60 photographs at the gallery, alongside a digital display of 250 works by 12 members: Avanish Dureha, Dr. Amish Bhutani, Gaurav Govil, Pranav Kukreti, Rajeshwari Hariharan, Rakesh Jagtiani, Santosh Kaushik, Sushant Kulshresta, Uma Maheshhwari, Uma Sharma, Veni Singhal, and VV SSSarma. The show reflects the power of photography to capture both the extraordinary and the everyday.Delhi Photography Club (DPC) is a creative community where enthusiasts, hobbyists, and professionals come together to learn, share, and celebrate the art of photography. Through exhibitions, workshops, heritage photo walks, and collaborative projects, DPC has become a platform that nurtures visual storytelling and connects people across cultures and experiences. With inclusivity at its heart, the club continues to inspire thousands to discover the joy of seeing the world through a lens.

Study links capital's rising heat stress to thousands of unrecognised deaths

Agency New Delhi.

A new study by Greenpeace India has revealed a troubling link between Delhi's intensifying heat stress and thousands of unrecognised deaths, particularly among the homeless and outdoor workers. The report, "Death and Degree: Establishing a Relationship of Death and Heat in Scorched Delhi," uses the Universal Thermal Climate Index (UTCI) to show how extreme heat has become a silent public health crisis.

According to the findings, monsoon months that once brought relief now register dangerously high humidity and temperature levels. Between 2015 and 2024, June, July, and August consistently recorded UTCI values above 31.5 degrees Celsius, with July 2019 peaking at 34.4 degrees—conditions previously linked only to peak summer. The report highlights a sharp seasonal rise in stress, with March-to-April UTCI levels spiking by over 30 per cent, marking the onset of extreme summer danger.This rise has coincided with a surge in deaths. In 2019 alone, 5,341 unidentified deaths were recorded during months of record heat. From 2022 to 2024, Delhi reported 11,819 such deaths, the highest three-year toll on record. June has emerged as the deadliest month, with 657 deaths in June 2019 at a UTCI of 34.2 degrees. The homeless have been worst hit: in June 2024, 192 homeless people died within just nine days, while July 2024 recorded 401 deaths—the highest monthly toll in two decades."Our analysis shows Delhi's heat crisis is extending well beyond summer into the monsoon, creating a prolonged season of danger. Unless urgent measures are taken to recognise heat as a disaster and safeguard at-risk communities, Delhi will continue to lose lives in silence," said Selomi Garnaik of Greenpeace India.

Kalkaji-Like cases leave devotees distraught

The victim, Yogendra Singh, was beaten to death about 10 days ago after an argument with the accused over distribution of offerings (prasad).

Agency New Delhi.

In the deluge caused by incessant rain and rising levels of Yamuna water an alarming story got drowned – the lynching of a Sewadar at the iconic Kalkaji temple. Such stories would have immediately raised suspicions about a communal angle. It was not so, the sewadar was killed by fellow Hindu devotees, or this is the wrong word to use.According to newspaper reports, nine people have been arrested so far in connection with the brutal killing of a 35-year-old sewadar at Kalkaji temple. The victim, Yogendra Singh, was beaten to death about 10 days ago after an argument with the accused over distribution of offerings (prasad).

The accused have been identified as Kuldeep Bidhuri (20), Sandeep Bidhuri (33), Monu Kangar (31), Rohit Bidhuri (24), and Mohan Bidhuri alias Bhura (19), all residents of Tughlakabad; Atul Pandey (30) of Dakshinpuri; and Nitin Pandey (27) of Govindpuri. Anil Kumar (55), father of accused Nitin Pandey, and Babu (40) of Tughlakabad have also been arrested for harbouring the criminals and criminal conspiracy.

This is not an isolated incident but a fallout of a very "aggressively followed Hinduism" in the past few years. In these columns a few weeks back we had talked about stress put on the security and the civic agencies to maintain peace during the Kawad Yatra. This year there were reports of Kawadiyas smashing down hotels and shops run by the Hindus along the Yatra route.Somewhere unfortunately the culture of licensed hooliganism in the name of religion has come to pervade. This weekend amidst the traffic jams caused by roads broken in rains, the poor car users had their windows shuddering by the high voltage music played by the DJ carts accompanying Ganpati Visarjan Yatra.

Ganpati Visarjan is meant to symbolise joy and submission to divinity, is now accompanied by deafening DJs, street blockages, and open flouting of civic norms. In such circumstances, the quiet devotee seeking spiritual solace is drowned out, both literally and metaphorically.

Think of the frustration and how much shaken the car users, the majority of them being Hindus, would have been first stuck up in the rain battered roads getting battered by the high voltage sound. Who are these devotees, what 'sanskar' do they bring to value add to the ancient sanatan religion.

For the god-fearing Hindu, the challenges are practical as well as spiritual. Attending a temple during peak festivities often means getting pushed by unruly crowds, tolerating deafening music, or even facing physical risk. Blocked roads, traffic snarls, and vandalism, further add to the frustration.

Instead of spiritual upliftment, the devout often return with exhaustion or even fear. Over time, this discourages participation, leaving the field open to those who treat festivals as occasions of power play rather than devotion. Religious festivals that once encouraged collective discipline and harmony have increasingly turned into platforms of unruly display, where devotion is measured by noise, numbers, and muscle power rather than inner piousness.

NEWS BOX

Trump signals tougher stance on Moscow, says ready to launch 'second

NEW YORK/WASHINGTON . (Agency)

US President Donald Trump on Sunday said he is ready to impose the "second phase" of sanctions against Russia."Yeah, I am," Trump said outside the White House in response to a question if he was prepared to impose additional sanctions on Russia.

Trump's comment came shortly after US Treasury Secretary Scott Bessent said that the Russian economy will "collapse" if Washington and the European Union impose more secondary sanctions on countries that buy crude oil from Moscow.Bessent, in an interview to NBC News, said that President Trump and Vice President J D Vance had a very productive call with President of the European Commission Ursula von der Leyen, who followed up with a call with him on Friday and they discussed what the US and European Union (EU) could do to put more pressure on Russia.The Trump administration has imposed an additional 25 per cent tariff on India for its purchases of Russian oil on top of the 25 per cent reciprocal tariffs announced earlier, bringing the total duties imposed on New Delhi to 50 per cent, with effect from August 27.

Last week, Trump said he put secondary sanctions on India for its purchases of Russian oil, "the largest purchaser outside of China", and indicated that he hasn't done "phase two or phase three yet".

Several of the Trump administration's officials, including Bessent and trade advisor Peter Navarro, have said that India's purchases of Russian oil are financing the Russian war effort in Ukraine.

India has called the tariffs imposed by the US "unjustified and unreasonable".Defending its purchase of Russian crude oil, India has been maintaining that its energy procurement is driven by national interest and market dynamics.

No Bar Can Hold Russia: Defying US Sanctions, Moscow Now Extracts LNG From Arctic And Ships To China

Moscow.(Agency)

Russian President Vladimir Putin's meeting with Chinese leader Xi Jinping has begun to show results. Moscow has pushed ahead with gas supplies from its heavily sanctioned Arctic LNG 2 project, and the second shipment of liquefied natural gas has now reached Beijing. The delivery came just days after both leaders met recently during the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) summit.

The latest shipment was confirmed through data seen on Sunday. According to the London Stock Exchange Group (LSEG), which provides detailed shipping, trade and energy flow data through its subsidiary Refinitiv, the Russian vessel Voskhod LNG dropped anchor at the LNG terminal in Tieshan Port in Guangxi, southwest China, before heading south. The tanker was loaded with nearly 150,000 cubic metres of LNG, lifted in July from the Arctic LNG 2 facility located in Gyda, northern Siberia.This delivery marks the second consignment of sanctioned LNG from the project to reach Chinese ports. At the end of August, the tanker Arctic Mulan docked at Beihai LNG terminal, making it the first restricted cargo from Arctic LNG 2 to arrive for end users in China.

The project only began production in December 2023, but supplies have struggled to keep pace due to shortages of ice-class carriers and heavy Western sanctions linked to the war in Ukraine.

Putin's Visit Sets The Stage

The timing of the shipment has drawn attention. Putin's visit to China included SCO engagements and celebrations of wartime victory, highlighting the political weight of the energy partnership.

Arctic LNG 2 is majority-owned by Russia's Novatek, holding 60 percent. It was designed to be one of Russia's largest LNG ventures, with a planned output of 19.8 million metric tonnes per year. Sanctions, however, have cast uncertainty over those ambitions.

Australia's Mushroom Killer Jailed For Life. Can Get Parole After 33 Years

Australia. (Agency)

An Australian judge sentenced convicted killer Erin Patterson on Monday to life in prison with parole after 33 years for killing three people with toxic mushrooms, capping a trial that sparked a global media frenzy.Patterson, 50, was convicted in July of triple murder for serving a poisonous meal to her estranged husband's parents, aunt and uncle during a sumptuous beef Wellington lunch at her home in 2023.Her trial drew podcasters, film crews and true crime fans to a courthouse in the rural town of Morwell, a sedate hamlet in Victoria better known for its prize-winning roses.Audiences from New York to New Delhi followed every twist of what many now simply call the "mushroom murders".The motive of the murders remains a mystery.Patterson was sentenced on Monday morning in Melbourne where Supreme Court Justice Christopher Beale said she had inflicted "trauma" on her victims and their families."Your failure to exhibit any remorse pours salt into all the victims' wounds," he said."The gravity of your offending warrants the imposition of the maximum penalties for your crimes," he said.He sentenced her to life in prison but said she would be eligible for parole after 33 years, when she will be 83 years old.Her legal team had argued she should be given the chance of release after 30 years because the notoriety of her case would mean she will spend most of her prison sentence in isolation.She now has 28 days to appeal both her convictions and her sentence.The Sydney Morning Herald reported that Patterson wore a paisley shirt as the sentence was read out, with her hair tied back.Speaking after the sentence was handed down, Pastor Ian Wilkinson -- the only guest to survive the toxic mushroom lunch -- thanked those who had supported the family in the aftermath of the murders.

In rare ruling, Israeli Supreme Court says Israel deprives Palestinian prisoners of food

Though the Supreme Court advises on policy legality, Israel's judiciary has rarely challenged government actions during the 23-month Israel-Hamas war.

TEL AVIV. (Agency)

In a highly rare exercise of wartime legal restraint, Israel's Supreme Court ruled Sunday that the Israeli government has deprived Palestinian detainees of even a minimum subsistence diet and ordered authorities to increase the amount and improve the quality of food served to deprived Palestinian inmates.

Although it's the job of the Supreme Court to advise the government of the legality of its policies, the Israeli judiciary has seldom taken issue with its actions in the 23-month Israel-Hamas war.Since Hamas' Oct. 7, 2023, attack on southern Israel that killed 1,200 people, mostly civilians, Israel has largely rejected growing international criticism of its conduct by arguing that it was doing what was necessary to defeat Hamas.The Israeli army has detained large numbers of Palestinians in Gaza and the occupied West Bank on suspicion of militant ties. Thousands have been released from months of detention in camps and jails without charge to tell of brutal conditions, including overcrowding, scant food supplies, inadequate medical attention and scabies outbreaks.As Israel's highest tier of accountability, the Supreme Court hears complaints from individuals and organizations against Israeli government actions, such as its practice of restricting food and medical supplies to Gaza or, in this case, what two Israeli human rights groups described in their complaint as the security establishment's "systemic policy" of depriving Palestinian prisoners of food.

The three-judge panel ruled unanimously that the Israeli government had a legal duty to provide Palestinian prisoners with three meals a day to ensure "a basic level of existence" and ordered authorities to fulfill that obligation.In an unexpected 2-1 decision, the court furthermore accepted

the petition filed last year by the Association for Civil Rights in Israel, or ACRI, and the Israeli rights group Gisha, siding with their allegations that the government's deliberate restriction of prisoners' food in Israeli detention facilities has caused Palestinians to suffer malnutrition and starvation during the Israel-Hamas war."We are not speaking here of comfortable living or luxury, but of the basic conditions of survival as required by law," the ruling said. "Let us not share in the ways of our worst enemies."Palestinian authorities have recorded the deaths at least 61 Palestinians in Israeli custody since the war started. In March, a 17-year-old Palestinian in Israel prison died of what doctors said was likely starvation.Israeli National Security Minister Itamar Ben-Gvir, who oversees the prison system, boasted last year that he degraded the conditions of security prisoners to the bare minimum required by Israeli law.Ben-Gvir, who leads a small far-right ultranationalist party, lashed out at the court ruling Sunday."Are you from Israel?" he asked the judges, arguing that while Israeli hostages in Gaza have no one to help them, Israel's Supreme Court defends Hamas "to our disgrace." He vowed the policy of providing prisoners with "the most minimal conditions stipulated by law" would continue unchanged.ACRI called on authorities to implement the verdict immediately.

Australian judge sentences Erin Patterson to life in prison for poisoning relatives with mushrooms

MELBOURNE. (Agency)

An Australian judge on Monday sentenced triple-murderer Erin Patterson to life in prison with a non-parole period of 33 years for poisoning four of her estranged husband's relatives with death cap mushrooms.

Justice Christopher Beale told the Victoria state Supreme Court that Patterson's crimes involved an enormous betrayal of trust.Patterson was convicted in July of murdering Don and Gail Patterson and Gail's sister, Heather Wilkinson, with a lunch of beef Wellington pastries laced with foraged death cap mushrooms.

Patterson was also convicted of attempting to murder Heather's husband Ian Wilkinson, who spent weeks in a hospital.Patterson's estranged husband, Simon Patterson, was invited but did not attend the July 2023 lunch served to her parents-in-law and her estranged husband's aunt and uncle at her home.

Murderer robbed her children of their grandparents"Your victims were all your relatives by marriage. More than that, they had all been good to you and your children over many years, as you acknowledged in your testimony," Beale said."Not only did you cut short three lives and cause lasting damage to Ian Wilkinson's health, thereby devastating extended Patterson and Wilkinson families, you inflicted untold suffering on your own children, whom you robbed of their beloved grandparents," he added.

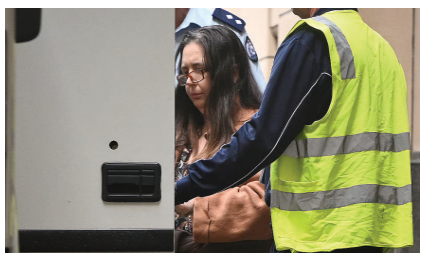

Both prosecution and defense lawyers had agreed that a life sentence was an appropriate punishment for the 50-year-old on three counts of murder and one of attempted murder.But defense lawyers had asked for Patterson to become eligible for parole after serving 30 years. Prosecutors had argued she should never be considered for parole because she did not deserve the court's mercy.

Survivor calls for kindness

Ian Wilkinson did not comment on the sentence but thanked police, prosecutors and health services he'd encountered since the poisonings.

"We're thankful that when things go wrong, there are good people and services and systems available to help us recover," he told reporters outside court."Our lives and the life of our community depends on the kindness of others. I'd like to encourage everybody to be kind to each other. Finally, I want to say thank you to the many people from across Australia and around the world who through their prayers and messages of support have encouraged us," he added.Beale said Patterson had also intended to kill her husband if he had accepted his invitation to lunch.

She had pretended to have been diagnosed with cancer as a reason to bring them together. She claimed to have wanted advice on how to break the news to her two children, who were not present at the lunch.Beale accepted Ian Wilkinson's account that the guests were served grey plates while Patterson ate from an orange-tan plate. This was to ensure she didn't accidentally eat a poisoned meal, Beale said.

Only triple-killer knows her motivation

"Only you know why you committed them (the crimes). I will not be speculating about that matter," the judge told Patterson.

How Donald Trump is weaponizing the government to settle personal scores and pursue his agenda

Washington . (Agency)

President Donald Trump, once a casino owner and always a man in search of his next deal, is fond of a poker analogy when sizing up partners and adversaries.

"We have much bigger and better cards than they do," he said of China last month. Compared with Canada, he said in June, "we have all the cards. We have every single one." And most famously, he told Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy in their Oval Office confrontation earlier this year: "You don't have the cards."The phrase offers a window into the worldview of Trump, who has spent his second stint in the White House amassing cards to deploy in pursuit of his interests.Seven months into his second term, he has accumulated presidential power that he has used against universities, media companies, law firms, and individuals he dislikes. A man who ran for president as an angry victim of a weaponized "deep state" is, in some ways, supercharging government power and training it on his opponents.And the supporters who responded to his complaints about overzealous Democrats aren't recoiling. They're egging him on.

"Weaponizing the state to win the culture war has been essential to their agenda," said David N. Smith, a University of Kansas sociologist who has extensively researched the motivations of Trump voters. "They didn't like it when the state was mobilized to restrain Trump, but they're happy to see the state acting to fight the culture war on their behalf."How Trump has weaponized the government

Trump began putting the federal government to work for him within hours of taking office in January, and he's been collecting and using power in novel ways ever since. It's a high-velocity push to carry out his political agendas and grudges.This past month, hundreds of federal agents and National Guard troops fanned out across Washington after Trump drew on a never-used law that allows him to take control of law enforcement in the nation's capital. He's threatened similar deployments in other cities run by Democrats, including Baltimore, Chicago, New York and New Orleans.

He also fired a Federal Reserve governor, pointing to unproven claims of mortgage fraud.Trump, his aides and allies throughout the executive branch have trained the government, or threatened to, on a dizzying array of targets:He threatened to block a stadium plan for the Washington Commanders football team unless it readopted the racial slur it used as a moniker until 2020.He revoked security clearances and tried to block access to government facilities for attorneys at law firms he disfavors.

She Built A Life In US In 8 Years, Lost It In 60 Days: American Scientist Slams 'Senseless' H-1B Rule After Indian Friend Forced Out

New York City. (Agency)

Washington, DC: The debate around America's H-1B visa system has once again come under focus, but this time the demand for reform is not from immigrants. It comes from an American citizen whose close friend, an Indian professional, had to leave the country after eight years due to the rigid rules of the programme.

Nathan Platter, a data scientist based in Minneapolis, turned to LinkedIn to share his frustration with the current policy. His post has gone viral, sparking discussion across professional networks and within immigrant communities.Platter's friend came to the United States for higher education and spent years building her life there. She first completed her bachelor's degree in four years and then pursued a master's

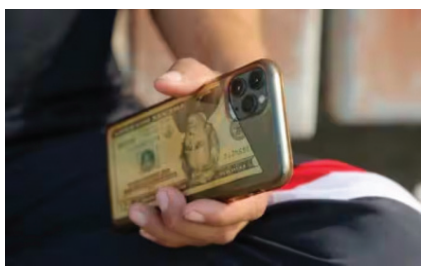

degree over the next two years. For the last two years, she worked in the United States under an H-1B visa.

Recently, she lost her job. Under current rules, H-1B workers are given only a 60-day grace period to secure another employer willing to sponsor their visa. She could not find one in time. As a result, she was forced to pack her life in Austin, Texas, and return to India.

Platter described the situation with raw emotion. "We let her study here. We let her work here. We let her pay taxes here. And now we are sending her back. After eight years in this country, she is being forced to leave only because she could not find another sponsor within 60 days," he wrote.The data scientist recounted how his friend was dedicated to her work, often spending up to 14 hours a day at her job. She contributed significantly to her team and to her community. Still, she had to abandon her career, her home and her friends in Austin."She had to leave her life in Austin.

A decades-long peace vigil outside the White House is dismantled after Trump's order

Washington . (Agency)

Law enforcement officials on Sunday removed a peace vigil that had stood outside the White House for more than four decades after President Donald Trump ordered it to be taken down as part of the clearing of homeless encampments in the nation's capital.Philipos Melaku-Bello, a volunteer who has manned the vigil for years, told The Associated Press that the Park Police removed it early Sunday morning. He said officials justified the removal by mislabeling the memorial as a shelter."The difference between an encampment and a vigil is that an encampment is where homeless people live," Melaku-Bello said. "As you can see, I don't have a bed. I have signs and it is covered by the First Amendment right to freedom of speech and freedom of expression."The White House confirmed the removal, telling AP in a statement that the vigil was a "hazard to those visiting the White House and the surrounding areas."

Taking down the vigil is the latest in a series

of actions the Trump administration has ordered as part of its federal takeover of policing in the city, which began last month. The White House has defended the intervention as needed to fulfill Trump's executive order on the "beautification" of D.C.Melaku-Bello said he's in touch with attorneys about what he sees as a civil rights violation. "They're choosing to call a place that is not an encampment an encampment just to fit what is in Trump's agenda of removing the encampments," he said.The vigil was started in 1981 by activist William Thomas to promote nuclear disarmament and an end to global conflicts. It is believed to be the longest continuous anti-war protest in U.S. history. When Thomas died in 2009, other protesters like Melaku-Bello manned the tiny tent and the banner, which read "Live by the bomb, die by the bomb," around the clock to avoid it being dismantled by authorities.The small but persistent act of protest was brought to Trump's attention during an event a the White House on Friday.Brian Glenn, a correspondent for the conservative network Real America's Voice, told Trump the blue tent was an "eyesore" for those who come to the White House."Just out front of the White House is a blue tent that originally was put there to be an anti-nuclear tent for nuclear arms," Glenn said. "It's kind of morphed into more of an anti-American, sometimes anti-Trump at many times."Trump, who said he was not aware of it, told his staff: "Take it down. Take it down today, right now."Melaku-Bello said that Glenn spread misinformation when he told the president that the tent had rats and "could be a national security risk.

NEWS BOX

Asia Cup 2025: What to expect from Oman, UAE and Hong Kong

New Delhi. (Agency)

The Asia Cup 2025 is just two days away as Afghanistan and Hong Kong will get the tournament underway in the curtain raiser fixture on Tuesday, September 9 in Abu Dhabi. The eight-team event will feature the usual big sides from Asia, namely India, Pakistan, Sri Lanka, Afghanistan and Bangladesh.However, apart from them, three more teams will also set out to make a mark against the big five. Oman will make their debut at the mega event in the main stages while Hong Kong and UAE are set for their fifth and fourth appearance respectively.

UAE earned their spot in the continental tournament after emerging victorious in the ACC Men's Premier Cup 2024 by beating Oman by 55 runs in the final. They're coming into the event from tri series against Pakistan and Afghanistan, losing all four of their matches. Captain Muhammad Waseem will have the burden of leading his team against the likes of India and Pakistan in Group A.

On the other hand, Hong Kong sealed their spot in the Asia Cup after winning the third-place playoff against Nepal in the ACC Men's Premier Cup 2024. They're coming into the

tournament after losing against Malaysia in the Asia Pacific Cricket Champions Trophy 2025. They've been placed in Group B alongside Bangladesh, Sri Lanka and Afghanistan.

Meanwhile, Oman are coming into the tournament having last played in the ICC Men's Cricket World Cup League 2 2023/24-2027. A runner-up finish at the ACC Men's Premier Cup 2024 sealed their spot in the Asia Cup. They're placed in Group A alongside India, Pakistan and the UAE.

How Alcaraz devised masterplan to dethrone Sinner after Wimbledon heartbreak

New Delhi. (Agency)

Spaniard Carlos Alcaraz was crowned the World No.1 in men's singles after beating Jannik Sinner in the US Open final on Sunday, September 7. Alcaraz took apart Sinner at the Arthur Ashe Stadium and finished the game in 4 sets, in a battle that lasted 2 hours and 42 minutes. Speaking after the game, Alcaraz explained how he turned the tables on Sinner, who beat him at the last Grand Slam of the year, Wimbledon.Alcaraz was on song on Sunday, serving emphatically throughout the match. The Spaniard did not commit a single double fault in the entirety of the match, while Sinner fumbled four times. Speaking to the press after the game, Alcaraz revealed that the Wimbledon final is where he decided he

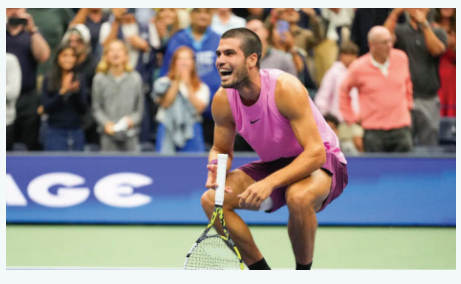

needed to better his game if he is to beat Sinner.Alcaraz said that he took a week off after the Wimbledon final loss and then dedicated two weeks specifically to work on things that would make him better than Sinner."Right after. Right after the match (Wimbledon Final). I thought that I need to prove some things if I want to beat him after the Wimbledon final. I took a week for myself after that. But after that I practised on the specific things that I need to improve to beat Jannik. So two weeks before Cincinnati, I only worked on things that I needed to beat Jannik," Alcaraz said in the post-match press conference.Sinner rued after the match that his game became too predictable against Alcaraz in the US Open final. However, the Spaniard countered that opinion and said that he simply loves watching Sinner play, and came into the game after watching a lot of his matches.

"I wouldn't say I read his game, that he was predictable... I watch a lot of his matches. First of all, because I love watching him play. I think it is unbelievable what he's doing..." Alcaraz said.

Asia Cup conquered: India's transitioning side ready to chase World Cup glory

India have finally slayed the dragon and secured their first Asia Cup title in 8 years with a thumping win in Rajgir. Now with continental success and momentum, the young and transitioning Indian team get ready for the big mission in 2026, the World Cup.

New Delhi. (Agency)

"It's relief in a way in a sense, because we've been on the road for 2 months, and it's nice to walk away from here, being champions."

These were the words of India coach Craig Fulton right after the Asia Cup 2025 final win in Rajgir on Sunday, September 7. You can't blame the coach for feeling relieved — his side has endured a roller-coaster ride in 2025 following a fruitful period last year. India won the bronze medal at the Paris Olympics and then went on to claim the Asian Champions Trophy title.But 2025 turned into a major reality check. India entered the European leg of the Hockey Pro League sitting third in the standings but went on to lose seven of their eight games against Australia, the Netherlands, Argentina and Belgium. That run saw them finish seventh and lose their chance at direct World Cup qualification.This meant the Asia Cup was their last hope. If they failed, the high-pressure qualifiers awaited. Criticism about Fulton's tactics and India's inconsistency grew louder after the opener against China. Despite a 4-3 win, rust was visible in India's game and the heavy reliance on captain Harmanpreet Singh to score goals was evident.Wins against Japan and Kazakhstan gave the side momentum heading into the Super 4s. But then came the draw with Korea, where India lacked consistency and even failed to execute basic plays.The response was emphatic. India clicked in the final three matches of the tournament, showcasing why they are still the best in Asia and ultimately securing the title.

It was hard-earned, but this transitioning side once again showed why they belong in the conversation among the best teams in world hockey.

Mindset of Champions

For any team to succeed in tournaments like this, mindset matters as much as skill. Mental conditioning coach Paddy Upton said during the tournament that he believed the group had it in them to win major trophies like the World Cup and Olympics.

Vice-captain Hardik Singh echoed that belief after the final, saying the mindset from the start was to dominate Asia and secure World Cup passage. He also pointed out how the team managed to find the finishing touch in the latter stages, which proved decisive.

"Our mindset was that from here we have to qualify for World Cup and we have to dominate in Asia, so that was our message before this tournament.""And the way team has performed, after the match against Korea which was a draw, we made sure this time the finishing touch which was missing in that match will be completed. And how it went, I think we knew that we can beat any team here but our final had to be good and we worked on that," said Hardik.Hardik also highlighted the presence of multiple leaders within the group, which helped the team cross the finish line. Former captain Manpreet Singh, still one of the fittest players in world hockey despite playing over 400 matches, continues to set the tone. Add in the experience of Amit Rohidas and Harmanpreet, and the leadership core is strong.

AJ Lee make WWE return after a decade, joins Punk vs Seth and Becky feud

New Delhi. (Agency)

It's been ten years since AJ Lee last laced up her boots in a WWE ring, but on Friday night in Chicago, the former three-time Divas Champion made her long-awaited comeback, and the fans erupted like it was 2014 all over again.AJ, who retired in 2015 following her husband CM Punk's dramatic WWE exit, had long been one of the most beloved stars in the women's division. Her decision to step away came just as the Women's Evolution was beginning to take shape, eventually creating opportunities for new stars like Becky Lynch, Charlotte Flair, Bayley, and Mercedes Mone. While her absence left fans nostalgic and longing for her unique mix of charisma and unpredictability, AJ always seemed content pursuing projects outside the ring — until now.The seeds for her return were planted at WWE Clash in Paris. In the main event, Punk looked poised to reclaim the World Heavyweight Championship from Seth Rollins, only for Becky Lynch to deliver a low blow that unfairly swung the match in Seth's favor. As Punk walked back up the ramp, a fan's sign caught the cameras: "Bring back AJ to WWE." Punk's smirk in response fueled speculation that something bigger was brewing. Maybe he was actually

considering it.The very next night on Raw, the teases only intensified. Becky slapped Punk and mocked him in the ring as fans chanted AJ's name — chants that Becky and Seth didn't ignore, but instead leaned into, even showing some resentment. Later, when Punk learned that SmackDown was heading to Chicago, the writing was on the wall.Sure enough, on September 5th at the Allstate Arena SmackDown event, the WWE Universe got the payoff. In front of more than 16,000 roaring fans, AJ Lee made her long-awaited return. Wearing her signature casual style — though swapping out her usual Chuck Taylors for Vans — AJ stormed toward the ring, skipping in her trademark fashion. She attacked Becky Lynch, then embraced Punk in a nostalgic nod to their on-screen pairing from a decade ago. The crowd's reaction was deafening. Fans flooded social media with comments about how much they missed her, how she hadn't lost her trademark playfulness and spunk, and how hearing her theme song "Light It Up" brought back waves of nostalgia.Their shared history is legendary, with the two trading the Divas Championship back and forth between 2014 and 2015, before AJ's retirement brought their rivalry-turned-partnership to an end.

Satwik-Chirag to lead Indian challenge at Hong Kong Super 500

JHONG KONG. (Agency)

Fresh from their World Championships bronze medal, Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty will once again spearhead India's challenge at the Hong Kong Super 500 badminton tournament, beginning here on Tuesday.The world No. 3 duo, who produced a superlative show in Paris to clinch their second World Championships bronze, have been India's most consistent performers this season with several semifinal finishes on the BWF Tour, including events in India, Malaysia, China, and Singapore.The eighth seeds will open their campaign against Chinese Taipei's Chiu Hsiang Chieh and Wang Chi-Lin.

Two-time Olympic medallist PV Sindhu, who showed glimpses of her prime form at the Worlds with a demolition of China's Wang Zhi Yi before falling in the quarterfinals, will look to build on that performance when she faces Denmark's Line Christophersen in the opener.US Open champion Ayush Shetty, one of the rising stars this year, has a tough first-round clash against China's Lu Guang Zu.Former world No. 6 Lakshya Sen, still searching for rhythm after his fourth-place finish at the Paris Olympics, will look to regain confidence when he

takes on Wang Tzu Wei of Chinese Taipei.

The 24-year-old has been plagued by narrow losses and niggles, and suffered a first-round exit at the Worlds against top seed Shi Yu Qi.HS Prannoy, who went down fighting against Denmark's Anders Antonsen in Paris, faces another stiff challenge against Japan's fifth seed Kodai Naraoka in the first round.

Among doubles, the men's pair of Hariharan Amsakarunan and Ruban Kumar Rethinasabapathi and the women's duo of Rutaparna and Swetaparna Panda will be in action.In mixed doubles, Dhruv Kapila and Tanisha Crasto, quarterfinalists at the Worlds, face Chinese Taipei's Chen Cheng Kuan and Hsu Yin-Hui, while Rohan Kapoor and Gadde Ruthvika Shivani take on second seeds Feng Yan Zhe and Huang Dong Ping of China.The qualifiers feature an all-Indian clash between former world No. 1 Kidambi Srikanth and Tharun Mannepalli.

In women's singles, Anupama Upadhyaya meets fourth seed Tomoka Miyazaki of Japan, while Rakshitha Ramraj runs into Thailand's former world champion and fifth seed Ratchanok Intanon.

Even Shubman Gill will find it tough to displace Samson as opener: Ravi Shastri

New Delhi. (Agency)

Former India head coach Ravi Shastri has urged the team management to let Sanju Samson play as an opener in the upcoming Asia Cup T20, while fielding vice-captain Shubman Gill at a different batting position. The Asia Cup T20 will kick off on September 9, with India set to begin their campaign against hosts UAE in Dubai on September 10.

Sanju Samson has been in impressive form as an opener since taking over the role in 2024, amassing 861 runs in 41 T20Is. The Indian wicketkeeper has scored three T20I hundreds in just 12 innings, maintaining a strike rate of 152.38. However, his performance drops significantly when batting in other positions, with a highest score of only 29 in nine innings.Meanwhile, Indian selectors have confirmed the return of Test skipper Shubman Gill to T20Is after more than a year, raising questions about whether he will resume his preferred role alongside Abhishek Sharma at the top of the order."He [Samson] is most dangerous in the top three. That's where he wins you matches. He should be left there. It [replacing Samson for Gill] won't be that easy. Samson has a strong record for India at the top in T20s. Even Gill will find it tough to displace him. Gill may come in for someone else, but Samson should be left alone as opener," Shastri, who coached India from 2017 to 2021, said during a media interaction recently. "Samson should continue playing the way he has for India in T20s. He has been consistent at the top with big runs and hundreds," Shastri added.Shastri, speaking on the bowling department, said he believes spin will play a crucial role in the upcoming tournament. "Given the conditions in Dubai and the heat, spin will definitely be the flavour of the month. Teams like Afghanistan might even play four spinners. Whether it's two or three, it depends on balance, but spinners will certainly be in big demand in Dubai. You need both finger spin and wrist spin. India has that luxury, and they'll all come into play depending on conditions," the former spin-bowling all-rounder said.

Asia Cup: Spin-powered Afghanistan are no longer just challengers, but contenders

Rajgir . (Agency)

JAfter a semi-final finish at the 2024 T20 World Cup and an impressive run in the 2023 ODI World Cup, Afghanistan are ready to script the next chapter in their success story.Over the last decade, India have dominated world cricket and cemented its position as Asia's top team. While India remain the continent's undisputed number one, Afghanistan have quietly risen to second place—leapfrogging Pakistan, Sri Lanka, and Bangladesh. Their rise has been swifter than Pakistan's erratic progress, more consistent than Sri Lanka's one-off Asia Cup triumph, and far more promising than Bangladesh's fading challenge.Afghanistan now boasts some of the finest T20 specialists in the game, with their bowling attack standing out as their biggest weapon. Their world-class spin unit remains the centerpiece, while the top order carries the talent and firepower to test any opposition. Captain Rashid Khan will be counting on his team to play with freedom, showcase their fearless brand of cricket, and make a strong statement on the big stage.Building on their 2024 T20 World Cup semi-final run—where they stunned New Zealand and Australia before bowing out—Afghanistan now have their sights firmly set on the next edition.

SPIN-POWERED BUT BALANCED SQUAD

A spin-heavy 17-member squad, led by the experienced Rashid Khan, combines seasoned campaigners with exciting young talent. Afghanistan, drawn in Group B alongside Sri Lanka and Bangladesh, will open their Asia Cup campaign against Hong Kong.Veterans Mohammad Nabi, Karim Janat, and Gulbadin Naib provide leadership and composure, while explosive openers Rahmanullah Gurbaz and Ibrahim Zadran have been consistent in setting strong platforms. They are joined by in-form

domestic performers such as Sediqullah Atal and Azmatullah Omarzai, while 16-year-old Allah Ghazanfar-already with two ODI five-wicket hauls and IPL exposure-adds a fresh dimension to the bowling group.Naveen-ul-Haq's return after stepping away from ODIs strengthens the pace attack, though he will miss the T20I tri-series preceding the Asia Cup, with Abdullah Ahmadzai filling in. Ghazanfar also re-enters the setup following an injury layoff. Apart from these changes, the tri-series squad mirrors the Asia Cup contingent.

Spin remains Afghanistan's most lethal weapon. Rashid Khan, Mujeeb Ur Rahman, Nabi, and Noor Ahmad headline a world-class unit, with Sharafuddin Ashraf and Ghazanfar providing further options. Their extensive T20 league experience, particularly in UAE conditions, makes them a nightmare for opposition batters.

The pace battery, led by Fazalhaq Farooqi and supported by Omarzai, Naveen, and Naib, adds variety and depth. With Farooqi's left-arm angle complementing the spinners, Afghanistan's bowling attack has both balance and bite.

Sai Pallavi

Touches Kamal Haasan's Feet, Pays Respect At SIIMA 2025

The South Indian International Movie Awards (SIIMA) 2025 turned into a star-studded affair as some of the biggest names in the industry graced the red carpet. Among the many viral moments from the event, one gesture stood out and won hearts on social media. Actress Sai Pallavi, known for her humility and grace, was seen traditionally greeting veteran actor Kamal Haasan – by touching his feet.In a video doing the rounds online, Sai Pallavi approached Kamal Haasan with folded hands before bending down to touch his feet, seeking his blessings. The legendary actor, visibly moved by her gesture, blessed her and exchanged a warm smile. Fans praised Sai Pallavi's display of respect, calling it a reminder of the deep-rooted traditions of the South film industry. Social media was quick to react, with many users lauding the actress for her simplicity despite her fame. Watch the video here:

Sai Pallavi won big in SIIMA 2025

South Indian International Movie Awards 2025 (SIIMA) awards were announced in Dubai on September 6. Sai Pallavi won big in the Tamil belt, winning the Best Actress award for Amaran.In the Telugu and Kannada-speaking regions, Allu Arjun and Rashmika Mandanna picked up top acting honours, while Kalki 2898 AD and Gowri scored big in multiple technical and acting slots.

Sai Pallavi plays Sita in Ramayana

Sai Pallavi is all set to make her Bollywood debut as Sita in Nitesh Tiwari's Ramayana. Ranbir Kapoor plays Lord Ram in the film and Yash has been roped in to play Ravana.

Eminent teams from both Bollywood and Hollywood have collaborated for the film. Hollywood's top stunt directors — Terry Notary (Avengers, Planet of the Apes) and Guy Norris (Mad Max: Fury Road, Furiosa) — are choreographing the epic battles between gods and demons. The visual splendour of ancient India is being reimagined by renowned production designers Ravi Bansal (Dune 2, Aladdin, etc) and Ramsey Avery (Captain America, Tomorrowland, etc), delivering an immersive cinematic experience on an unprecedented scale.Directed by Nitesh Tiwari and produced by Namit Malhotra's Prime Focus Studios along with the 8-time Oscar-winning VFX studio DNEG, in association with Yash's Monster Mind Creations, Ramayana is being filmed for IMAX and will be released worldwide: Part 1 in Diwali 2026 and Part 2 in Diwali 2027.

Disha Patani

Sets The Internet On Fire, Flaunts Cleavage In New Viral Photos

Disha Patani has once again taken social media by storm with her latest pictures that highlight her bold and glamorous side. Known for her impeccable fashion sense and effortless charm, the actress shared a series of stunning photos that instantly went viral, leaving fans swooning.Taking to her Instagram stories, Disha Patani shared photos in which she is seen flaunting her cleavage. She opted for a strapless top and shimmery makeup. The actress did not write anything for caption. But her photos have surely set the internet on fire.

Disha Patani Turns Up The Heat In Bold Red Cut-Out Dress

Disha Patani sizzles in a daring red cut-out dress. Her latest appearance in a bold cut-out red dress is a celebration of fearless femininity, sultry elegance, and a masterful understanding of how to turn a simple silhouette into a high-impact style statement. Disha's form-fitting scarlet dress is an ode to daring glamour. The strategically placed cut-outs not only highlight her sculpted physique but also add a modern edge to the romantic hue. A delicate ruffled trim traces the asymmetric cut-out, lending a touch of softness to the otherwise daring design. The slim spaghetti straps and fitted bodice elongate her frame, while the figure-hugging skirt flows with a minimal slit, allowing the color and construction to command attention without distraction. Red, universally recognized as a color of passion and power takes on an even more magnetic quality in this look, amplifying Disha's confident aura.

The Overall Mood: Sensual Confidence

This is not just a red dress moment, it's a masterclass in embodying a look. From the fearless cut-outs to the ruffled detailing, from the luminous skin to the unbridled waves, every element works together to tell a story of a woman unafraid to be seen. Disha Patani, in this fiery ensemble, isn't just wearing

fashion, she's living it, breathing it, and owning every inch of its unapologetic glamour.

Recent posts:

Meanwhile, just a few days ago, Disha shared a video, in which she was seen trying chair dance for the first time. Needless to say, she aced it! She was seen dancing to the song Jiya Jale from Shah Rukh Khan starrer Dil Se, and her sizzling moves have sent fans into a meltdown. She gave a fresh spin to the iconic song, and her fluid, bold dance moves left fans in awe. Her performance was equal parts graceful and fiery, and fans couldn't stop praising her.

Varun Dhawan's New Dance Partner Is Too Cute To Miss, Janhvi Kapoor Reacts

Varun Dhawan is currently enjoying massive fan love for his energetic dance number Bijuria from the upcoming film Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari. He recently shared an adorable moment with his pet that instantly went viral. The actor took to Instagram to post a video where he can be seen grooving with his furry friend, whom he lovingly introduced as his "best dance partner."Taking to his Instagram handle, Varun Dhawan shared a video in which he is seen dancing with his pet on the song Bijuria from the film Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari. Immediately, Janhvi Kapoor reacted and wrote, "Ok but u have a problem with ur cap." Maniesh Paul also commented, "haahahahahhaa superb." Fans also showered love on him. Recently, Varun Dhawan also visited Lalbaugcha Raja. The actor was photographed offering prayers at the revered Ganpati pandal. Dressed in a simple yellow kurta, Varun Dhawan kept his look traditional as he folded his hands in devotion. Taking to the caption, he wrote, "Ganpati Bappa Morya" in Hindi.

Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari teaser

The teaser of Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari begins with Varun Dhawan channelling his inner Amarendra Baahubali, originally portrayed by Prabhas in the SS Rajamouli film. His enthusiam is soon let down by Varun's friend, who says: "Ranveer Singh ki dhoti mein Prabhas ka paudha lag raha hai". The teaser introduces all the leading characters of the film, including Janhvi, Sanya and Rohit. It further takes the audience inside the drama, dance, colour and romance that is in store for the audience. But one thing is for certain: the teaser will remind you of Varun's Humpty Sharma Ki Dulhania days. "Quick intro: Four people. Two heartbreakers. One wedding," read Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari's logline on YouTube.

What is the plot of Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari?

As per IMDb, the film's plot follows "two former lovers in Delhi who attempt to reignite their romance, only to stumble into a series of comic mix-ups and deceptions. Amid the chaos, an unexpected love story begins to blossom.

Gauahar Khan, Zaid Darbar Did THIS Moments Before Welcoming Their Second Child

Actress Gauahar Khan and her husband Zaid Darbar embraced parenthood for the second time on the 1st of September this year.Recently, Zaid Darbar gave a cute sneak peek into what went into the hospital room, right before the then mommy-to-be Gauahar "popped". Gauahar, in her hospital outfit along with the father-to-be, Zaid, was seen dancing her heart out. The couple danced to the hit song "Don't you wish your girlfriend was hot like me" by The Pussycat Dolls.

Gauahar Khan and Zaid Darbar, who have become parents for the second time, shared the happy news with a joint post on social media. The post read, "Zehaan is overjoyed to graciously share his kingdom with his new baby brother born on September 1, 2025. Seeking everyone's continued love and blessings for our elated family. Grateful and giggling partners, Zaid and Gauahar." A few weeks ago, Gauahar Khan celebrated a beautiful yet intimate baby shower and shared glimpses from the happy celebration over social media.

The actress was seen dressed in a shimmering yellow-golden gown and looked breathtaking as usual. She kept her hair open and teamed up her look with bold red lips and opted for minimal makeup, adding a delicately crafted necklace and a single bangle that perfectly complemented her attire.

Khan's social media was flooded with clips of her baby shower event, especially with some fun snippets from inside the celebration. In one of the videos, Gauahar and Zaid were seen cutting a two-tier cake decorated with pastel flowers, capturing the happiness of the occasion. For the uninitiated, Gauahar and Zaid got engaged in November 2020 and tied the knot in December. In December 2022, the actress announced her first pregnancy and welcomed her firstborn, a baby boy, Zehaan, in May 2023.

In April 2025, the actress revealed her second pregnancy with a happy dance video set to Jessie J's hit Price Tag, where she proudly flaunted her baby bump. She captioned the cute dance video as, "Bismillah!! Need your prayers and love. Make the world dance by spreading love #GazaBaby2 #allahummabaarikfiihi."